





जेबीएन वी कनेक्ट महिला व्यवसाय रेफरल समूह की चौथी बैठक आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जेबीएन वी कनेक्ट महिला व्यवसाय रेफरल समूह की चौथी कार्यकाल की बैठक राजाजीनगर स्थित जीतो बेंगलूरु नॉर्थ कार्यालय में आयोजित की गई। यह बैठक जेएलडब्ल्यू की संयुक्त सचिव सुमन रांका की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित हुई। बैठक की मुख्य वक्ता मीना जैन रहीं, जिन्हें मैनिफेस्ट मास्टर की नाम से जाना जाता है। उन्होंने व्यवसाय माइंडसेट विषय पर एक अत्यंत प्रेरणादायक सत्र लिया, जिसमें सकारात्मक सोच, अवचेतन मन की शक्ति और लक्ष्य प्राप्ति के लिए संरक्षण की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने दो रोचक गतिविधियों के माध्यम से उपस्थित सदस्यों को यह अनुभव कराया कि कैसे सचेत और अवचेतन मन का समन्वय सफलता की दिशा में मार्ग प्रशस्त कर सकता है। बैठक में सदस्य



स्पॉन्सराइट के अंतर्गत सिंपल जैन, गृह उद्योग की संस्थापक ने 8 मिनट की प्रस्तुति दी, जिसमें उन्होंने बताया कि कैसे उन्होंने घरेलू उत्पादों को एक सफल व्यवसाय में बदला। उन्होंने अपनी कहानी के माध्यम से यह सिद्ध किया कि जुनून और सादगी भी सशक्त उद्यमिता को जन्म दे सकते

हैं। शैक्षिक सत्र में लक्षिता कटारिया ने प्रभावी प्रस्तुति के महत्व को रेखांकित किया, जबकि सीमा शाह ने व्हाट्सऐप की दो उपयोगी विशेषताओं की जानकारी दी, जो दैनिक कार्यों को अधिक संगठित और सरल बना सकती हैं। इस बैठक में तीन नए सदस्यों का गर्मजोशी से स्वागत

किया गया, जिससे नेटवर्क और अधिक मजबूत हुआ। सभी सदस्यों को 30-सेकंड पिच प्रस्तुत करने का अवसर दिया गया, जिससे आपसी संवाद और सहयोग को प्रोत्साहन मिला। उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए डोर पुरस्कार प्रदान किए गए। सर्वश्रेष्ठ पिच के लिए सीमा शाह, उच्चतम

व्यवसाय देने के लिए मीना जैन और उच्चतम रेफरल प्रदान करने के लिए बिंदु मेहता को सम्मानित किया गया। लॉन्च के समय से अब तक जे.बी.एन. वी कनेक्ट द्वारा कुल 777 रेफरल साझा किए जा चुके हैं, जिनके माध्यम से 53,93,027 मूल्य का व्यवसाय उत्पन्न हुआ है, जो इस नेटवर्क की प्रभावशीलता और प्रतिबद्धता का प्रमाण है। यह एक बड़ी उपलब्धि है। कार्यक्रम का संचालन रेफरल हेड मीना जैन, रेफरल लीड लीला पितलिया और रेफरल सचिव सीए सुखदेवी जैन ने किया। बैठक का समापन राष्ट्रांगन और उसके उपरांत ओपन नेटवर्किंग सत्र के साथ हुआ। इस सफल आयोजन के लिए जे.बी.एन. वी कनेक्ट टीम तथा जे.एल.डब्ल्यू. बेंगलूरु नॉर्थ की अध्यक्ष लक्ष्मी बाफना एवं मुख्य सचिव रक्षा छाजेड़ ने शुभकामनाएं प्रेषित की।



बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की राष्ट्रीय अध्यक्ष सरिता डागा एवं मंत्री नीतू ओस्तवाल ने डॉ. मुनि पुलकित कुमार जी के त्यागराजनगर स्थित प्रवास स्थल पर पहुंचकर उनके दर्शन व आशीर्वाचन प्राप्त किए। इस अवसर पर महिला मंडल द्वारा प्रकाशित गुरुभक्ति का त्रिवेणी संगम एवं नारी लोक विशेषांक मुनि को भेंट किए गए। साथ ही, मंत्री नीतू ओस्तवाल ने आचार्य महाश्रमण दीक्षा कल्याण वर्ष के उपलक्ष्य में तैयार विशिष्ट कविता संग्रह महाश्रमणोस्तु मंगलम् की जानकारी दी और इसे मुनि को

समर्पित किया। नचिकेता मुनि आदित्य कुमार जी ने तेरापंथ महिला मंडल द्वारा सामाजिक, शैक्षणिक एवं आध्यात्मिक क्षेत्रों में किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए संगठन की सक्रियता की प्रशंसा की। अपने मंगल प्रवचन में मुनि पुलकित कुमार जी ने कहा कि अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल भारत भर में 400 से अधिक शाखाओं के माध्यम से समाजसेवा, शिक्षा और अध्यात्म के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दे रही है। यह संस्था गुरु इगित की आराधना करते हुए जैन स्कॉलर निर्माण का महनीय कार्य कर रही

है। उन्होंने राष्ट्रीय अध्यक्ष सरिता डागा के कार्यकाल को अनेक दृष्टियों से ऐतिहासिक बताते हुए महिला सशक्तिकरण में उनके नेतृत्व की महत्वपूर्ण भूमिका को उल्लेखित किया। इस अवसर पर तेरापंथ महिला मंडल हनुमंत नगर से संतोष रायसोनी ने सरिता डागा का शब्द-सुमनों से सम्मान किया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय परामर्शक लता बजरंग जैन, प्रेक्षा प्रवाह - शक्ति एवं शांति की ओर की राष्ट्रीय संयोजिका वीणा बैद, मैनाबाई रायसोनी, मधु सेठिया, संजू रायसोनी सहित कई महिलाएं उपस्थित रहीं।

बल्लारी अणुव्रत समिति में हुआ मानवता का संगम



बल्लारी/शुभ लाभ ब्यूरो।

बल्लारी तेरापंथ सभा भवन में अणुव्रत संगठन यात्रा हेतु अणुव्रत विश्व भारती सोसायटी के राष्ट्रीय पदाधिकारी उपाध्यक्ष कैलाश बोराना के नेतृत्व में संगठन मंत्री राजेश चावत, राज्य प्रभारी केसरी चंद गोलछा, सुरेश कोठारी पहुंचे। कार्यक्रम का शुभारंभ अणुव्रत गीत के साथ हुआ। बल्लारी समिति के अध्यक्ष पारसमल खीवंसरा ने

सभी का स्वागत किया। समिति की गतिविधियों की जानकारी बसंत छाजेड़ ने दी। इस अवसर पर संगठन मंत्री राजेश चावत ने अणुव्रत के बारे में जानकारी दी। अणुव्रत किसी भी धर्म, जाति, संप्रदाय से जुड़ा नहीं है। अणुव्रत में सभी जाति के सदस्य बन सकते हैं, जो अणुव्रत की आचार संहिता के ग्यारह नियमों को स्वीकार करते हैं। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कैलाश

बोराना ने समिति की सराहना की। समिति ने अनेक आयाम किए, मानव सेवा का कार्य किया। बल्लारी में अनेक संभावना है। इस अवसर पर कल्याण महास्वमी ने आचार्य तुलसी के विचार आचार से सभी को अवगत कराया। इस कार्यक्रम में 17 समुदाय के विषय व्यक्ति भी आए थे। आभार ज्ञान मंत्री प्रवीणा लूणावत ने व्यक्त किया।

मायूम बेंगलूरु शाखा की ओर से जरूरतमंदों में भोजन का वितरण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु शाखा ने शनिवार को एक हजार लोगों में भोजन वितरण किया। यह कार्यक्रम बेंगलूरु के डेयरी सर्किल स्थित निमहांस हॉस्पिटल में किया गया। मायूम बेंगलूरु शाखा के सदस्य और कार्यक्रम के संयोजक रूप से केडिया ने बताया कि मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु शाखा, हर महीने में एक बार आनंद सब के लिए के अंतर्गत यह भोजन वितरण का कार्यक्रम करती है। इस बार यह कार्यक्रम शनिवार दोपहर 12 बजे निमहांस हॉस्पिटल के अंदर एक हजार लोगों के खाने की व्यवस्था के साथ किया गया। जिस से हॉस्पिटल के अंदर रहने वाले मरीजों के परिजनों और हॉस्पिटल में आने वाले राहगीरों को इस कार्यक्रम के तहत दोपहर का भोजन वितरित किया गया। इस सम्पूर्ण कार्यक्रम के प्रायोजक मायूम बेंगलूरु शाखा



के पूर्व अध्यक्ष विकास पोद्दार और उनके बड़े भाई अमित पोद्दार रहे। जिन्होंने स्वेच्छा से आगे आकर हॉस्पिटल में होने वाले इस अन्नदान कार्यक्रम में हमें सहायता की और बोला कि वह आगे भी इस तरह के सामाजिक कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाते

रहेंगे। मायूम बेंगलूरु के स्नेहकुमार जाजू ने कहा कि इस अन्नदान कार्यक्रम से हॉस्पिटल में आने वाले मरीजों के परिजनों और राहगीरों को बड़ी राहत मिली। मारवाड़ी व मंच की इस पहल की सर्वत्र प्रशंसा हो रही है, जो समाज के प्रति उनकी

निस्वार्थ सेवा भावना को दर्शाती है। इसी कड़ी में मायूम बेंगलूरु शाखा के पूर्व अध्यक्ष अंकित मोदी ने अन्नदान के इस नेक कार्य की प्रशंसा करते हुए कहा कि स्थानीय प्रशासन और सरकारी अधिकारियों ने भी उनकी सराहना की है। यह आयोजन न केवल जरूरतमंद लोगों की मदद करने का एक उत्कृष्ट उदाहरण है, बल्कि समाज में एकता और सहयोग की भावना को भी बढ़ावा देता है। कार्यक्रम में मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु शाखा से विकास पोद्दार, अंकित मोदी, स्नेहकुमार जाजू, सोनू शर्मा, गौरव शर्मा, निखिल अग्रवाल, दीपक शर्मा, सुशील सेनी, सत्यम डोकानिया, मायूम स्टार शाखा के सदस्य दीपक अग्रवाल और कार्यक्रम के प्रायोजक राधेश्याम प्लाईवुड से विवेक पोद्दार, केशव पोद्दार, राघव अग्रवाल, राजेश जैन और जगदीश जैन उपस्थित रहे।

भाजपा ने नीति आयोग की बैठक में शामिल न होने पर सिद्धरामैया की आलोचना की

राज्य को इससे बेहतर की जरूरत है

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में नई दिल्ली में आयोजित नीति आयोग गवर्निंग काउंसिल की 10वीं बैठक में शामिल न होने पर मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की आलोचना करते हुए भाजपा ने रविवार को कहा कि कर्नाटक को इससे बेहतर की जरूरत है।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बी वार्ड विजयेंद्र ने मुख्यमंत्री की अनुपस्थिति को उन अवसरों से जानबूझकर पीछे हटाना बताया जो



कर्नाटक के भविष्य को आकार दे सकते थे। उन्होंने सिद्धरामैया पर आरोप लगाया कि वे अपनी कुर्सी खोने के लिए बेताब हैं और कांग्रेस आलाकमान को खुश करने पर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं। मुख्यमंत्री के करीबी सूत्रों ने शनिवार को नई दिल्ली में हुई बैठक में शामिल न होने का कारण राज्य

में पूर्व व्यस्तता बताया और कहा कि उन्होंने अपना भाषण परिषद में पढ़ने के लिए भेजा था।

उन्होंने स्पष्ट किया कि मुख्यमंत्री ने बैठक का बहिष्कार नहीं किया। विजयेंद्र ने कहा कर्नाटक में कांग्रेस सरकार, विकास कार्यों में अपनी कमी को छिपाने में असमर्थ है, केंद्र पर बकाया राशि

के बारे में लगातार बात कर रही है, मानो दिल्ली पर आरोप लगाने से किसी तरह उसकी विफलताएं ढँक जाएंगी।

लेकिन शासन कोई दोषारोपण या शिकायतों का कोलाहल नहीं है। यह लोगों के सहयोग और प्रतिबद्धता पर आधारित एक साझा जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2047 में विकसित भारत के साझा दृष्टिकोण को आकार देने के लिए 10वीं नीति आयोग गवर्निंग काउंसिल के लिए प्रत्येक मुख्यमंत्री को आमंत्रित करते हैं, तो सीएम सिद्धरामैया उसमें शामिल नहीं होते हैं। उन्होंने कहा

यह केवल एक नेता द्वारा एक बैठक में अनुपस्थित रहना नहीं है - यह उन अवसरों से जानबूझकर पीछे हटना है जो कर्नाटक के भविष्य को आकार दे सकते हैं। एक मुख्यमंत्री जो अपनी कुर्सी से चिपके रहने के लिए बेताब है, अपने लोगों के उत्थान की तुलना में अपने हाईकमान को खुश करने पर अधिक ध्यान केंद्रित करता है, वह प्रगति पर राजनीति को प्राथमिकता देता है। लेकिन क्या सच्चा शासन कभी सफल हो सकता है जब राजनीति को लोगों से ऊपर प्राथमिकता दी जाती है? उन्होंने कहा कि कर्नाटक इससे बेहतर का हकदार है।

संरक्षित कालम्मा सरकारी स्कूल का अवलोकन



बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की राष्ट्रीय अध्यक्ष सरिता डागा की अध्यक्षता में टी.दासरहल्ली स्थित संरक्षित कालम्मा गवर्नमेंट स्कूल का अवलोकन किया गया। संगठन यात्रा कार्यक्रम की शुरुआत नमस्कार महामंत्र से हुई। मंडल की बहनों ने स्वागत गीत का संगान किया। अध्यक्ष नेहा चावत

ने सभी का स्वागत अभिनंदन कर संरक्षित स्कूल के गत कार्यक्रमों को पारित करवाया। मंत्री नम्रता पितलिया ने कुशल संचालन किया व मंत्री प्रतिवेदन एवं गत कार्यक्रमों को पारित करवाया। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा आगामी कार्यक्रमों एवं आने वाले कार्यकाल में मंडल की ऐसी ही जागरूकता बनी रहे। राष्ट्रीय महामंत्री ने क्षेत्रीय मंत्री प्रतिवेदन

का निरीक्षण किया व मंडल को आगामी कार्य करने हेतु निर्देश दिया। राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ राष्ट्रीय महामंत्री, राष्ट्रीय परामर्शिका लता जैन, राष्ट्रीय संयोजिका समृद्ध राष्ट्र योजना एवं पूर्व महामंत्री वीणा बैद ने मंडल की जागरूकता की सरहना की। भावना सेवा में टी. दासरहल्ली से योगदान, स्कूल से अभिनंदन पत्र राष्ट्रीय अध्यक्ष को प्रदान किया गया।

इंदिरानगर के मंदिर में जल व्यवस्था और 125 लीटर छाछ का वितरण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु स्टार शाखा की 13वीं कार्यकारिणी ने अमृतधारा - जल ही जीवन - सेवा को आगे बढ़ाते हुए एवं राष्ट्र मुख्यालय द्वारा घोषित मई माह - अमृतधारा माह के प्रकल्प को चरितार्थ करते हुए अपनी चौथी सेवा इंदिरानगर में की। शाखा ने रविवार को किये गए सेवा के तहत श्री सुंदरा अंजनेयस्वामी (बजरंग बली) मंदिर में स्थाई प्याऊ की स्थापना की। जिससे मंदिर के पुरोहित और श्रद्धालु को स्वच्छ और शीतल पेय का लाभ

मिल सके। शाखा सदस्य गौरव अग्रवाल और उनके परिवार (लाजपत राय नरेंद्र कुमार अग्रवाल चैरिटेबल ट्रस्ट) ने इस प्याऊ का योगदान किया एवं उनके द्वारा ही मंदिर के पुरोहित ने संपूर्ण विधि विधान एवं मंत्रोच्चार के साथ प्याऊ का अवतरण किया। अपने दूसरे कार्य में शाखा ने मंदिर प्रांगण के बाहर ताजी और शीतल छाछ का वितरण किया। इस सेवा का उद्देश्य तृपती भरी धूप में राहगीरों को ना सिर्फ शीतल छाछ पिलाना था बल्कि इसके साथ समाज में करुणा और



निस्वार्थ सेवा का भाव फैलाना था। 3 घंटे के इस सेवा में 125 लीटर छाछ वितरित की गयी, जिससे करीब हजारों लोग

लाभान्वित हुए। राहगीरों के अलावा आस पास के दुकानदरों, ने भी इस सेवा का लाभ उठाया। शाखा सदस्यों ने गुजर

रही बसों में भी बैठे हुए यात्रियों को छाछ पिलाई। शाखा उपाध्यक्ष प्रांजल सरावगी और शबानी सरावगी ने अपने हाथों से मंदिर के प्रांगण में छाछ तैयार किया। सेवा में भाग लेने वाले प्रमुख सदस्यों में आशीष फिटकरीवाला, अजय अग्रवाल, दीपा चौधरी, गौरव अग्रवाल, सौरभ रूंगटा शामिल थे। उन्होंने तन-मन से योगदान देकर इस कार्यक्रम को सफल और प्रभावशाली बनाया। मंदिर के पुरोहित ने मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु स्टार शाखा और नरेंद्र अग्रवाल का धन्यवाद व्यक्त करते

हुए अपना आशीर्वाद दिया। सचिव अजय अग्रवाल ने सभी सदस्यों, पुरोहित का आभार जताया और विशेष रूप से, शाखा संयोजक - अमृतधारा - दीपा चौधरी और प्रांतीय संयोजक - अमृतधारा - गौरांग गुप्ता का धन्यवाद व्यक्त किया, जिन्होंने इस सफल कार्यक्रम के पीछे अपना योगदान दिया। कार्यक्रम संयोजक दीपा ने गौरव अग्रवाल, उनके पिता नरेंद्र अग्रवाल और प्रांजल, शबानी सरावगी का उनके अमूल्य योगदान के लिए आभार प्रकट किया।



बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री वासुपूज्य स्वामी जैन श्रे मूर्तिपूजक संघ के तत्वावधान में श्री वासुपूज्य स्वामी जैन सेवा मंडल अक्षिपेट द्वारा लाभार्थी के सहयोग से मंदिरजी के प्रांगण के मुख्य द्वार के पास 400 व्यक्तियों में अन्नदान किया गया। मंडल के महामंत्री पदम मुथा ने लाभार्थी परिवार एवं सभी सेवा भावी सदस्यों का धन्यवाद सहित आभार प्रकट किया। यह जानकारी कैलाश संखलेचा ने दी।

18 भाजपा विधायकों के निलंबन आदेश को वापस लेने पर किया जा रहा विचार: यूटी खादर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विधानसभा अध्यक्ष यू.टी. खादर ने कहा कि 18 भाजपा विधायकों के निर्लंबन आदेश को वापस लेने की योजना बनाई जा रही है। विधान सभा में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि चाहे कोई भी पार्टी हो, कांग्रेस, जेडीएस या भाजपा, संविधान पीठ का सम्मान किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि विधायक को पीठ का अनादर करने के कारण निर्लंबित किया गया। इसके बाद विधायकों, विपक्षी नेताओं और कई अन्य नेताओं के बीच चर्चा के दौरान कुछ बातें हुईं।

निलंबन आदेश रद्द करने की मांग की गई। उन्होंने कहा कि उन्होंने सभी से यह सुनिश्चित करने को कहा है कि ऐसा दोबारा न हो। सभी के अनुरोध के अनुसार, हमने निलंबन वापस लेने पर विचार किया है, तथा हम तदनुसार कार्रवाई करेंगे। हम इस बात की जांच करेंगे कि इसे कैसे ढीला किया जाय। मंत्रिमंडल की बैठक में विधायकों के



निलंबन आदेश को वापस लेने के सुझाव पर प्रतिक्रिया देते हुए अध्यक्ष ने कहा कि उन्होंने कार्यवाही के दौरान यह मुद्दा उठाया था, जब हंगामा हो रहा था और विधायी प्रस्ताव बहुमत से पारित हो गया था। विधान सभा अध्यक्ष द्वारा इस तरह से लिए गए प्रस्ताव को एकतरफा वापस लेना उचित नहीं है। मैं अपनी राय व्यक्त कर सकता हूँ। लेकिन इसे वापस लेने के

लिफ्ट सरकार और विपक्ष के सहयोग की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि इस संदर्भ में मंत्रिमंडल की राय एकत्रित कर ली गई है। कुछ मामलों में यह कम या ज्यादा होगा। 18 विधायकों को छह महीने के लिए निलंबित कर दिया गया। दो महीने पहले ही बात चुके हैं। इस देश में हर किसी को माफ कर दिया गया है। विधायक हमारे हैं। उन्होंने कहा कि हम

सब मिलकर इस मुद्दे को सुलझाएंगे। हम सब एक साथ हैं। हम सकारात्मक निर्णय लेंगे। उन्होंने कहा कि संविधान पीठ के प्रति अनादर दिखाने के कारण उन्हें निलंबित किया गया था। ज्ञातव्य है कि स्पीकर ने भाजपा के डॉ. सी.एन.अश्वथनारायण, भैरती बसवराजू, मुनिरत्न, डोड्डान्गोड़ा पाटिल, एस.आर. विश्वनाथ, चन्नाबसप्पा, पाटिल, सुरेश गौड़ा, शरणु सालागर, शैलेन्द्र बेलाडोला, सी. के. राममूर्ति, यशपाल सुवर्णा, हरीश, भरत शेकी, चंद्र लमानी, धीरज मुनिराजू, उमानाथ कोटियन, बसवराज सहित 18 विधायकों को बजट सत्र के दौरान स्पीकर की कुर्सी का अनादर करने के आरोप में छह महीने के लिए निलंबित कर दिया था। निलंबन के बाद कड़ी शर्तें लगा दी गईं।

तमाम तरह के प्रतिबंध थे, जैसे विधायकों का विधानसभा में आना या सरकारी कार्यक्रमों में भाग लेना प्रतिबंधित था। विधायकों का निलंबन आमतौर पर संबंधित सत्र तक ही सीमित होता है।

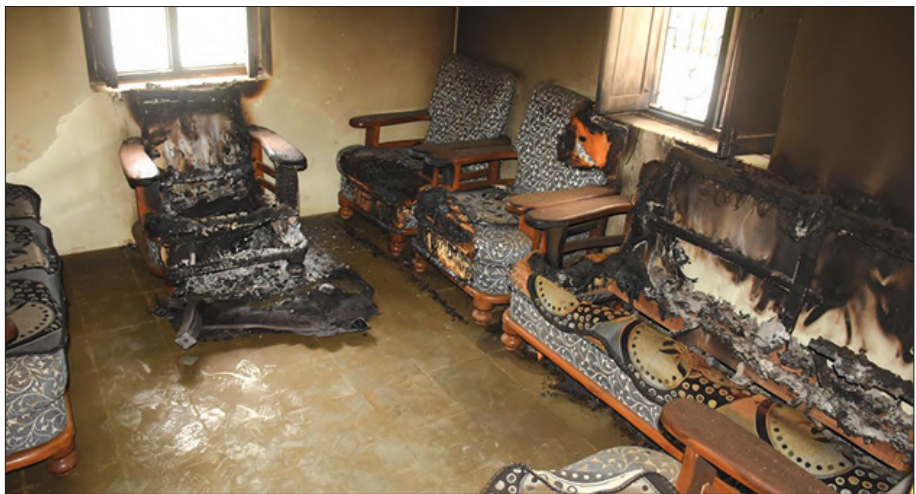
लेकिन इस बार 18 लोगों को छह महीने की अवधि के लिए निलंबित कर दिया गया और ऐसी स्थिति पैदा कर दी गई कि वहां कोई विधायक ही नहीं था। जिससे भारी बरस हुई और भाजपा नेत-
-ओं ने बार-बार मांग की कि निलंबन वापस लिया जाए। भाजपा विधायकों के एक प्रतिनिधिमंडल ने विधानसभा अध्यक्ष से मुलाकात कर अनुरोध किया। उन्होंने कहा अध्यक्ष के आसन के प्रति सम्मान है। इसके अलावा, भाजपा विधायकों के एक प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल से मुलाकात कर हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया था। वहीं भाजपा ने कहा था कि यदि अध्यक्ष ने विधायक के निलंबन आदेश को वापस नहीं लिया तो वह अदालत का दरवाजा खटखटाएगी। हालांकि विधायक का निलंबन अभी तक नहीं हटाया गया है। उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने स्पष्ट किया है कि वह 18 भाजपा विधायकों के निलंबन आदेश से सहानुभूति रखते हैं और अध्यक्ष द्वारा लिए गए निर्णयों का पालन करेंगे।

जेप्टो डिलीवरी एजेंट ने गलत पते को लेकर व्यक्ति पर किया हमला



बंगलूरु/शुभ लाभ व्यूरो। बसवेधरनगर पुलिस ने जेष्ठो डिलीवरी एग्जीक्यूटिव के खिलाफ गलत पते को लेकर हुए विवाद के बाद ग्राहक पर हमला करने का मामला दर्ज किया है। जज कॉलोनी निवासी शशांक एस. की शिकायत के आधार पर पुलिस ने विष्णुवर्धन नाम के आरोपी पर आरोप लगाया है। एफआईआर के अनुसार, शशांक की भाभी ने 21 मई, 2025 की दोपहर को किक कॉर्मास प्लेफॉर्म पर क्रिप्ते का सामान ऑर्डर किया था। विष्णुवर्धन को एप्लिकेशन द्वारा डिलीवरी पार्टनर के रूप में नियुक्त किया गया था। जब वह लोकेशन पर पहुंचा, तो पीड़ित की भाभी ऑर्डर लेने गई। शशांक ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया उसने मेरी भाभी को ऊंची आवाज में डांटा और जब मैंने बीच-बचाव किया, तो उसने मुझे गाली दी और अपने हाथों से मुझ पर हमला किया। उसने मेरे चेहरे पर मुका मारा और मेरी बाईं आंख को घायल कर दिया। उसने पुलिस को बताया कि आरोपी ने उसे मारा बंद नहीं किया, भले ही उसने भागने की कोशिश की। शशांक ने दावा किया कि वह हमले के बाद आंखों के अस्पताल गया और चोट का इलाज कराया। इसके बाद उसने शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने आरोपी की जांच के लिए विष्णुवर्धन पर बीएनएस धारा 115 (2) (स्वेच्छा से चोट पहुंचाना), 126 (2) (गलत तरीके से रोकना), 351 (आपराधिक धमकी) के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस ने आर-पेपी को पुख्ताछ के लिए बुलाया है।

कांग्रेस कार्यालय में आग लगाने के आरोप में एक व्यक्ति गिरफ्तार



यादगीर/शुभ लाभ व्यूरो।

यादगीर टाउन पुलिस ने जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय में आग लगाने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है और मुख्य आरोपी के एक सहयोगी की तलाश कर रही है।

पुलिस ने शंकर गूली को गिरफ्तार कर लिया है। एक अन्य आरोपी बापूगौड़ा की तलाश जारी है। बताया जाता है कि गूली अपनी पत्नी मंजुला गूली की जगह महिला मोर्चा के अध्यक्ष पद के लिए किसी अन्य महिला

को चुने जाने से नाराज थे। उन्होंने शनिवार रात करीब 1.30 बजे यादगीर शहर में कनक सर्किल के पास स्थित पार्टी कार्यालय में आग लगा दी।

रविवार सुबह कार्यालय खोलने पर पदाधिकारियों को आग का पता चला। सूचना मिलने पर अध्यक्ष बसोरेड्डी अनापुर और विधायक चन्नोरेड्डी पाटिल मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। माना जा रहा है कि इस घटना में 4 लाख रुपये से अधिक कीमत का एयर कूलर,

सोफा और अन्य फर्नीचर जलकर खाक हो गया।

कांग्रेस कार्यालय के सामने एक दुकान पर लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज की पुष्टि करने और अनापुर द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के बाद पुलिस ने आर-पेपी को गिरफ्तार कर लिया और बापूगौड़ा की तलाश शुरू कर दी। पुलिस ने मौके से पेट्रोल से भरा एक डिब्बा भी जब्त किया है। यादगीर टाउन थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है।

कोविड संक्रमण की उप-प्रजातियां बहुत खतरनाक नहीं, चिंता की कोई जरूरत नहीं: गुंडू राव

बेंगलूरु/शुभ लाभ व्यूरो।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री दिनेश गुंडू राव ने स्पष्ट किया है कि कोविड संक्रमण की उप-प्रजातियां बहुत खतरनाक नहीं हैं। इसलिए लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है। अगले तीन से चार दिनों में स्थिति की समीक्षा की जाएगी और आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। प्रकरों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि कोविड जे-1 उपप्रकार से गंभीर प्रतिकूल प्रभाव की कोई रिपोर्ट नहीं मिली है। किसी के भी गंभीर स्थिति में जाने का कोई उदाहरण नहीं है, कोविड सिंगापूर और अन्य देशों में फैल चुका है। इस वजह से चिंता का कोई माहौल नहीं है और किसी ने यात्रा पर प्रतिबंध भी नहीं लगाया है। कोविड की पहली और दूसरी अवस्था वाली स्थिति अब नहीं रही। हालांकि, हम सतर्क बने हुए हैं। केंद्र सरकार राज्य के स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क में है। कुछ जानकारी साझा की गई है। अभी के लिए दिए गए दिशादेश पर्याप्त हैं। किसी विशेष उपाय की आवश्यकता नहीं है। उच्च जोखिम वाले वर्ग के जिन लोगों को विशेष निगरानी की आवश्यकता है, उन्हें मास्क पहनकर



सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। हम तीन या चार दिनों तक स्कूलों और कॉलेजों को फिर से खोलने के मद्देनजर उठाए जाने वाले कदमों की समीक्षा करेंगे और फिर निर्णय लेंगे। उन्होंने कहा कि फिलहाल चिंता को आसानी माहिल नहीं है। कोविड परीक्षण का आदेश दिया गया है। आवश्यक परीक्षण किट सोमवार को राज्य में पहुंच जाएंगी। उन्होंने कहा कि एसएआरआई और आईएलआई मामलों तथा बुजुर्गों को निजी और सरकारी अस्पतालों में अनिवार्य जांच कराने की सलाह दी गई है। अगले 2-3 दिनों तक देश और राज्य में संक्रमण के प्रसार पर

नजर रखी जाएगी। उन्होंने कहा कि कोविड नियंत्रण सलाहकार समिति को हर सप्ताह बैठक कर विचार-विमर्श करने के निर्देश दिए गए हैं। यह पुष्टि हुई है कि शनिवार को संक्रमण से एक व्यक्ति की मृत्यु हो गई। वह 84 वर्ष के थे। वह एक साल से बीमारी के कारण बिस्तर पर थे। इसके अलावा कूल्हे का प्रत्यारोपण, हृदय रोग और तपेदिक भी शामिल था। वहाँ विभिन्न स्वास्थ्य समस्याएँ थीं। उन्होंने कहा कि यह पता लगाने के लिए ऑडिट करने का आदेश दिया गया है कि मृतक की मौत कोविड संक्रमण से हुई है या नहीं। सरकार ने कोविड संक्रमण

को नजरअंदाज नहीं किया है और तकनीकी सलाहकार समिति की बैठक भी हो चुकी है। अचानक लॉकडाउन नहीं लगाया जा सकता। सभी घटनाक्रमों पर नजर रखी जा रही है। अधिकारी केन्द्र सरकार के साथ लगातार परामर्श कर रहे हैं। उन्होंने अपना बचाव करते हुए कहा कि वह बहुत जिम्मेदारी से काम कर रहे थे। कोविड के लिए व्यापक परीक्षण से वातावरण का पता चलेगा। संक्रमित लोग ठीक हो रहे हैं। सेल में बढ़ते संक्रमण को देखते हुए सीमा पर प्रतिबंध लगाने की कोई आवश्यकता नहीं है। केंद्र सरकार को ऐसे मामलों पर निर्णय लेना चाहिए, फिलहाल कोई प्रतिबंध नहीं है। अंतरराष्ट्रीय यात्रा सहित सभी गतिविधियाँ निःशुल्क होंगी। निजी अस्पतालों को संक्रमण परीक्षण के बारे में सरकार को जानकारी देनी होगी। उन्होंने कहा कि परीक्षण की लागत निर्धारित करने पर अभी तक निर्णय नहीं लिया गया है। मुख्यमंत्री सिद्धारामैया ने उनके साथ इस मुद्दे पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि उन्होंने आदेश दिया है कि समय-समय पर सूचना उपलब्ध कराई जाए तथा कोई भी निर्णय बिना देी के लिया जाए।

जांच के दौरान पत्नी ने दिया बयान
पारिवारिक विवाद के कारण हुई सेवानिवृत्त
डीजीपी ओम प्रकाश की हत्या

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक में सनसनी फैलाने वाले सेवानिवृत्त डीजीपी ओम प्रकाश की सनसनीखेज हत्या का मामला जांच के अंतिम चरण में पहुंच गया है। ताजा घटनाक्रम के अनुसार, हत्या के पीछे पारिवारिक विवाद का मामला लग रहा है।

पृथ्वातल के दौरान उनकी पत्नी पल्लवी ने कथित तौर पर अहम जानकारीयें कबूल की हैं। मामले की जांच कर रही केंद्रीय अपराध शाखा (सीसीबी) ने पल्लवी से अहम जानकारी जुटाई है। सूत्रों का कहना है कि उसने अपने पति पर कई आरोप लगाए हैं, जो परिवार के भीतर व्यक्तिगत और निजी विवादों से उभरी गहरी नाराजगी को दर्शाता है। पल्लवी ने कथित तौर पर जांचकर्ताओं को बताया कि ओम प्रकाश उसके और उनकी बेटी के प्रति उदासीन थे। वह कथित तौर पर इस बात से परेशान थी कि उनकी बेटी की



शायदी की उग्र हो जाने के बावजूद भी उन्होंने उसकी शायदी की व्यवस्था नहीं की, जिसके कारण घर में बार-बार झगड़े होते थे। उसने यह भी आरोप लगाया कि परिवार के लोग आलीशान घर में रहते थे, फिर भी ओम प्रकाश ने परिवार से पैसे नहीं लिए। उनके बयान के अनुसार, वह घर के वित्त पर पूरी नियंत्रण रखते थे और अपनी बेटी को निजी खर्चों

के लिए शायद ही कभी कैसे देते थे, जिससे उनका गुस्सा और बढ़ गया।

ओम प्रकाश कई बार तीखी बहस के बाद अपनी बहन सरिता कुमारी के घर पर रह रहे थे। हालाँकि, पल्लवी ने कथित तौर पर अपनी बेटी कृति को उसे वापस घर लाने के लिए भेजा था। हत्या उसी दिन हुई जिस दिन वह अपने निवास पर लौटे थे, जहाँ बाद में

20 अप्रैल को उनका खून से लथपथ शव मिला। रिपोर्ट बताती है कि पल्लवी घटना से लगभग एक सप्ताह पहले से उन्हें जान से मारने की धमकी दे रही थी। ओम प्रकाश मूल रूप से बिहार के चंपारण जिले के रहने वाले थे, वह 1981 बैच के आईपीएसके अधिकारी थे। उन्होंने विजयनगर जिले के हरपनहल्ली के एसपी के रूप में अपना करियर शुरू किया और शिवमोगा, उत्तर कन्नड़ और चिक्मगलूर जिलों में पुलिस अधीक्षक के रूप में काम किया। उन्होंने राज्य सतर्का, कर्नाटक लोकायुक्त, अग्निशमन और आपातकालीन सेवाओं और सीआईडी में भी महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया। उन्हें मार्च 2015 में पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) नियुक्त किया गया था। उनकी हत्या की जांच लगभग पूरी हो चुकी है और मामले के आगे बढ़ने के साथ ही और विवरण सामने आने की उम्मीद है।

राजनीतिक अकादमी खोलने की बनाई जा रही योजना: विधानसभा अध्यक्ष

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विधानसभा अध्यक्ष यू.टी. खादर ने कहा कि राजनीतिक अकादमी खोलने की योजना बनाई जा रही है। वे कार्मिक प्रशासन सुधार विभाग, पर्यटन विभाग और विधान सभा मंत्रालय के सहयोग से विधान सभा बैक्रेट हॉल में आयोजित एक निर्देशित पैदल यात्रा कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए बोल रहे थे।

उन्होंने कहा हम राजनीतिक कॉलेज शुरू करने और प्रशिक्षण प्रदान करने के कानूनी पहलुओं पर चर्चा करेंगे और इसके कार्यान्वयन पर निर्णय लेंगे। वहाँ डॉक्टरों और इंजीनियरों के लिए कॉलेज हैं। लेकिन उन्होंने कहा कि राजनीतिज्ञ बनने के लिए कोई कॉलेज नहीं है, बल्कि एक अकादमी होना अच्छा राजनीतिज्ञ बनने के लिए अनुकूल होगा। निर्दिष्ट भ्रमण से छात्रों को हमारे देश के इतिहास को समझने में मदद मिलेगी। छात्रों और युवा समुदाय को देश के इतिहास को समझना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमने राज्य के लोगों को यह एहसास दिलाने के लिए एक कार्यक्रम तैयार किया है कि विधानसभा हमारी है। विधान सौधा 70 साल पुरानी इमारत है और जनता को इसके प्रति सम्मान की भावना महसूस करनी चाहिए। हमारे देश



का संविधान सिर्फ एक कानूनी नहीं है। हमारे देश के धार्मिक शासकों का संविधान के बारे में जागरूकता पैदा करने का काम विधान सभा से होना चाहिए। कार्यक्रम में लोगों को बताया गया कि देश विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के माध्यम से चलाया जाता है। उन्होंने कहा कि संविधान के अंतर्गत कोई भी फीस नहीं दे पाएंगे, उन्हें निशुल्क दिया जाएगा। विधान परिषद के सदस्य राजा हरिन्द्र ने कहा जब मैं 1952 में विधान सभा देखने आया था, तब मैं विधान सभा देखने आया था। अच्छी बात है कि पर्यटकों को

सौधा में आने की अनुमति दी गई है। उन्होंने कहा कि शक्तिसौधा के बारे में लोगों को समुचित जानकारी उपलब्ध कराने के लिए कार्य किया जाएगा। विधि मंत्री एच. के. पाटिल ने कहा कि विधानसभा का दौरा कार्यक्रम मनोरंजन दौरा नहीं होना चाहिए। यह एक शैक्षिक अध्ययन दौरा होना चाहिए। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र के महत्व को समझना चाहिए। छात्रों को भविष्य में राजनीतिक क्षेत्र में भी प्रवेश करना चाहिए। उन्होंने आशा व्यक्त की कि शक्तिसौधा लोगों को बेहतर राजनेता बनने के लिए प्रेरित करेगा।

भविष्य में पाकिस्तान का कोई भी दुस्साहस उसके विनाश का कारण बनेगा: सिन्हा

जम्मू, 25 मई (एजेंसियां)।

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने रविवार को सशस्त्र बलों की वीरता का उल्लेख करते हुए प्रदेश को आतंकवाद से पूरी तरह मुक्त करने के सरकार के संकल्प को दोहराया।

श्री सिन्हा ने यहां अखिल जम्मू-कश्मीर जाट सभा को संबोधित करते हुए कहा, पाकिस्तान को चेतावनी दी गई है। अगर वह भविष्य में किसी तरह का दुस्साहस करता है, तो हमारे सशस्त्र बल इस आतंकवादी देश को नष्ट करना सुनिश्चित करेंगे। मैं लोगों को आश्वासन देता हूँ कि सशस्त्र आतंकवादियों और उनके समर्थकों और सहानुभूति रखने वालों के बीच कोई भेदभाव नहीं किया जाएगा। उनके कार्यों का



समान दंड दिया जाएगा।

उन्होंने बहादुर जाट समुदाय और समाज के सभी वर्गों से अपने संकल्प को मजबूत करने और हमारी शांति और सामाजिक ताने-बाने को खतरा पहुंचाने वाली विभाजनकारी ताकतों के खिलाफ लड़ाई में एकजुट होने की अपील की।

उन्होंने कहा, इस चुनौतीपूर्ण समय में राष्ट्रीय एकता को बनाए रखने की आपकी जिम्मेदारी पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। जाट समुदाय के पास वीरता, साहस और बलिदान की समृद्ध विरासत है। जाट समुदाय की एक महत्वपूर्ण आबादी हमारी सीमाओं के पास रहती है, जो उन्हें देश की

पहली रक्षा पंक्ति बनाती है। मुझे गर्व है कि मातृभूमि के प्रति आपकी भक्ति ने समाज में राष्ट्रवाद की भावना को गहरा किया है।

उपराज्यपाल ने पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों और पाकिस्तान द्वारा अकारण गोलाबारी के कारण मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि भारत सरकार प्रभावित परिवारों के उचित पुनर्वास के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने समाज को विभाजित करने की कोशिश कर रहे विभाजनकारी तत्वों से खतरों को पहचानने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, हमें अपनी विविधता का जश्न मनाना चाहिए और विरोधी के नापाक इरादों को हराने के लिए एकता को बढ़ावा देना

चाहिए। हमारे बहादुर सशस्त्र बलों ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के साथ वीरता की एक नयी गाथा लिखी है।

श्री सिन्हा ने कहा, अब हमारा पवित्र कार्य है कि हम एकिकृत और विकसित भारत के सपने को हकीकत में बदलें और एक शक्तिशाली राष्ट्र का सपना संजोए हमारे वीरों को सच्ची श्रद्धांजलि दें।

उन्होंने प्रदेश में समानता के युग की शुरुआत करने और हाशिए पर पड़े समुदायों को सशक्त बनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह का आभार व्यक्त किया।

उन्होंने जाट समुदाय के कल्याण और समृद्धि के लिए अपनी प्रतिबद्धता भी दोहराई।



सहिष्णुता और एकिकृत राष्ट्रीय संकल्प का दृढ़ संदेश दिया और आतंकवाद का मुकाबला करने, इसके नेटवर्क को समाप्त करने और अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाने के लिए मजबूत अंतरराष्ट्रीय तंत्र की वकालत की। इसके साथ ही भारत-अमेरिका रणनीतिक संबंधों को मजबूत करने पर निरंतर केंद्रित किया गया।

न्यूयॉर्क यात्रा के दौरान भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने 9/11 के आतंकवादी हमलों के पीड़ितों को श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रतिनिधिमंडल के बयान में कहा गया है कि, एकजुटता के प्रतीक रूप में 'राष्ट्रीय सितंबर 11 स्मारक और संग्रहालय' का दौरा किया

गया और 9/11 हमलों में मारे गए निरदोष लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। भारत वैश्विक स्तर पर आतंकवाद से पीड़ितों के साथ एकजुट है।

यह यात्रा 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद भारत की व्यापक कूटनीतिक वैश्विक पहुंच का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य आतंकवाद से उत्पन्न जटिल और उभरते खतरों से निपटने के लिए प्रमुख अंतरराष्ट्रीय देशों के बीच आम सहमति बनाना है।

शशि थरूर के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल में शांघी चौधरी (लोक जनशक्ति पार्टी), सरफराज अहमद (झारखंड मुक्ति मोर्चा), जीएम हरीश बलयागी (तेलुगु देशम पार्टी), शशांक मणि त्रिपाठी (भाजपा), तेजस्वी सूर्या (भाजपा), भुवनेश्वर के लता (भाजपा), मिलिंद देवरा (शिव-सेना) और अमेरिका में पूर्व भारतीय राजदूत तरनजीत सिंह संधू शामिल हैं।

कांग्रेस ने मप्र, हरियाणा में जिला अध्यक्षों के चयन के लिए पर्यवेक्षक बनाए

नई दिल्ली, 25 मई (एजेंसियां)।

कांग्रेस ने जिला अध्यक्षों को महत्वपूर्ण बनाने के अहमदाबाद अधिवेशन के प्रस्ताव पर काम करते हुए मध्य प्रदेश तथा हरियाणा में पार्टी के जिला अध्यक्षों के चयन के लिए 71 पर्यवेक्षकों की नियुक्ति को मंजूरी दी है।

कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने यह जानकारी देते हुए रविवार को बताया कि पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पर्यवेक्षकों की नियुक्ति को मंजूरी देने के साथ ही उन्हें तत्काल



प्रभाव से अपना काम शुरू करने के लिए कहा है। प्रत्येक जिले में एक केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त होगा और उनके साथ प्रदेश कांग्रेस का एक पर्यवेक्षक सहयोग के लिए लगाया जाएगा।

उन्होंने बताया कि संगठन सृजन अभियान के तहत मध्य प्रदेश के

लिए 50 तथा हरियाणा के लिए 21 पर्यवेक्षकों की नियुक्ति को मंजूरी गई है। मध्य प्रदेश के लिए समगिर उलाका, गुरदीप सिंह सपल, अखिलेश प्रताप सिंह, डॉ. अजय कुमार, विवेक बंसल, रिपुन बोरा, कृष्णा तीर्थ सहित 50 नेताओं को रखा गया है, जबकि हरियाणा के लिए सांसद मणिक्रम टैगोर, वर्षा गायकवाड़, डॉ अमर सिंह, गिरीश चडोकर, काजी निजामुद्दीन, विजय इंदर सिंह, लालजी देसाई, श्रीनिवास बीवी सहित 21 नेताओं को शामिल किया गया है।

राजग के मुख्यमंत्रियों ने किया जातीय जनगणना का समर्थन

नई दिल्ली, 25 मई (एजेंसियां)।

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों और उपमुख्यमंत्रियों की रविवार को यहां हुयी बैठक में सुशासन के मुद्दों पर चर्चा की गयी और जातीय जनगणना कराने के केन्द्र सरकार के फैसले का पूरी तरह समर्थन किया गया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में राजग शासित राज्यों के सभी 20 मुख्यमंत्रियों और 18 उपमुख्यमंत्रियों के अलावा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे पी नड्डा, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और गृह मंत्री अमित शाह भी मौजूद थे।

बैठक के बाद श्री नड्डा ने कहा, बैठक में दो प्रस्ताव पारित किए गए। पहला प्रस्ताव 'ऑपरेशन सिंदूर' पर था, जिसमें प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व और हमारी सेना के काम की प्रशंसा की गई तथा सेना द्वारा दिखाई गई बहादुरी की अत्यधिक सराहना की गई। यह प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया।

श्री नड्डा ने कहा, जातीय जनगणना पर भी बैठक में एक प्रस्ताव पारित किया गया और सभी ने इस पर अपनी सहमति दी। साथ ही, श्री मोदी के इस फैसले की प्रशंसा की और उन्हें बधाई दी। हमने यह स्पष्ट कर दिया है कि हम जातिगत राजनीति

नहीं करते हैं, बल्कि वंचित, उत्पीड़ित और शोषित लोगों को मुख्यधारा में लाना चाहते हैं, जिन्हें छोड़ दिया गया है। यही समाज की जरूरत है।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' संबंधी प्रस्ताव राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा प्रस्तावित किया गया और महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने इसका अनुमोदन किया। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने जातीय जनगणना प्रस्ताव रखा और इसका अनुमोदन आंध्र प्रदेश के उप मुख्यमंत्री पवन कल्याण ने किया।

श्री नड्डा ने कहा, बैठक में

नक्सलियों के खिलाफ चल रहे अभियान पर भी चर्चा हुई और उस चर्चा में, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस बारे में बात की कि हमने नक्सलवाद के खिलाफ कैसे लड़ाई लड़ी है और हमें कैसे सफलता मिल रही है। छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा ने इस बात पर जोर दिया कि हम नक्सल प्रभावित क्षेत्रों का पुनर्वास कैसे कर रहे हैं और हम उन्हें मुख्यधारा में कैसे ला रहे हैं। नक्सलवाद के संबंध में जो योजनाएं चल रही हैं, उन पर चर्चा की गई। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी रणनीति पर चर्चा की, और उन्होंने हमारा

मार्गदर्शन किया और सभी मुख्यमंत्रियों और उप मुख्यमंत्रियों को सूचित किया कि हमने इसे हराने के लिए अपनी ताकत का उपयोग कैसे किया है।

उन्होंने कहा, पच्चीस और 26 जून को आपातकाल के 50 साल पूरे हो जाएंगे। राजग जनता के बीच जाकर इसे उजागर करेगा और जनता को उन लोगों की असलियत बताएगा जिन्होंने लोकतंत्र का गला घोटने की कोशिश की थी।

बैठक का समन्वय भाजपा के सुशासन विभाग ने किया। इस सम्मेलन में राजग की विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा सर्वोत्तम प्रथाओं पर भी चर्चा की गई।

जनरल चौहान ने सेना की उत्तरी और पश्चिमी कमान का दौरा कर रणनीतिक समीक्षा की

नई दिल्ली, 25 मई (एजेंसियां)।

प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल अनिल चौहान ने रविवार को सेना की उत्तरी एवं पश्चिमी कमान मुख्यालय का दौरा किया और ऑपरेशन सिंदूर के बाद रणनीतिक समीक्षा के साथ साथ संचालन तैयारियों का आकलन किया।

जनरल चौहान ने जम्मू कश्मीर के उधमपुर में सेना की उत्तरी कमान और हरियाणा के चंडीमंदिर सैन्य स्टेशन में पश्चिमी कमान का दौरा किया। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर की योजना बनाने तथा उसे अमल में लाने वाले सेना कमांडरों, लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा, लेफ्टिनेंट जनरल मनोज कुमार कटियार और वरिष्ठ स्टाफ अधिकारियों के साथ विस्तार से

बातचीत की। उन्होंने उत्तरी और पश्चिमी थिएटरों में रणनीतिक समीक्षा और संचालन तैयारियों का आकलन किया।

उधमपुर में प्रमुख रक्षा अध्यक्ष को ऑपरेशन सिंदूर के दौरान आतंकवादी नेटवर्क, आतंकवाद को समर्थन देने वाले दुश्मन के ठिकानों को नष्ट किये जाने और अपनी सैन्य संपत्तियों तथा नागरिक आबादी की रक्षा के लिए उठाए गए जवाबी कदमों में उत्तरी सेना की सफलता के बारे में जानकारी दी गई। उन्हें सीमावर्ती क्षेत्रों के नागरिकों के पुनर्वास में उत्तरी सेना द्वारा किए गए प्रयासों के बारे में बताया गया, जिन्हें दुश्मन ने निशाना बनाया था। उत्तरी कमान के



कमांडर ने सेना की निरंतर परिचालन और रसद तैयारियों पर एक अपडेट दिया और उन्हें सीमाओं की रक्षा करने की प्रतिबद्धता का आश्वासन दिया। यह भी बताया गया कि जम्मू और कश्मीर में आतंकवाद को खत्म करने के

लिए व्यापक प्रयास शुरू किया गया है। चंडीमंदिर में पश्चिमी सेना के कमांडर द्वारा ऑपरेशन सिंदूर के दौरान गतिज और गैर-गतिज दंडात्मक प्रतिक्रिया पर व्यापक जानकारी दी गई। पश्चिमी सीमाओं पर मौजूदा सुरक्षा स्थिति को रेखांकित करते हुए परिचालन वातावरण, रक्षा तैयारियों और ऑपरेशन के प्रमुख परिणामों का विस्तृत अवलोकन प्रदान किया गया।

इसके अलावा उच्च परिचालन दक्षता, वास्तविक समय की स्थिति के बारे में जागरूकता, पश्चिमी सेना की सैन्य क्षमता को मजबूत करने में योगदान देने वाले तकनीकी संचार और बढ़ी हुई रसद क्षमता पर भी प्रकाश

डाला गया। प्रमुख रक्षा अध्यक्ष को सेवारत और सेवानिवृत्त कर्मियों को दी जाने वाली वेटरन्स केयर और मेडिकेयर सुविधाओं के बारे में भी जानकारी दी गई, जो राष्ट्रीय हित में काम करने वाले लोगों के कल्याण के लिए भारतीय सेना की दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाता है। जनरल अनिल चौहान ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान कर्तव्य की वेदी पर सर्वोच्च बलिदान देने वाले बहादुरों को याद किया और सभी रैंकों की वीरता, संकल्प, सटीकता और अनुशासन की सराहना की।

उन्होंने जम्मू-कश्मीर और पंजाब में उत्तरी और पश्चिमी सीमाओं के लिए जिम्मेदार फील्ड फॉर्मेशन की परिचालन उत्कृष्टता की सराहना

की। उन्होंने चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में परिचालन कार्यों के समग्र तालमेल और समय पर पूरा होने की सराहना की। उन्होंने उभरते खतरों से निपटने के लिए सेवाओं में निरंतर सतर्कता, संयुक्तता और तालमेल के महत्व पर जोर दिया।

उन्होंने दुश्मन की कार्रवाई से प्रभावित नागरिकों के पुनर्वास में मदद करने का आह्वान किया। उन्होंने सैन्य अभियानों के अनुकरणीय आचरण और सफल निष्पादन के लिए गहरी प्रशंसा व्यक्त की और राष्ट्रीय सुरक्षा उद्देश्यों को प्राप्त करने में प्राप्त समग्र सफलता का श्रेय भारतीय सेना के उच्च मनोबल, अनुशासन और अटूट प्रतिबद्धता को दिया।

प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता के स्पष्ट लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रहा है: ओम बिरला

जमशेदपुर /रांची, 25 मई (एजेंसियां)।

राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति भारत के दृढ़ संकल्प और आतंकवाद के विरुद्ध कड़े रुख पर जोर देते हुए, लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भारत के सशस्त्र बलों की प्रतिबद्धता और वीरता की सराहना की।

उन्होंने कहा कि भारत को अपने सशस्त्र बलों - उनके शौर्य, साहस और दृढ़ संकल्प पर गर्व है। उन्होंने सशक्त रूप से आगाह किया कि यदि कोई देश या आतंकवादी संगठन भारत में आतंक फैलाता है, तो इसके परिणाम ऑपरेशन सिंदूर से भी अधिक गंभीर होंगे। उन्होंने कहा कि भारत ने न केवल अपने आंतरिक सुरक्षा तंत्र को मजबूत किया है, बल्कि इस संबंध में दुनिया को एक स्पष्ट और दृढ़ संदेश भी दिया है। उन्होंने यह आग्रह भी किया कि राष्ट्रीय सुरक्षा के मामलों में हम सामूहिक हित की भावना से आगे बढ़ें।

श्री बिरला ने आज सिंहभूम चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के प्लेटिनम जुबली समारोह में उपस्थित विशिष्ट लोगों को संबोधित करते हुए ये बात कही। लोक सभा अध्यक्ष के तौर पर झारखंड की अपनी पहली यात्रा पर आए श्री बिरला ने रांची के बिरसा चौक पर भगवान बिरसा मुंडा को श्रद्धासुमन अर्पित किए और बिरसा मुंडा संग्रहालय भी गए।

श्री बिरला ने झारखंड की धरती को नमन करते हुए कहा कि यह एक ऐसा



क्षेत्र है जहां से देश को भगवान बिरसा मुंडा और जमशेदजी टाटा जैसे महानुभाव मिले। उन्होंने यह भी कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने आदिवासी सम्मान और स्वाभिमान के लिए बहादुरी से लड़ने की प्रेरणा दी। श्री बिरला ने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि जमशेदजी टाटा ने अपने विजन से स्वतंत्रता से बहुत पहले भारत के औद्योगिक विकास की नींव रखी।

रक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल करने में भारत की उल्लेखनीय प्रगति के बारे में बात करते हुए, श्री बिरला ने कहा कि एक ऐसा देश जो कभी आयात पर बहुत अधिक निर्भर रहता था, अब रक्षा उपकरणों के निर्माण और यहां तक कि उनके निर्यात में एक शक्तिशाली देश के रूप में उभर रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि नवाचार और सुदृढ़ नीतियों के चलते यह महत्वपूर्ण बदलाव आया है जिससे

भारत के एमएसएमई क्षेत्र और उद्योगों को देश की सुरक्षा को मजबूत करने में प्रत्यक्ष और सार्थक भूमिका निभाने के नए अवसर उपलब्ध हुए हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता के स्पष्ट और महत्वाकांक्षी लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रहा है। श्री बिरला ने आगे कहा कि देश की बढ़ती सैन्य शक्ति हमारे देश के औद्योगिक क्षेत्र की प्रतिबद्धता और क्षमताओं की मजबूत नींव पर टिकी है।

श्री बिरला ने इस बात पर जोर दिया कि आजादी के 100 साल पूरे होने पर वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का हमारा विजन है और विकसित भारत के विजन को साकार करने के लिए हमें मिलकर काम करना चाहिए तथा प्रौद्योगिकी, प्रतिस्पर्धा और कौशल विकास का उपयोग करना चाहिए जो इस

मिशन के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। श्री बिरला ने यह भी कहा कि भारत की सबसे बड़ी ताकत इसके कुशल युवा हैं। यह टिप्पणी करते हुए कि तेजी से बदलती वैश्विक अर्थव्यवस्था में जहां प्रतिस्पर्धा वस्तुओं और सेवाओं से आगे बढ़कर प्रतिभा और नवाचार तक फैली हुई है, श्री बिरला ने कहा कि भारतीय युवा वैश्विक नेता के रूप में उभर रहे हैं। उन्होंने इस बात का उल्लेख भी किया कि कई भारतीय अब विभिन्न क्षेत्रों में बहुराष्ट्रीय निगमों का नेतृत्व कर रहे हैं, जिससे भारत की बौद्धिक क्षमता और उद्यमशीलता का पता चलता है।

इस बात पर जोर देते हुए कि वर्तमान समय में भारत के शैक्षिक क्षेत्र में भी विकास हो रहा है, श्री बिरला ने इस बात का उल्लेख किया कि नई शिक्षा नीति की शुरुआत के साथ, आईआईटी और एम्स जैसे संस्थानों को वैश्विक अनुसंधान और नवाचार केंद्र बनाया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि इन संस्थानों को उद्योगों के साथ सहयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है ताकि हमारे देश में भी विकसित अर्थव्यवस्थाओं जैसा इकोसिस्टम तैयार किया जा सके। श्री बिरला ने सभी हितधारकों को सूचना प्रौद्योगिकी, हरित ऊर्जा, रक्षा प्रौद्योगिकी और उन्नत विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में मौजूद अवसरों का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि अब

समय आ गया है कि न केवल बड़ी औद्योगिक संस्थाओं का समर्थन किया जाए, बल्कि अग्रणी क्षेत्रों में नवाचार को बढ़ावा दिया जाए। उन्होंने युवाओं के कौशल संवर्धन, नवाचार और वैश्विक सहयोग में निवेश करने और यह सुनिश्चित करने का आह्वान किया कि भारत सतत और समावेशी विकास का प्रतीक बने।

सिंहभूम चैंबर ऑफ इंडस्ट्री एंड कॉमर्स के लंबे और गौरवशाली इतिहास की सराहना करते हुए, श्री बिरला ने कहा कि चैंबर के संस्थापकों ने एक ऐसे मंच की परिकल्पना की थी, जहाँ व्यापार जगत से जुड़े प्रमुख व्यक्ति, उद्यमी और उद्योगपति मिलकर विचारों का आदान-प्रदान कर सकें और आने वाली चुनौतियों का सामना कर सकें। उन्होंने गर्व के साथ कहा कि चैंबर ने दशकों से क्षेत्र और राष्ट्र के आर्थिक और औद्योगिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने चैंबर से न केवल एक प्रतिनिधि निकाय के रूप में, बल्कि लोकतांत्रिक संवाद के ऐसे मंच के रूप में कार्य करने का आग्रह किया जहाँ निजी क्षेत्र, सरकार और सिविल सोसाइटी मिलकर भारत के औद्योगिक और आर्थिक विकास की योजना बना सकें।

इस अवसर पर रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, पूर्व मुख्य मंत्री अर्जुन सेंटा और सांसद बिद्युत बान महतो समेत अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे।

झारखंड के स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग और राज्य शिक्षा परियोजना की ओर से अप्रैल महीने में जारी एक निदेश के अनुसार, राज्य के सभी 24 जिलों में सहायक शिक्षकों (पारा टीचर) के प्रमाण पत्रों और डिग्रियों की जांच चल रही हुई है।

विभागीय सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, विभिन्न जिलों में अब तक हुई जांच में 1,136 ऐसे शिक्षकों को चिन्हित किया गया है, जिन्होंने गैर मान्यता प्राप्त संस्थाओं के शैक्षणिक प्रमाण पत्र जमा किए हैं। दुमका जिले में ऐसे 153, गिरिडीह में 269 और देवघर में 98 सहायक शिक्षकों का वेतन अप्रैल 2025 से रोक दिया गया है। अनुमान है कि पूरे राज्य में ऐसे सहायक शिक्षकों की कुल संख्या चार हजार के आसपास है। झारखंड राज्य शिक्षा परियोजना के निदेशक शशि रंजन ने कहा कि सभी जिलों के शिक्षा अधीक्षकों

‘फर्जी डिग्री’ पर नौकरी कर रहे झारखंड में 4,000 से ज्यादा सहायक शिक्षक होंगे बर्खास्त!

रांची, 25 मई (एजेंसियां)। झारखंड के सरकारी स्कूलों में लगभग चार हजार सहायक शिक्षकों (पारा टीचर) को नौकरी से बर्खास्त करने की तैयारी चल रही है। इन शिक्षकों पर फर्जी और गैर-मान्यता प्राप्त संस्थानों की ओर से निर्गत शैक्षणिक प्रमाण पत्र के आधार पर नौकरी करने का आरोप है।

झारखंड के स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग और राज्य शिक्षा परियोजना की ओर से अप्रैल महीने में जारी एक निदेश के अनुसार, राज्य के सभी 24 जिलों में सहायक शिक्षकों (पारा टीचर) के प्रमाण पत्रों और डिग्रियों की जांच चल रही हुई है। विभागीय सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, विभिन्न जिलों में अब तक हुई जांच में 1,136 ऐसे शिक्षकों को चिन्हित किया गया है, जिन्होंने गैर मान्यता प्राप्त संस्थाओं के शैक्षणिक प्रमाण पत्र जमा किए हैं। दुमका जिले में ऐसे 153, गिरिडीह में 269 और देवघर में 98 सहायक शिक्षकों का वेतन अप्रैल 2025 से रोक दिया गया है। अनुमान है कि पूरे राज्य में ऐसे सहायक शिक्षकों की कुल संख्या चार हजार के आसपास है। झारखंड राज्य शिक्षा परियोजना के निदेशक शशि रंजन ने कहा कि सभी जिलों के शिक्षा अधीक्षकों

से फर्जी प्रमाण पत्र जमा करने वाले पारा शिक्षकों की जांच पूरी कर रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया गया है। जांच पूरी होने के बाद विभाग के स्तर से नीतिगत तौर पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि पूरे राज्य में 62 हजार से अधिक सहायक शिक्षक (पारा टीचर) कार्यरत हैं। सर्व शिक्षा अभियान के तहत ग्रामीण स्कूलों में इनकी नियुक्तियां वर्ष 2001 से 2003 के बीच ग्राम शिक्षा समितियों की अनुशंसा पर की गई थीं। उस वक्त इनके लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता मैट्रिक तय की गई थी और इन्हें प्रतिमाह मात्र एक हजार रुपए का मानदेय दिया जाता था। बाद में वर्ष 2005 में विभाग ने एक सर्कुलर जारी किया, जिसमें ऐसे शिक्षकों के लिए न्यूनतम योग्यता इंटरमीडिएट निर्धारित की गई। बताया जाता है कि इसी सर्कुलर के बाद, हजारों शिक्षकों ने उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड के कई ऐसे संस्थानों से इंटर पास होने का प्रमाण पत्र जमा किया, जो गैर मान्यता प्राप्त हैं। इन्हीं प्रमाण पत्रों के आधार पर वे दो दशक से भी अधिक समय से कार्यरत हैं। जांच में जिन गैर मान्यता प्राप्त संस्थानों से जारी प्रमाण पत्रों को फर्जी करार दिया गया है, उनमें अधिकतर उत्तर प्रदेश के हैं।

पीएम मोदी के संसदीय क्षेत्र में बड़ी धूम से निकली तिरंगा यात्रा

काशी ने दी ऑपरेशन सिंदूर को सलामी

बनारस की गलियों में गूंजा जय हिंद, जय भारत का नारा

वाराणसी, 25 मई (एजेंसियां)। वाराणसी में बड़ी धूम के साथ भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को लेकर हुए इस आयोजन में जनता ने भारतीय सैनिकों के प्रति अपना आभार जताया।

भाजपा के वरिष्ठ नेताओं, कार्यकर्ताओं, आम नागरिकों, महिलाओं और साधु-संन्यासियों के साथ यह यात्रा कई इलाकों में पहुंची तो लोग जय हिंद, जय भारत के नारे लगाने लगे।

जनपद स्तर पर विशाल भारत शौर्य तिरंगा यात्रा महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के गेट नंबर 2 से शुरू होकर गेट नंबर 3 से निकलकर सरदार पटेल चौराहा, मलदहिया, लहुराबीर होते हुए संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय मैदान पर पहुंची। भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री सुनील बंसल, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी और यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मोर्य ने तिरंगा



लहराया और तिरंगा यात्रा प्रारंभ कराई। वरिष्ठ भाजपा नेता महेश चंद्र श्रीवास्तव ने टीम के साथ तिरंगा यात्रा का स्वागत किया और पूरी यात्रा में शामिल रहे। तिरंगा यात्रा के दौरान लोग अपनी-अपनी छतों से इस विहंगम नजारे की तस्वीरें ले रहे थे और वीडियो बना रहे थे। बहुतेरे बच्चे तिरंगा यात्रा को सलामी देते दिखे।

तिरंगा यात्रा में शामिल लोग जहां एक ओर हाथों में तिरंगा लहरा रहे थे वहीं विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राएं 250-250 मीटर लंबे तिरंगे को हाथों में लिए भारत माता की जय जयकार लगाते चल रहे थे। यात्रा में

डिप्टी सीएम भी साथ में चल रहे थे। यात्रा मलदहिया चौराहे पर पहुंची तो उन्होंने यहां स्थित भारत रत्न सरदार वल्लभ भाई पटेल की प्रतिमा व लहुराबीर स्थित चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए।

सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित कर भारत की एकता और अखंडता का संकल्प दिलाया और चंद्रशेखर आजाद जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर यह संकल्प लिया गया है कि भारत एक है, भारत श्रेष्ठ है, भारत विजेता है और उन्होंने भारतीय सेना को बधाई दी।



तिरंगा यात्रा के प्रति काशीवासियों में जबरदस्त उत्साह दिखा। विद्यालय के छात्र, छात्राएं, महिलाएं, एनसीसी के कैडेट, पूर्व सैनिक, सामाजिक संस्थाओं के लोग, विभिन्न व्यापार मंडल के साथ ही खाद्य व्यापार मंडल के लोग, काशी में रहने वाले विभिन्न भाषा-भाषी समाज के लोग अपनी परंपरागत वेशभूषा में तिरंगा लिए भारत माता की जय, वंदे मातरम, का गगनभेदी उद्घोष कर रहे थे। तिरंगा यात्रा में सबसे आगे महिलाएं, महिला स्वयंसेवी संगठन, विभिन्न धार्मिक आध्यात्मिक समूहों के लोग, अल्पसंख्यक समूह के लोग, डॉक्टर, अधिवक्ता, सीए, शिक्षक आदि समूह

के लोग थे। इसके बाद आईटीआई एवं उच्च शिक्षा संघ के छात्र एवं स्टाफ तत्पश्चात एनसीसी, भारत स्काउट गाइड व एनएसएस के छात्र थे। उसके पीछे एनडीआरएफ, 39 जीटीसी, सीआरपीएफ, पीएसी, पुलिस बैटल, पैरामिलिट्री फोर्स के एक एक बैटल एवं बड़ी संख्या में पूर्व सैनिक भी थे।

इसके बाद शहर के विभिन्न एसोसिएशन लायंस क्लब, सिविल डिफेंस, रेड क्रॉस नव युवक मंगल दल, नेहरू युवा केंद्र के सदस्य, पूर्व सैनिक, विभिन्न खेलों के खिलाड़ी, आईआईएमए के सदस्य थे। इसके पीछे सफाई मित्र, कोटेदार एवं



सिविल डिफेंस के लोग थे। इसके पीछे जिले की सभी आठों विधानसभाओं के उत्तरी, दक्षिणी, केंद्र, सेवापुरी, रोहनिया, शिवपुर, अजगरा व रोहनिया विधानसभा के सम्मानित नागरिक चल रहे थे। कार्यक्रम में महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के वाइस चांसलर आनंद कुमार त्यागी, संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बिहारी लाल शर्मा, राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार रविंद्र जायसवाल, मेयर अशोक तिवारी, क्षेत्रीय अध्यक्ष दिलीप पटेल, महानगर अध्यक्ष प्रदीप अग्रहरी, जिलाध्यक्ष हंसराज विश्वकर्मा, विधायक नीलकंठ तिवारी, विधायक

सौरभ श्रीवास्तव, विधायक अवधेश सिंह, विधायक टी राम, जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मोर्या, एमएलसी अश्वनी त्यागी, पूर्व विधायक जगदीश पटेल, एमएलसी धर्मेन्द्र राय, पूर्व मेयर राम गोपाल मोहले, मृदुला जायसवाल, क्षेत्रीय मीडिया प्रभारी नवरतन राठी, सह मीडिया प्रभारी संतोष सोलापुरकर मौजूद थे।

इस दौरान सुसज्जित मंच का निर्माण किया गया, जहां शहनाई वादक द्वारा शहनाई से देशभक्ति गीतों की प्रस्तुति दी और पदाधिकारियों ने गुलाब की पंखुड़ियों की वर्षा कर यात्रा का अभिनंदन किया।

उत्तर प्रदेश में खत्म होगी जाम की समस्या

6124 करोड़ से बनेंगे 62 रिंग रोड, बाईपास और फ्लाईओवर

लखनऊ, 25 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में ट्रैफिक जाम की समस्या दूर करने के लिए रिंग रोड, बाईपास व फ्लाईओवर का निर्माण जारी है। सीएम योगी के निर्देश पर लोक निर्माण विभाग ने विस्तृत खाका तैयार किया है जिसके जरिए वित्तीय वर्ष 2025-26 में बड़े पैमाने पर रोड कनेक्टिविटी को बढ़ाया जाएगा। योजना के अंतर्गत कुल 62 परियोजनाओं की रूपरेखा तैयार की जा रही है जिससे प्रदेश के यातायात में अप्रत्याशित सुधार आएगा। इसपर 6,124 करोड़ रुपए नए निर्माण पर खर्च होंगे।

लोक निर्माण विभाग द्वारा तैयार कार्ययोजना के अनुसार प्रदेश में बाईपास, रिंग रोड व फ्लाईओवर निर्माण के कुल 62 कार्य वित्तीय वर्ष 2025-26 में चिन्हित किए गए हैं। इनमें 6,124 करोड़ रुपए नए निर्माण पर खर्च होंगे। लोगों को ट्रैफिक जाम से राहत

देने के लिए यह काम प्राथमिकता के आधार पर किए जाएंगे जिनमें आबादी और यातायात आवागमन जैसे कई मानकों को आधार बनाया जाएगा। कार्ययोजना के अनुसार सरकार का यह कदम न केवल उत्तम कनेक्टिविटी तैयार करेगा बल्कि यातायात प्रबंधन में भी सहायक सिद्ध होगा।

लोक निर्माण विभाग द्वारा वर्ष 2025-26 में जिन 62 बाईपास और रिंग रोड का निर्माण किया जाना है उनमें एक लाख से अधिक जनसंख्या वाले नगर पालिकाओं व नगर परिषदों को प्राथमिकता दी जाएगी।

कार्ययोजना के अनुसार, एक लाख से अधिक जनसंख्या वाले नगर परिषदों व पालिकाओं द्वारा प्रस्ताव दिए जाने पर आबादी व प्राथमिकता के आधार पर काम पूरा किया जाएगा। हालांकि जहां से राष्ट्रीय राजमार्ग गुजर रहे हैं, ऐसी नगर पालिकाओं व परिषदों को शामिल नहीं किया जाएगा। इन क्षेत्रों में रिंग रोड और बाईपास का निर्माण राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा किया जाएगा।

सोना तस्करी करने वाला अंतरराष्ट्रीय गिरोह पकड़ाया

चार तरकरों के पेट से निकली सोने का 27 कैप्सूल

मुगदाबाद, 25 मई (एजेंसियां)।

सऊदी अरब से लौटे चार लोगों के पेट से सोने के 27 कैप्सूल बरामद होने के बाद सोने की तस्करी के अंतरराष्ट्रीय गिरोह का पर्दाफाश हुआ है।

बरामद किए गए प्रत्येक कैप्सूल का वजन करीब 35 ग्राम है। इस प्रकार अब तक करीब एक किलो सोना बरामद किया गया है। चारों तरकरों को जिला अस्पताल में कड़ी सुरक्षा के बीच भर्ती कराया गया है, जहां उनके पेट से सोना निकालने की प्रक्रिया जारी है। गैंग के अन्य सदस्यों की तलाश में पुलिस की टीमें जुटी हुई हैं।

शुरुआत उस वक्त हुई जब सऊदी से लौटे छह लोगों को लखनऊ-दिहली हाईवे पर पुराने

टोल प्लाजा के पास बदमाशों ने अगवा कर लिया। बदमाशों को सूचना मिली थी कि इन लोगों के पेट में सोना है। अपहरण की सूचना पर पुलिस हरकत में आई और मुठभेड़ के बाद दो बदमाशों को गिरफ्तार करते हुए सभी छह लोगों को छुड़ा लिया गया। छानबीन में पता चला कि सभी रामपुर जिले के टांडा बादली निवासी हैं। इनमें शाने आलम, मुतल्लूवी, मोहम्मद नावेद, जाहिद अली, अजहरुद्दीन और जुल्फेकार शामिल हैं। ये सभी सऊदी अरब में काम करते हैं और शुक्रवार को दिल्ली एयरपोर्ट से रामपुर लौट रहे थे। पुलिस को सूचना थी कि इन लोगों के पेट में सोना है, इसलिए शनिवार को सभी का पहले

सीएचसी मूंडापांडे में अल्ट्रासाउंड कराया गया, लेकिन डॉक्टरों ने कुछ भी होने से इन्कार कर दिया। जब पुलिस ने उन्हें जिला अस्पताल रेफर करने को कहा, तो डॉक्टर आनाकानी करने लगे, जिससे शक और गहरा गया।

इसके बाद पुलिस ने सभी छह लोगों को निजी लैब में ले जाकर अल्ट्रासाउंड कराया। जहां शाने आलम, मुतल्लूवी, अजहरुद्दीन और जुल्फेकार के पेट में सोने की पुष्टि हुई। वहीं मोहम्मद नावेद और जाहिद अली के पेट में कुछ नहीं मिला। बाद में जिला अस्पताल की लैब में दोबारा अल्ट्रासाउंड कराया गया, जिसमें भी रिपोर्ट पॉजिटिव आई। अब तक मेडिकल टीम ने चारों के पेट से

27 सोने के कैप्सूल निकाल लिए हैं और डॉक्टरों का कहना है कि कुछ कैप्सूल अभी और बाकी हैं। चारों को विशेष दवाइयां और भोजन दिया जा रहा है, ताकि कैप्सूल बाहर निकाले जा सकें। एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि मामला कस्टम विभाग को सौंप दिया गया है और उनके सहयोग से आगे की कार्रवाई की जा रही है। साथ ही बदमाशों के नेटवर्क को भी ट्रेस किया जा रहा है। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि इन लोगों ने सऊदी से सोना कैसे लाया और किन लोगों के संपर्क में रहकर तस्करी की योजना बनाई। इस पूरे घटनाक्रम से सुरक्षा एजेंसियों में भी हड़कंप मचा हुआ है। कस्टम

विभाग अब अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क की भी जांच कर रही है। मूंडापांडे पुलिस की जांच पड़ताल में सामना आया है कि सऊदी अरब से लौट रहे लोगों की बदमाशों से मुखबिरी रामपुर टांडा के ही कुछ लोगों ने की थी। पुलिस उन सभी की तलाश में जुट गई है। इनमें तरकरों के कुछ करीबी भी शामिल हैं। पुलिस ने कई लोगों को हिरासत में लिया है।

उनके जरिए बदमाशों तक पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है। सोना तरकरों को पुलिस जब अस्पताल लेकर पहुंची थी तब उनके परिजन भी पहुंच गए थे। जैसे ही पेट में सोना होने की पुष्टि हुई तो सभी परिजन भाग निकले।

इलाहाबाद विवि में प्रवेश के लिए 26 विदेशी छात्रों ने दिखाई रुचि

प्रयागराज, 25 मई (एजेंसियां)।

इलाहाबाद विश्वविद्यालय में परास्नातक प्रवेश के लिए आवेदन की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और अब जल्द ही विदेशी छात्रों के प्रवेश के लिए आवेदन शुरू होंगे। इस बार 26 विदेशी छात्रों ने इलाहाबाद विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए रुचि दिखाई है।

इलाहाबाद विवि समेत देश के सभी विश्वविद्यालयों में भारत सरकार के स्टडी इंडियन पोर्टल के माध्यम से प्रवेश लिए जाते हैं। पिछले साल केवल सात विदेशी छात्रों ने इविवि में प्रवेश के लिए रुचि दिखाई थी और बाद में इनमें से केवल तीन छात्रों ने ही विश्वविद्यालय में प्रवेश लिए था। लेकिन, इस बार स्थिति काफी

बेहतर है। भारत सरकार के स्टडी इंडियन पोर्टल पर 26 विदेशी छात्रों ने इलाहाबाद विश्वविद्यालय में प्रवेश लेने की इच्छा जताई है। इनमें बांग्लादेश, इंडोनेशिया व नेपाल के छात्र हैं। बांग्लादेश से हिंदू छात्रों के आवेदन ही आए हैं। इन छात्रों को 12 अंकों वाला एक यूनिफ आइडी नंबर जारी किया जाएगा, जिसके माध्यम से इनका वीजा बनेगा और इसी के जरिये उनके आवेदन को आगे बढ़ाया जाएगा।

इलाहाबाद विवि में इंटरनेशनल स्टूडेंट एडवाइजर प्रो. विष्णु प्रभाकर का कहना है कि स्टडी इंडिया पोर्टल पर इलाहाबाद विश्वविद्यालय में प्रवेश लेने के लिए पिछले साल के मुकाबले इस बार चार गुना अभ्यर्थियों ने रुचि दिखाई है।

नोटिफिकेशन जारी होते ही आवेदन की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। विदेशी छात्र अंतरराष्ट्रीय छात्र सलाहकार, इलाहाबाद विश्वविद्यालय के माध्यम से आवेदन करेंगे। देश के किसी भी विश्वविद्यालय में विदेशी छात्रों के प्रवेश में संस्थान की नैक ग्रेडिंग व एनआईआरएफ रैंकिंग की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। मानकों के अनुसार विदेशी छात्र नैक ग्रेड ए-प्लस वाले संस्थानों या उन संस्थानों में प्रवेश ले सकते हैं, जिनकी एनआईआरएफ रैंक 100 के भीतर है। इसके अलावा उन संस्थानों में भी प्रवेश ले सकते हैं, जो इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस की श्रेणी में आते हैं। नैक ग्रेड व एनआईआरएफ रैंक के मामले में इविवि निर्धारित मानक से

पीछे है, लेकिन इविवि की गिनती इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस की श्रेणी में होती है। ऐसे में विदेशी छात्र इलाहाबाद विवि में प्रवेश ले सकते हैं।

इलाहाबाद विवि एवं संघटक महाविद्यालयों में परास्नातक (पीजी) प्रवेश के लिए आवेदन में संशोधन की प्रक्रिया पूरी हो गई है। 55 विषयों में पीजी की कुल 7,231 सीटों पर दाखिले होने हैं और प्रवेश परीक्षा के लिए 32,867 अभ्यर्थियों ने आवेदन किए हैं। प्रवेश परीक्षा 10, 11, 12 और 13 जून को प्रस्तावित है। इलाहाबाद विवि प्रशासन एक सप्ताह के अंदर प्रवेश परीक्षा का विस्तृत कार्यक्रम जारी करने की तैयारी में है।

बिजली को प्राइवेट करने पर योगी सरकार आमदा

यूपी में 29 मई से बिजली कर्मियों की हड़ताल

लखनऊ, 25 मई (एजेंसियां)।

निजीकरण के खिलाफ उत्तर प्रदेश के लाखों बिजली कर्मचारी 29 मई से हड़ताल पर चले जाएंगे। बिजली विभाग से जुड़े संगठनों ने साफ किया है कि हड़ताल के दौरान कौन-कौन से काम नहीं होंगे।

हड़ताल के मद्देनजर ग्राहकों से कहा गया है कि बिजली कनेक्शन लेने वाले लोग कनेक्शन का बकाया बिल 29 मई से पहले जमा करा दें।

दरअसल, दो कंपनियों पूर्वांचल व दक्षिणांचल की बिजली व्यवस्था को निजी हाथों में सौंपने

की चल रही कार्रवाई के विरोध में लखनऊ समेत प्रदेशभर में कर्मचारी और अभियंता 29 मई से कार्यालय आएंगे, लेकिन काम नहीं करेंगे। इनकी ओर से बेमियादी कार्य बहिष्कार शुरू करने का नोटिस जारी किया गया है, जिससे बिजली महकमे में हड़कंप मचा है।

इससे राजधानी के 14 लाख उपभोक्ताओं की बिजली व्यवस्था पर असर पड़ सकता है। उपकेंद्र, उपखंड, खंड के कर्मचारी एवं अभियंता काम करना बंद कर देंगे तो हड़ताल (कार्य बहिष्कार) होने

तक न तो बिजली कनेक्शन पाएंगे और न ही कटी बिजली चालू हो सकेगी।

जेई संगठन ट्रांस एवं सिस गोमती इकाई के अध्यक्ष क्रमशः चंद्रशेखर और अरविंद कुमार और विद्युत तकनीकी कर्मचारी एकता संघ के केंद्रीय अध्यक्ष वीके सिंह ने संयुक्त रूप से बताया कि बेमियादी कार्य बहिष्कार आंदोलन के दौरान नियमित कर्मचारी, अभियंता प्रमुख रूप से चार कामों का बहिष्कार करेंगे।

यह चार काम उपभोक्ता एवं विभाग की लिहाजा से बहुत ही महत्वपूर्ण हैं।

हाईकोर्ट का महत्वपूर्ण फैसला

प्रयागराज, 25 मई (एजेंसियां)।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पुलिस उपनिरीक्षक (सिविल पुलिस)/प्लाटून कमांडर पीएसी भर्ती-2021 में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के पदों में महिलाओं को 20 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण देते हुए नई मेरिट सूची बनाने का निर्देश दिया है। साथ ही रिक्त पदों पर उनकी नियुक्ति किए जाने का निर्देश दिया है। हाईकोर्ट

ईडब्ल्यूएस वर्ग की महिलाओं के लिए 20% आरक्षण दे सरकार

ने कहा है कि राज्य सरकार भविष्य में ईडब्ल्यूएस वर्ग में महिलाओं के लिए 20 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण सुनिश्चित करे। यह आदेश न्यायमूर्ति सौरभ श्याम शमशेरी ने नेहा शर्मा और 53 अन्य की याचिका पर दिया।

गौतम बुद्ध नगर की नेहा शर्मा और अन्य ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी। उनका कहना था कि पुलिस उपनिरीक्षक (सिविल पुलिस)/प्लाटून



कमांडर पीएसी भर्ती-2021 में कुल लगभग 9027 पद थे। ईडब्ल्यूएस के लिए 10 प्रतिशत 952 पद थे। महिलाओं के लिए ईडब्ल्यूएस की 902 पद में 20 प्रतिशत लगभग 181 पद पर महिलाओं की नियुक्ति की जानी चाहिए थी। लेकिन इसका पालन नहीं किया गया। ईडब्ल्यूएस में महिलाओं को मात्र 34 सीटें ही मिलीं। राज्य ने दलील दी कि सामान्य और ईडब्ल्यूएस

की श्रेणियों को जोड़कर कुल 903 सीटें महिलाओं को दी गईं।

कोर्ट ने इसे गलत ठहराते हुए कहा कि ईडब्ल्यूएस की सीटों में महिलाओं के लिए क्षैतिज आरक्षण अलग से लागू होना चाहिए। राज्य व अन्य प्रतिवादियों को अलग मेरिट सूची बनाते हुए रिक्त पदों पर मेरिट के अनुसार नियुक्ति देने का निर्देश दिया है। साथ ही कहा कि चयनित उम्मीदवारों को हटाया नहीं

जाएगा। वहीं, ईडब्ल्यूएस श्रेणी के पूर्व सैनिकों की याचिका को रिक्त पदों का डेटा न होने के कारण खारिज कर दी। राज्य सरकार की ओर से महिलाओं को सरकारी नौकरियों में 20 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण दिया गया है। इसके तहत जनरल, ओबीसी, एसी/एसटी और ईडब्ल्यूएस श्रेणी में जितने पद होंगे उन पदों में से 20 प्रतिशत महिलाएं नियुक्ति की जाएंगी।

संपादकीय

कोरोना संग जीना

दुनिया

मानक चल रही थी कोरोना संक्रमण का काला दौर हमेशा-हमेशा के लिये चला गया है। पिछले कुछ वर्षों से जन-जीवन फिर पटरी पर लौट रहा था। विश्व के कुछ क्षेत्रों में जारी युद्ध और अन्य विषम परिस्थितियों के बीच जारी आर्थिक उथल-पुथल के बावजूद अर्थव्यवस्थाएं कोरोना से पहली स्थिति में पहुंचने के लिये जहोजहद कर रही थीं। लेकिन कोरोना की नई दस्तक ने चिंताएं बढ़ा दी हैं। कोरोना संक्रमण की वापसी की आहत पहले हांगकांग व

सिंगापुर में सुनाई दी। हांगकांग में कुछ ही मामलों में तीस लोगों के मरने की खबर है। वहीं सिंगापुर में एक मई तक कोरोना संक्रमितों की संख्या 14 हजार से अधिक थी, जिसमें 19 मई तक तीन हजार नये संक्रमित जुड़ गए हैं। जिस चीन से कोरोना वायरस सारी दुनिया में फैला, वहां भी कोरोना के मामले तो बढ़े हैं लेकिन इस संख्या को सार्वजनिक नहीं किया गया। वहीं चीन का स्वास्थ्य विभाग कोरोना के मामलों में तेजी आने की आशंका जता रहा है। चिंता इस बात की भी है कि भारत में केरल, महाराष्ट्र व तमिलनाडु में कोरोना संक्रमण के मामले दर्ज किए गए। बताया जा रहा है कि एक जनवरी से 19 मई तक देश में ढाई सौ से अधिक संक्रमण के मामले दर्ज किए गए हैं। मुंबई के अस्पताल में भर्ती दो मरीजों की संक्रमण से हुई मौत को लेकर भी चिंता जतायी जा रही है। हालांकि, अस्पताल का दावा है कि एक रोगी कैसर तो दूसरा किडनी से जुड़ी गंभीर बीमारी से पीड़ित था। बहरहाल, कोरोना के नये वायरस के संक्रमण को लेकर सरकार के स्तर पर गंभीर प्रयास करने तथा नागरिकों को सजज-सतर्क रहने की जरूरत है। कोरोना संक्रमण की पिछली कई लहरों से सबक लेकर उपचारात्मक नीतियों के क्रियान्वयन व चिकित्सा सुविधाओं को विस्तार देने की जरूरत है। इससे पहले कि वायरस अनियंत्रित हो, सरकार व स्वास्थ्य एजेंसियों को बचाव के उपाय युद्ध स्तर पर करने चाहिए। हालांकि, विश्व स्वास्थ्य संगठन की तरफ से कहा जा रहा है कि इस बार के संक्रमण के लिये ओमिक्रोन के नये वैरिएंट जे.ए.1 तथा वैरिएंट एल.एफ.7 और एन.बी.18 जिम्मेदार हैं। बताया जा रहा है कि जे.एन.1 वैरिएंट बहुत तेजी से फैलता है। विश्व के स्वास्थ्य विशेषज्ञ बता रहे हैं कि नये वैरिएंट से पीड़ित लोगों में गले में खराश, नींद न आना, छीकें आना, खांसी, एंजाइट्टी, नाक बहना, खांसी, सिरदर्द, कमजोरी, थकावट व मांसपेशियों में दर्द की शिकायत शामिल हो सकती है। हालांकि, इनमें से कुछ आम इंप्लूएंजा के लक्षण भी हो सकते हैं। ऐसे में कोरोना संक्रमण का टेस्ट करवाना भी जरूरी हो जाता है। वैसा कहना मुश्किल है कि कोरोना का वायरस हमारे बीच से चला गया। वह कहीं गया नहीं बल्कि टीकाकरण से मिली हमारे शरीर की रोगप्रतिरोधक क्षमता ने उसे रोक दिया। लेकिन दिक्कत यह है कि मीसम परिवर्तन चक्र के बीच में म्यूटेशन से इसके नये वैरिएंट सामने आते हैं। जिनका मुकाबला करने व शरीर की रोग प्रतिरोधक शक्ति को इन्हें समझने में थोड़ा वक़्त लगता है। निस्संदेह, यह एक चुनौती है, लेकिन इससे घबराने की नहीं, समझदारी और सतर्कता से निपटने की जरूरत है। पिछली कई बड़ी कोरोना संक्रमण की लहरों ने हमें इस संक्रमण से मुकाबले के सबक दिए हैं। एक समय था जब हमारा चिकित्सा ढांचा इसके मुकाबले के लिये तैयार न था। जीवनादायिनी आँकसीजन की उत्पादन क्षमता और भंडारण में हम अब आत्मनिर्भर हैं। दुनिया का सबसे बड़ा वैक्सीन अभियान चलाकर हमने 140 करोड़ लोगों को सुरक्षा कवच प्रदान किया है।

आप का नजरिया

गर्म सिंदूर वाला लहू

नरसंहार को एक माह बीत चुका है। उन मासूम, बेगुनाह लोगों के हत्यारों और बहन-बहियों का सिंदूर उजाड़ने वाले पापी कहां हैं, यह सहज सवाल हमारे भीतर भी खदबाद रहा है। हम देश की सेना और सुरक्षा बलों के साहस, पराक्रम और जांच पर रती भर भी सवाल नहीं कर रहे हैं। उन्होंने 3000 संदिग्धों या आतंकियों के ‘जयचंदा’ से पूछताछ कर सुराग टटोलने की कोशिशों की हैं। कुछ गिरफ्तारियां भी की गई हैं। बीते 10-12 दिनों में कुछ आतंकियों और घुसपैठियों को ढेर भी किया गया है। यह आलेख लिखने तक जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में सेना और सुरक्षा बलों ने कुछ आतंकियों की घेराबंदी की थी और मुल्भेड़ जारी थी। खुफिया लीड थी कि जैश-ए-मुहम्मद के 3-4 आतंकी उस इलाके के जंगलों में छिपे हैं। दरअसल पहलगाम नरसंहार आज भी एक जिंदा और प्रासंगिक मुद्दा है। उसी के संदर्भ में प्रधानमंत्री मोदी ने बीकानेर में लोगों को संबोधित करते हुए जो रौद्र रूप दिखाया है, वह अभूतपूर्व है और उसमें पहलगाम में सिंदूर मिटाने, उजाड़ने की चिंता और आक्रोश भी निहित है। प्रधानमंत्री इसे गुस्सा या आक्रोश ही नहीं मानते, बल्कि समर्थ भारत का रौद्र रूप और न्याय का नया स्वरूप मानते हैं और यह ‘ऑपरेशन सिंदूर’ है। प्रधानमंत्री ने यहां तक कहा कि उनकी रंगों में लहू नहीं, गर्म सिंदूर बह रहा है।...जो सिंदूर मिटाने निकले थे, उन्हे मिट्टी में मिलाया है।...जब सिंदूर बारूद बन जाता है, तो उसके क्या नतीजे होते हैं, यह दृष्टमन ने देख लिया है।' प्रधानमंत्री मोदी के ये शब्द अधिचात्मक नहीं हैं, बल्कि सिंदूर के प्रतीक के तौर पर लाक्षणिक हैं। प्रधानमंत्री अब भी पहलगाम और सिंदूर की त्रासदियों से जुड़े हैं। यह राजनीति नहीं है। कोई भी चुनाव

घटना से उपजी त्रासदी से अरमान के परिवार पर हुए वज्रपात को सहज महसूस किया जा सकता है

किशोरों में बढ़ रही हिंसक प्रवृत्ति गंभीर चुनौती

ललित गर्ग

बच्चों में बढ़ रही हिंसक प्रवृत्ति एवं क्रूर मानसिकता चिन्ताजनक है, नये भारत एवं विकसित भारत के भाल पर यह बदनुमा दाग है। पिछले कुछ समय से स्कूली बच्चों में बढ़ती हिंसा की प्रवृत्ति निश्चित रूप से डरावनी, मर्मांतक एवं खोफनाक है। चिंता का बड़ा कारण इसलिए भी है क्योंकि जिस उम्र में बच्चों के मानसिक और सामाजिक विकास की नींव रखी जाती है, उसी उम्र में कई बच्चों में आक्रामकता एवं क्रूर मानसिकता घर करने लगी है और उनका व्यवहार हिंसक होता जा रहा है। कैथल जनपद के गांव धनौरी में दो किशोरों की निर्मम एवं क्रूर हत्या की हृदयविदारक घटना न केवल उद्‌लेित एवं भयभीत करने वाली है बल्कि चिन्ताजनक है। चौदह-पंद्रह साल के दो किशोरों की गला रेतकर हत्या कर देना और वह भी उनके हमउम्र साथियों द्वारा, हर संवेदनशील इंसान को हिला देने वाली डरावनी एवं खैफनाक घटना है, जो किशोरों में पनप रहे हिंसक बर्ताव एवं हिंसक मानसिकता का घिनीना एवं घातक रूप है। जिस उम्र में बच्चों को पढ़ाई-लिखाई और खेलकूद में व्यस्त रहना चाहिए, उसमें उनमें बढ़ती आक्रामकता, हिंसा एवं क्रूरता एक अस्वाभाविक और परेशान करने वाली बात है। जाहिर है दसवीं-ग्यारहवीं के छात्रों की क्रूर हत्या हमारे समाज में बढ़ती संवेदनहीनता को भी दर्शाती है। ऐसी कई अन्य घटनाओं में स्कूल में पढ़ने वाले किसी बच्चे ने अपने सहपाठी पर चाकू या किसी घातक हथियार से हमला कर दिया और उसकी जान ले ली। अमेरिका की तर्ज पर भारत के बच्चों में हिंसक मानसिकता का पनपना हमारी शिक्षा, पारिवारिक एवं सामाजिक संरचना पर कई सवाल खड़े करती है। जैसाकि घटना से संबंधित तथ्यों में बताया गया कि हत्या में शामिल युवक धनौरी गांव के ही थे और कुछ दिन पहले किशोरों को धमकाने उनके घर आए थे। मोरे गए किशोरों पर हत्या आरोपियों ने आरोप लगाया था कि वे उनकी बहनों से छेड़खानी करते थे। निश्चय ही ऐसे छेड़खानी के कथित आरोप को नैतिक दृष्टि से अनुचित ही कहा जाएगा, लेकिन उसका बदला हत्या कदापि नहीं हो सकती। यह दुःखद है कि एक मृतक किशोर अरमान पांच बहनों का अकेला भाई था। घटना से उपजी त्रासदी से अरमान के परिवार पर हुए वज्रपात को सहज महसूस किया जा सकता है। उनके लिये जीवनभर न भुलाया जा सकने वाला दुःख एवं संत्रास पैदा हुआ है। बड़ा सवाल है कि जिन बच्चों में बच्चों के भीतर आक्रामकता एवं हिंसा पैदा हो रही है, उससे निपटने के लिए क्या किया जा रहा है? पाठ्यक्रमों का स्वरूप, पढ़ाई-लिखाई के तौर-तरीके, बच्चों के साथ घर से लेकर स्कूलों में हो रहा व्यवहार, उनकी रोजमर्रा की गतिविधियों का दायरा, संगति, सोशल मीडिया या टीवी से लेकर सिनेमा तक उसकी सोच-समझ को प्रभावित करने वाले अन्य कारकों से तैयार होने वाली उनकी मन:स्थितियों के बारे में सरकार, समाजकर्मी एवं अधिभावक क्या समाधान खोज रहे हैं। बच्चों के व्यवहार और उनके भीतर घर करती प्रवृत्तियों पर मनोवैज्ञानिक पहलू से विचार किए बिना

दल सत्ता की सुविधा के हिसाब से सारी कार्रवाई तय करते हैं। कहने को कानून की पालना और समानता की दलील देने वाले नेता मौका पड़ने पर स्पष्ट भेदभाव बरतने में कसर बाकी नहीं रखते। विपक्ष बेशक किन्ता ही शोर-शराबा क्यों न मचाए, सत्ताधारी दलों को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। बेशक फर्क बिल्कुल पानी की तरह साफ हो, पूरा देश उनकी सच्चाई को जानता हो, यहां तक कि देश की शीर्ष अदालत भी कह दे, तब भी राजनीतिक दल बेशर्मी की चादर ओढ़े रहते हैं। इसे मौजूदा तीन गजलंत उदाहरणों से समझा जा सकता है कि राजनीतिक दल न्हित स्वार्थों के चलते एक जैसे सामने नहीं हैं। बिहार और राजस्थान के बीच व्यापक दूरियां हैं। बीकानेर के एयरबेस से कुछ ही दूरी पर, सीमापार, पाकिस्तान का रहींम यार एयरबेस है, जो ध्वस्त होने के बाद आईसीयू में पड़ा है। न जाने अब वह कब खुलेगा। प्रधानमंत्री ने देश को बताया है कि सिंदूर उजाड़ने का बदला लिया जा चुका है, प्रण पूरा किया गया है। प्रधानमंत्री ने यह भी स्पष्ट किया है कि यदि अब कोई आतंकी हमला भारत पर किया जाएगा, तो उसका करारा जवाब दिया जाएगा। हम आतंक और उसके सरपरान्तों को अलग-अलग नहीं समझेगे, लिहाजा करारा जवाब पाकिस्तान, उसकी फौज और अर्थव्यवस्था को भी झेलना पड़ेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने पाकिस्तान को यहां तक चेतावनी दी है कि उसे पाड़-वाई को मोहताज कर दिया जाएगा। विडंबना यह है कि प्रमुख विश्वी पार्टी कांग्रेस प्रधानमंत्री के संबोधन और सरोकारों को 'फिल्मी ड्रॉयलॉग' करार दे रही है। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा है कि प्रधानमंत्री खोखले भाषण देना बंद करें। कैमरे के सामने ही आपका लहू गर्म क्यों होने लगता है? कांग्रेस लगातार सवाल दाग रही है कि जब हालिया संसर्ष में भारत ने पाकिस्तान का बहुत कुछ तबाह कर दिया था, तो अचानक युद्धविषम क्यों किया गया? अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप के दबाव में युद्धविषम क्यों किया गया? आखिर हम पीओके तक पहुंच कर उसे वापस लेने में नाकाम क्यों रहे? ऐसे कई सवाल हैं, जिनके जवाब विदेश मंत्रालय और हमारे डीजीएमओ दे चुके हैं। दरअसल आज के संदर्भ में 1971 का भारत-पाक युद्ध और तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी भी प्रासंगिक है। 1972 में 'शिमला समझौते' के बाद तत्कालीन सैन्य फील्ड मार्शल जनरल सैम मॉनकशॉ ने इंदिरा गांधी के सामने तो टिप्पणी की थी, हम उसे लिख नहीं सकते।

भारतीय

बच्चों में बढ़ रही हिंसक प्रवृत्ति एवं क्रूर मानसिकता चिन्ताजनक है, नये भारत एवं विकसित भारत के भाल पर यह बदनुमा दाग है। पिछले कुछ समय से स्कूली बच्चों में बढ़ती हिंसा की प्रवृत्ति निश्चित रूप से डरावनी, मर्मांतक एवं खोफनाक है। चिंता का बड़ा कारण इसलिए भी है क्योंकि जिस उम्र में बच्चों के मानसिक और सामाजिक विकास की नींव रखी जाती है, उसी उम्र में कई बच्चों में आक्रामकता एवं क्रूर मानसिकता घर करने लगी है और उनका व्यवहार हिंसक होता जा रहा है। कैथल जनपद के गांव धनौरी में दो किशोरों की निर्मम एवं क्रूर हत्या की हृदयविदारक घटना न केवल उद्‌लेित एवं भयभीत करने वाली है बल्कि चिन्ताजनक है। चौदह-पंद्रह साल के दो किशोरों की गला रेतकर हत्या कर देना और वह भी उनके हमउम्र साथियों द्वारा, हर संवेदनशील इंसान को हिला देने वाली डरावनी एवं खैफनाक घटना है, जो किशोरों में पनप रहे हिंसक बर्ताव एवं हिंसक मानसिकता का घिनीना एवं घातक रूप है। जिस उम्र में बच्चों को पढ़ाई-लिखाई और खेलकूद में व्यस्त रहना चाहिए, उसमें उनमें बढ़ती आक्रामकता, हिंसा एवं क्रूरता एक अस्वाभाविक और परेशान करने वाली बात है। जाहिर है दसवीं-ग्यारहवीं के छात्रों की क्रूर हत्या हमारे समाज में बढ़ती संवेदनहीनता को भी दर्शाती है। ऐसी कई अन्य घटनाओं में स्कूल में पढ़ने वाले किसी बच्चे ने अपने सहपाठी पर चाकू या किसी घातक हथियार से हमला कर दिया और उसकी जान ले ली। अमेरिका की तर्ज पर भारत के बच्चों में हिंसक मानसिकता का पनपना हमारी शिक्षा, पारिवारिक एवं सामाजिक संरचना पर कई सवाल खड़े करती है। जैसाकि घटना से संबंधित तथ्यों में बताया गया कि हत्या में शामिल युवक धनौरी गांव के ही थे और कुछ दिन पहले किशोरों को धमकाने उनके घर आए थे। मोरे गए किशोरों पर हत्या आरोपियों ने आरोप लगाया था कि वे उनकी बहनों से छेड़खानी करते थे। निश्चय ही ऐसे छेड़खानी के कथित आरोप को नैतिक दृष्टि से अनुचित ही कहा जाएगा, लेकिन उसका बदला हत्या कदापि नहीं हो सकती। यह दुःखद है कि एक मृतक किशोर अरमान पांच बहनों का अकेला भाई था। घटना से उपजी त्रासदी से अरमान के परिवार पर हुए वज्रपात को सहज महसूस किया जा सकता है। उनके लिये जीवनभर न भुलाया जा सकने वाला दुःख एवं संत्रास पैदा हुआ है। बड़ा सवाल है कि जिन बच्चों में बच्चों के भीतर आक्रामकता एवं हिंसा पैदा हो रही है, उससे निपटने के लिए क्या किया जा रहा है? पाठ्यक्रमों का स्वरूप, पढ़ाई-लिखाई के तौर-तरीके, बच्चों के साथ घर से लेकर स्कूलों में हो रहा व्यवहार, उनकी रोजमर्रा की गतिविधियों का दायरा, संगति, सोशल मीडिया या टीवी से लेकर सिनेमा तक उसकी सोच-समझ को प्रभावित करने वाले अन्य कारकों से तैयार होने वाली उनकी मन:स्थितियों के बारे में सरकार, समाजकर्मी एवं अधिभावक क्या समाधान खोज रहे हैं। बच्चों के व्यवहार और उनके भीतर घर करती प्रवृत्तियों पर मनोवैज्ञानिक पहलू से विचार किए बिना

देश दुनिया से

स्वार्थसिद्धि के हिसाब से कार्रवाई करते हैं दल

राजनीतिक

दल सत्ता की सुविधा के हिसाब से सारी कार्रवाई तय करते हैं। कहने को कानून की पालना और समानता की दलील देने वाले नेता मौका पड़ने पर स्पष्ट भेदभाव बरतने में कसर बाकी नहीं रखते। विपक्ष बेशक किन्ता ही शोर-शराबा क्यों न मचाए, सत्ताधारी दलों को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। बेशक फर्क बिल्कुल पानी की तरह साफ हो, पूरा देश उनकी सच्चाई को जानता हो, यहां तक कि देश की शीर्ष अदालत भी कह दे, तब भी राजनीतिक दल बेशर्मी की चादर ओढ़े रहते हैं। इसे मौजूदा तीन गजलंत उदाहरणों से समझा जा सकता है कि राजनीतिक दल न्हित स्वार्थों के चलते एक जैसे सामने नहीं हैं। बिहार और राजस्थान के बीच व्यापक दूरियां हैं। बीकानेर के एयरबेस से कुछ ही दूरी पर, सीमापार, पाकिस्तान का रहींम यार एयरबेस है, जो ध्वस्त होने के बाद आईसीयू में पड़ा है। न जाने अब वह कब खुलेगा। प्रधानमंत्री ने देश को बताया है कि सिंदूर उजाड़ने का बदला लिया जा चुका है, प्रण पूरा किया गया है। प्रधानमंत्री ने यह भी स्पष्ट किया है कि यदि अब कोई आतंकी हमला भारत पर किया जाएगा, तो उसका करारा जवाब दिया जाएगा। हम आतंक और उसके सरपरान्तों को अलग-अलग नहीं समझेगे, लिहाजा करारा जवाब पाकिस्तान, उसकी फौज और अर्थव्यवस्था को भी झेलना पड़ेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने पाकिस्तान को यहां तक चेतावनी दी है कि उसे पाड़-वाई को मोहताज कर दिया जाएगा। विडंबना यह है कि प्रमुख विश्वी पार्टी कांग्रेस प्रधानमंत्री के संबोधन और सरोकारों को 'फिल्मी ड्रॉयलॉग' करार दे रही है। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा है कि प्रधानमंत्री खोखले भाषण देना बंद करें। कैमरे के सामने ही आपका लहू गर्म क्यों होने लगता है? कांग्रेस लगातार सवाल दाग रही है कि जब हालिया संसर्ष में भारत ने पाकिस्तान का बहुत कुछ तबाह कर दिया था, तो अचानक युद्धविषम क्यों किया गया? अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप के दबाव में युद्धविषम क्यों किया गया? आखिर हम पीओके तक पहुंच कर उसे वापस लेने में नाकाम क्यों रहे? ऐसे कई सवाल हैं, जिनके जवाब विदेश मंत्रालय और हमारे डीजीएमओ दे चुके हैं। दरअसल आज के संदर्भ में 1971 का भारत-पाक युद्ध और तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी भी प्रासंगिक है। 1972 में 'शिमला समझौते' के बाद तत्कालीन सैन्य फील्ड मार्शल जनरल सैम मॉनकशॉ ने इंदिरा गांधी के सामने तो टिप्पणी की थी, हम उसे लिख नहीं सकते।

दृष्टि

कोण

हिमाचल प्रदेश के जिला लाहुल-स्पीति का पश्चिमी भाग है। जिला को कुंजुम दर्रा दो भागों में बांटता है। पूर्वी ओर स्पीति क्षेत्र पड़ता है जिसका पनादल सतलुज की ओर है, जबकि लाहुल का पनादल उसकी विपरीत दिशा में जम्मू कश्मीर की ओर है। चंद्रभागा इस घाटी के जलागम की निकास प्रणाली है। चंद्रभागा का उद्गम बड़ा शिन्गी हिमनद से होता है, जहां इसे चंद्रा नदी ही कहते हैं। नीचे तांदी में जब चंद्रा नदी के साथ भागा नदी का सम्मिलन हो जाता है, तो इसका नाम चंद्रभागा हो जाता है। और जम्मू कश्मीर में प्रवेश करने पर इसे चिनाव कहा जाता है। लाहुल से पश्चिम की ओर चंद्रभागा के निचले हिस्से में जिला चंबा का पांगी क्षेत्र पड़ता है। 1966 में राज्य पुनर्गठन से पहले लाहुल घाटी की उदयपुर तक की पंचायत जिला चंबा का हिस्सा होती थीं, क्योंकि ये अंग्रेजी शासन काल में चंबा स्टेट का हिस्सा थीं। जब हिमाचल का गठन हुआ तो चंबा स्टेट पूरी की पूरी हिमाचल में मिल गई, किन्तु बाकी का लाहुल पंजाब का हिस्सा रहा। तब उदयपुर के नीचे के लाहुल को छोटा लाहुल या चंबा-लाहुल कहा जाता था और बाकी के लाहुल को ब्रिटिश लाहुल या बड़ा लाहुल कहा जाता था। लाहुल की भूगर्भीय स्थिति बड़ी ही नाजुक है। यह ट्रांस हिमालय में गिना जा सकता है। इसकी ढलानें बहुत ही कच्ची हैं और थोड़ी भी बारिश में बरज जाने वाली हैं। वैसे तो इस भौगोलिक परिस्थिति में बारिश बहुत ही कम होती है। वर्ष भर में केवल 6.7 इंच बारिश होती है, वह भी ज्यादातर बर्फ के रूप में। यहां का जलवायु शीत मरुस्थलीय है, किन्तु मिट्टी बहुत उपजाऊ है और विशेषकर बेमौसमी उपज सब्जी, आलू और मटर आदि के लिए बहुत उपयोगी है। यहां का आलू पूरे देश में प्रसिद्ध है और बंगाल तक बाँज का आलू यहां से निर्यात होता है। पिछले कुछ वर्षों से मटर की खेती काफी बढ़ी है और यहां की गोभी भी अब अपनी पहचान बना चुकी है। जलवायु परिवर्तन के दौर में तापमान में वृद्धि के चलते यहां भी अब सब की बागबानी होने लगी है, जबकि पहले यहां का जलवायु सब के लिए ज्यादा ठंडा था। यह क्षेत्र भूकम्पीय दृष्टि से जोन 5 में पड़ता है, जो अति संवेदनशील

सम्पादकीय



समस्या को कैसे दूर किया जा सकेगा ?

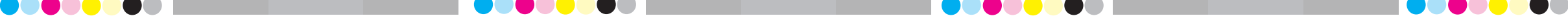
बहरहाल, इस हृदयविदारक एवं त्रासद घटना ने नयी बन रही समाज एवं परिवार व्यवस्था पर अनेक सवाल खड़े किये हैं। सवाल नये बन रहे समाज की नैतिकता एवं चरित्र से भी जुड़े हैं। निश्चित ही किसी परिवार की उम्मीदों का यूं कल्ल होना मर्मांतक एवं खोफनाक ही है। लेकिन सवाल ये है कि चौदह-पंद्रह साल के किशोरों पर यूं किन्हीं लड़कियों को छेड़ने के आरोप क्यों लग रहे हैं? पढ़ने-लिखने की उम्र में ये सोच कहां से आ रही है? क्यों हमारे अधिभावक बच्चों को ऐसे संस्कार नहीं दे पा रहे हैं ताकि वे किसी की बेटी व बहन को यूं परेशान न करें? क्यों लड़कियों से छेड़छाड़ की अश्लील एवं कामुक घटनाएं बढ़ रही है। क्या हमारी शिक्षा व्यवस्था में नैतिक शिक्षा का वह पक्ष उपेक्षित हो चला है, जो उन्हें ऐसा करने से रोकता है? क्या शिक्षक छात्रों को सदाचारी व नैतिक मूल्यों का जीवन जीने की प्रेरणा देने में विफल हो रहे हैं? हत्या की घटना हत्यारों की मानसिकता पर भी सवाल उठाती है कि उन्होंने क्यों सोच लिया कि छेड़खानी का बदला हिंसा एवं क्रूरता से गला काटना हो सकता है? धनौरी की घटना के पूरे मामले की पुलिस अपने तरीके से जांच करेगी, लेकिन किशोर अवस्था में ऐसी घटना को अंजाम देने के पीछे बच्चे की मानसिकता का पता लगाना भी ज्यादा जरूरी है। दरअसल, दशकों तक बॉलीवुड की हिंदी फिल्मों ने समाज एवं विशेषतः किशोर पीढ़ी में जिस अपसंस्कृति का प्रसार किया, आज हमारा समाज उसकी त्रासदी का खतरा ज्यादा रहता है। अब तक हिन्दी सिनेमा से समाज के किशोरवय और युवाओं में गलत संदेश गया कि निजी जीवन में छेड़खानी ही प्रेम कहानी में तब्दिल हो सकती है। हमारे टीवी धारावाहिकों की संवेदनहीनता ने गुमराह किया है। बॉक्स ऑफिस की सफलता और टीआरपी के खेल ने मनोरंजक कार्यक्रमों में ऐसी नकारात्मकता एवं हिंसक प्रवृत्ति भर दी कि किशोरों में हिंसक एवं अराजक सोच पैदा हुई। इंटरनेट के विस्तार और सोशल मीडिया के प्रसार से स्वच्छंद यौन व्यवहार का ऐसा अराजक एवं अनियंत्रित रूप सामने आया कि जिसने किशोरों व युवकों को पथभ्रष्ट एवं दिग्भ्रमित करना शुरू कर

खामोश, नेता जी ट्विटर पर हैं...

नेताजी

टवीट कर रहे हैं। वह ट्विटर पर हैं। अभी उन्हें पब्लिक के बीच में आने की फुर्सत नहीं है। मीडिया के बीच में आने के लिए उन्होंने अभी तक समय नहीं निकाला है। महंगाई और भ्रष्टाचार को लेकर उन्होंने अभी मंथन नहीं किया है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि नेताजी कुछ नहीं कर रहे और निटल्ले बैठे हैं। नेताजी ट्विटर पर हैं। टवीट कर रहे हैं। फेसबुक पर हैं अपनी गतिविधियां बनाते रहते हैं। जनता को संबोधित करते रहते हैं। संदेश देते रहते हैं। पब्लिक उनसे मिलने के लिए बेचैन रहती है। फाइलों के ढेर उनकी टैबल पर लग जाते हैं। नेताजी के पास पब्लिक की समस्याएं सुनने की फुर्सत नहीं है। नेताजी सिर्फ अपनी बात कहते हैं- वह भी ट्विटर पर आकर, फेसबुक पर आकर, टीवी पर आकर। नेताजी इसी तरह आते रहते हैं, उपदेश देते रहते हैं, गरजते रहते हैं। विरोधियों को ललकारते रहते हैं, फटकारते रहते हैं। किसी न किसी के सिर पर दोष मढ़ते रहते हैं। उन्हें लगता है कि जो कुछ गलत आज तक होता आया है वो विरोधियों ने किया है और जो भी ठीक हो रहा है, उसका श्रेय केवल उन्हें ही मिलना चाहिए। नेताजी देश-विदेश जाते रहते हैं। घूमते फिरते रहते हैं। घुमंतू नेता हैं। विमान में यात्राएं करते हैं। ट्विटर, क्वाट्सएप्प और फेसबुक पर यात्राएं करते हैं। यात्राओं के बीच ही चिंतन और मनन करते हैं। कभी गंभीर हो जाते हैं, कभी आक्रामक हो जाते हैं। उनके समर्थक उनकी इस अदा पर बलिहारी हैं। समर्थकों को लगता है कि कलियुग में वह भगवान का अवतार लेकर आए हैं, सुधार करके जाएंगे। समर्थक उनकी महानता के किस्से आपस में शेयर करते रहते हैं, और नेताजी अपने विचार ट्विटर पर शेयर करते रहते हैं। देश चल रहा है। ट्विटर चल रहा है। नेताजी का संदेश चल रहा है। पब्लिक टुकुर-टुकुर देख रही है, आने वाले अच्छे दिनों की उम्मीद में। नेताजी जनता की उम्मीद के नायक हैं। नेताजी जब टीआरपी सेल है, तो खबरें बनती हैं। हर लाइक और रीटवीट को वह जनादेश समझते हैं। नेताजी प्रेस कॉन्फ्रेंस नहीं करते, क्योंकि सवालों से खरसा होता है। वे कैमरे में देखते हैं, लेकिन जनता की आंखों में नहीं। कभी-कभी उनकी भाषा में कवित्व झलकता है- 'सब चंगा सी, सब चंगा होवेगा।' नेताजी के पीछे पूरा आईटी सेल है, जो ट्रेंड बनाता है, ट्रेंड मिटाता है। पार्टी मीटिंग अब ज़ूम पर होती है और आंदोलन ईवेंट मैनेजमेंट से। जनता की समस्याओं पर फुर्सत नहीं, क्योंकि कैमरा एंगल सेट करना भी एक काम है। नेताजी के हर दौर में प्लाइट से ज्यादा फोटो शूट जरूरी होता है। हर नारे में उनका नाम होता है, और हर योजना में उनका चेहरा।

बात कही है। इनमें से बहुत सी झीलें हिमनद पिघलने की गति तेज होने के कारण आकार में बढ़ती जा रही हैं, जो कभी भी फूट कर निचले क्षेत्रों में भारी बाढ़ का कारण बन सकती हैं। लाहुल के घेपन घाट हिमनद से बनी झील विशेषकर खतरनाक माना जा रही है। एक अमरीकी अध्ययन संस्थान ने बताया है कि यह झील जो 14000 फुट की ऊंचाई पर स्थित है, पिछले वर्षों में आकार में बहुत बड़ी हो गई है। 1989 में यह 36.49 हेक्टेयर में फैली थी और अब 2023 में इसका आकार बढ़ कर 101.30 हेक्टेयर हो गया है। बड़ा शिन्गी हिमनद में भी ऐसी कई झीलें हैं जो आने वाले समय में खतरनाक सिद्ध हो सकती हैं। बड़ा शिन्गी हिमनद गंगोत्री हिमनद के बाद हिमालय का दूसरा सबसे बड़ा हिमनद है। इस संवेदनशील क्षेत्र में कई जल विद्युत परियोजनाएं प्रस्तावित हैं। यह घाटी आज तक जलविद्युत के लिए दोहन से बची हुई थी, किन्तु अब इसी पर दृष्टि गड़ चुकी है। हाल ही में हिमाचल ने तेलंगाना से दो परियोजनाओं के लिए निर्माण समझौते किए हैं। कुछ निर्माणाधीन हैं। यानी लाहुल से पांगी घाटी तक परियोजनाओं का जाल बिछाने वाला है।





गाजा में इजराइली हमलों में एक डॉक्टर के 9 बच्चों की मौत, 24 घंटे में 79 लोगों के शव अस्पताल पहुंचे

काहिरा, 25 मई (एजेंसियां)।

गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि इजराइल के हालिया हवाई हमलों में पिछले 24 घंटों के भीतर कम से कम 79 लोगों के शव अस्पतालों में लाए गए हैं। मंत्रालय का कहना है कि यह आंकड़ा उतरी गाजा के उन अस्पतालों को शामिल नहीं करता, जो अब पूरी तरह पहुंच से बाहर हो चुके हैं।

इन मृतकों में सबसे दर्दनाक घटना दक्षिणी शहर खान युनुस में सामने आई, जहां नासिर अस्पताल में कार्यरत बाल रोग विशेषज्ञ डॉक्टर अलाअ नज्जार के 10 में से 9 बच्चों की मौत हो गई।

अस्पताल के बाल रोग विभाग के प्रमुख डॉक्टर अहमद अल-फर्रा ने बताया कि हमले के वक्त डॉक्टर नज्जार अस्पताल में इयूटी पर थीं और सूचना मिलते ही घर दौड़ीं, जहां उन्होंने अपने घर को आग की लपटों में घिरा पाया।

डॉक्टर नज्जार के पति गंभीर रूप से

घायल हैं, जबकि उनका इकलौता जीवित बच्चा (11 वर्षीय बेटा) गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती है। मृत बच्चों की उम्र सात महीने से लेकर 12 वर्ष के बीच बताई गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रवक्ता खलील अल-दुक़ान ने बताया कि दो बच्चों के शव अब भी मलबे के नीचे दबे हुए हैं।

इजराइली सेना ने इस हमले के संबंध में बयान जारी कर कहा कि उन्होंने अपने सैनिकों के पास स्थित एक इमारत से सक्रिय सड़कियों को निशाना बनाया। सेना ने खान युनुस क्षेत्र को खतरनाक युद्ध क्षेत्र करार देते हुए दावा

किया कि उन्होंने नागरिकों को पहले ही हवाई से निकालने की प्रक्रिया शुरू कर दी थी। उन्होंने कहा कि निर्दोष नागरिकों के हताहत होने के दावे की समीक्षा की जा रही है।

शनिवार को जारी एक अन्य बयान में इजराइली वायुसेना ने दावा किया कि पिछले 24 घंटों में गाजा में 100 से अधिक ठिकानों को निशाना बनाया गया।

गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, 07 अक्टूबर 2023 को हमला के नेतृत्व में इजराइल पर हमले के बाद शुरू हुए इस युद्ध में अब तक 53,901 लोग मारे जा चुके हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

भारत से मात खाए पाकिस्तान के प्रधानमंत्री रविवार से चार देशों की यात्रा पर



इस्लामाबाद। आपरेशन सिंदूर में बुरी तरह से मात खाने के बाद पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, रविवार से चार देशों की यात्रा पर जाएंगे। वह उन देशों के सामने भारत द्वारा आपरेशन सिंदूर के तहत किए गए हमलों का ब्योरा देंगे, साथ ही पाकिस्तान का भी पक्ष रखेंगे। आपरेशन सिंदूर में भारी तबाही झेलने के बाद पाकिस्तान काफी बेचैन है। उधर भारत ने तमाम देशों में अपने उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भेज कर पाकिस्तान की करतूतों का खुलासा कर रहा है। इसके जवाब में पहले तो पाकिस्तान ने भी अपने प्रतिनिधिमंडल विदेश भेजने का फैसला लया था। अब पाकिस्तान के प्रधानमंत्री भी चार देशों की यात्रा पर जा रहे हैं। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि शहबाज शरीफ रविवार को चार देशों की यात्रा पर रवाना होंगे। वह तुर्किये, ईरान, अजरबैजान और ताजिकिस्तान का दौरा करेंगे। शहबाज शरीफ वहां पर भारत द्वारा पाकिस्तान पर किए गए हमले समेत तमाम मुद्दों पर अपना पक्ष रखेंगे। इसके साथ ही वह 29-30 मई को ताजिकिस्तान की राजधानी दुशान्बे में ग्लेशियर्स पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भी भाग लेंगे।

आपरेशन सिंदूर से भयभीत पाकिस्तान बढ़ाएगा अपना रक्षा बजट



इस्लामाबाद। आपरेशन सिंदूर के दौरान भारत के हमलों से भयभीत पाकिस्तान अब अपने रक्षा बजट में बढ़ोतरी करेगा। पाकिस्तान के योजना मंत्री अहसन इकबाल ने कहा कि पाकिस्तान की रक्षा के लिए रक्षा बजट में बढ़ोतरी जरूरी है। योजना मंत्री इकबाल ने कहा है कि यह हमारा राष्ट्रीय कर्तव्य है कि वित्त वर्ष 2025-26 के आम बजट में रक्षा बजट में भारी बढ़ोतरी की जाए। इससे सेना जरूरी साजो-सामान खरीद सके, जिनकी उन्हें जरूरत है। भारत का बिना नाम लिए उन्होंने शनिवार को इस्लामाबाद में कहा कि हमारा पड़ोसी काफी खतरनाक है, जिसने रात के अंधेरे में पाकिस्तान पर हमला किया। हमें तैयार रहना होगा कि यदि दोबारा हमला हुआ तो उसका माकूल जवाब दिया जा सके। पाकिस्तान का बजट दस जुन को पेश किया जा सकता है। गौरतलब है कि बीते दिनों आपरेशन सिंदूर के दौरान भारत ने पाकिस्तान पर हवाई हमले करके उसके तमाम आतंकी लांच पैड तबाह कर दिए, वहीं 11 एयरबेस को भी काफी नुकसान पहुंचाया गया था।

राजतंत्र की समाप्ति के 19 साल बाद ज्ञानेन्द्र शाह ने किया राजदरबार में प्रवेश

काठमांडू। नेपाल में राजतंत्र के खाले के बाद शनिवार को पहली बार पूर्व राजपरिवार के सदस्यों ने राजदरबार में प्रवेश किया। पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र शाह अपने परिवार के साथ 19 साल बाद राजदरबार पहुंचे। उन्होंने महल में परिवार के साथ पूजा अर्चना भी की।



जिस राजमहल में रहकर पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र शाह ने वर्षों तक देश पर शासन किया, उस नारायणहिटी राजदरबार में 19 सालों के बाद अपनी पत्नी कोमल शाह, अपने पोते हृदयेन्द्र शाह और अन्य सदस्यों के साथ प्रवेश किया। उन्होंने अपने परिवार के साथ राजदरबार के भीतर बने चतुर्विध नारायण मंदिर में जाकर विधिवत पूजा की। इस अवसर पर राजपुरोहित ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधिपूर्वक पूजा कराई। इस दौरान पूर्व राज परिवार के सदस्य राजदरबार के मुख्य भवन तक नहीं गए, जहां रह कर वह अपना शासन चलाया करते थे। हालांकि राजदरबार परिसर में रह रही अपनी मां रत्न राज्य लक्ष्मी देवी शाह से ज्ञानेन्द्र शाह ने मुलाकात की। इस मौके पर मौजूद डा. जगमान गुरुंग ने बताया कि 29 मई से शुरू हो रहे राजसंस्था समर्थकों के आंदोलन का मुख्य उद्देश्य ही पूर्व राजा को राजदरबार के स्थापित करना है। उससे पहले पूर्व राजपरिवार के सदस्यों का राजदरबार में जाना एक शुभ संकेत है।

ट्रम्प ने न्यूक्लियर एनर्जी का प्रोडक्शन बढ़ाने का दिया आदेश

अगले 25 साल में 300 प्रतिशत तक बढ़ाने का लक्ष्य, बंद प्लांट्स फिर शुरू किए जाएंगे

वॉशिंगटन, 25 मई (एजेंसियां)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने देश में न्यूक्लियर एनर्जी (परमाणु ऊर्जा) का प्रोडक्शन बढ़ाने के लिए आदेश दिए हैं। उन्होंने इसे अगले 25 साल में 300 प्रतिशत तक बढ़ाने का लक्ष्य रखा है। ट्रम्प ने व्हाइट हाउस के ओवल ऑफिस में इससे जुड़े आदेश पर साइन किए। इस दौरान उन्होंने कहा कि अब वक्त न्यूक्लियर एनर्जी का है और हम इसका प्रोडक्शन बढ़े पैमाने पर करने जा रहे हैं। ट्रम्प ने कुल चार आदेशों पर साइन किए। इनमें परमाणु रिएक्टरों की मंजूरी की प्रक्रिया को तेज करना, न्यूक्लियर रेगुलेटरी कमीशन में सुधार करना, 4 जुलाई 2026 तक तीन रिएक्टर चालू करना और इस तकनीक के औद्योगिक आधार में निवेश को बढ़ाना शामिल है।

बंद पड़े प्लांट्स दोबारा शुरू किए जाएंगे - ट्रम्प ने अपने आदेश में ऊर्जा और रक्षा विभाग को बंद पड़े न्यूक्लियर प्लांट्स को दोबारा शुरू करने के लिए कहा है। साथ ही संघीय सरकार की जमीन पर नए रिएक्टर बनाने की संभावनाएं तलाशने के लिए कहा है। इनमें अमेरिका के सैन्य ठिकाने भी शामिल होंगे। अमेरिकी बिजली की खपत के मामले में चीन के बाद दूसरे स्थान पर है। 2023 में अमेरिका में कुल 4200 टेर्रावॉट-ऑवर बिजली की खपत की। वर्तमान में अमेरिका की कुल बिजली का 19 प्रतिशत हिस्सा परमाणु ऊर्जा से आता है। यह 2023 में 775 टेर्रावॉट-ऑवर था। अगर ट्रम्प का प्लान सफल होता है तो देश की एक तिहाई बिजली परमाणु ऊर्जा से पैदा होगी। अमेरिका में कुल सक्रिय न्यूक्लियर पावर प्लांट हैं, जिनमें 94 रिएक्टर काम कर रहे हैं। इनमें सबसे ज्यादा रिएक्टर इलिनॉय राज्य में हैं। इनकी संख्या 11 है। पिछले कुछ सालों में प्राकृतिक गैस और रिन्यूएबल एनर्जी जैसे सस्ते विकल्प के चलते कुछ रिएक्टर को बंद किया गया है।

परमाणु नियामक आयोग को कमजोर का आरोप - ट्रम्प पर परमाणु नियामक आयोग की कमजोर करने का आरोप लग रहा है। अपने आदेश में ट्रम्प ने



परमाणु विकिरण के कारण पाकिस्तानी मंत्री फवाद चौधरी बीमार

कराची। भारत के ऑपरेशन सिंदूर के बाद, पूर्व पाकिस्तानी मंत्री फवाद चौधरी का वीडियो खूब शेयर किया जा रहा था, जिसमें दावा किया गया था कि परमाणु विकिरण के कारण चौधरी बीमार पड़ गए और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस दावे की जांच की और पाया कि यह दावा झूठा था लेकिन ये खबर काफी ज्यादा फैल गई थी कि पाकिस्तान के परमाणु हथियार भारत द्वारा किए गये हमले में नष्ट हो गए हैं। अब पाकिस्तान ने भी इस पर अपनी सफाई दी है। पाकिस्तान ने कहा कि उसकी कमान और नियंत्रण संरचना मजबूत है। विदेश कार्यालय ने कहा कि देश अपनी ‘‘परमाणु संरचना की सुरक्षा’’ को लेकर पूरी तरह से आश्वस्त है। पाकिस्तान के परमाणु हथियारों के बारे में विदेश कार्यालय ने कहा, ‘‘पाकिस्तान अपने परमाणु हथियारों की सुरक्षा और अपने कमान तथा नियंत्रण दावे की मजबूती को लेकर पूरी तरह आश्वस्त है। विदेश कार्यालय ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय को भारत के परमाणु शस्त्रागार के बारे में अधिक चिंतित होना चाहिए और आरोप लगाया कि ‘‘भारत के राजनीतिक परिदृश्य, मीडिया और उसके समाज के कुछ हिस्सों में बढ़ती कदरता, वैध परमाणु सुरक्षा चिंताओं को जन्म देती है।



परमाणु नियामक आयोग की भूमिका को सीमित करते हुए ऊर्जा सचिव को नई परियोजनाओं को मंजूरी देने का अधिकार दिया है। बराक ओबामा के समय परमाणु नियामक आयोग प्रमुख ग्रेगोरी जैजको ने कहा कि यह

ऐसा लगता है जैसे किसी ने एआई से पूछा हो कि अमेरिका की परमाणु नीति को कैसे बर्बाद करें। परमाणु नियामक आयोग की सख्त निगरानी को कमजोर करने से दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ सकता है।

बगीचे में अचानक घुसा 135 मीटर लंबा कंटेनर जहाज



नॉर्वे का एक व्यक्ति उस समय बाल-बाल बच गया जब अचानक एक कंटेनर जहाज दीवार तोड़ता हुआ उसके बगीचे में आ गया जबकि वह कुछ ही मीटर की दूरी पर अपने बेडरूम में सो रहा था। यह घटना ट्रॉनहेम शहर के पास बायनेसेट में उस समय घटी जब जोहान हेलबर्ग सो रहे थे। उनके बगीचे में अचानक 135 मीटर लंबा, साइडर के झंडे वाला मालवाहक जहाज ‘एनसीएल साल्टेन’ घुस गया। रिपोर्ट के मुताबिक, कंटेनर जहाज पर 16 लोग सवार थे और यह ट्रॉनहेम फर्जोर्ड से होते हुए दक्षिण-पश्चिम में ओरकांगर की ओर जा रहा था, तभी यह रास्ता भटक गया। नॉर्वे पुलिस घटना के कारणों की जांच कर रही है। घटना में किसी के भी हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। हेलबर्ग के पड़ोसी जोस्टीन जॉर्गेनसन ने कहा कि वह जहाज की आवाज से जग गए थे, क्योंकि यह पूरी गति से हेलबर्ग के घर और जमीन की ओर बढ़ रहा था।

जापान में भारत ने आतंकवाद पर रखी अपनी बात

टोक्यो, 25 मई (एजेंसियां)।

जेडीयू सांसद संजय झा के नेतृत्व में भारतीय सांसदों का एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल जापान की राजधानी टोक्यो में भारतीय दूतावास (इंडिया हाउस) में जापान के राजनीतिक, सरकारी और शैक्षणिक क्षेत्र के लोगों से मुलाकात की। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने भारत की सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ ‘जीरो टॉलरेंस’ (शून्य सहिष्णुता) नीति की जानकारी दी और ऑपरेशन सिंदूर के महत्व को उजागर किया। यह दौरा भारत के वैश्विक कूटनीतिक अभियान का हिस्सा है, जिसमें पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद के खिलाफ भारत का रुख अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सामने लाया जा रहा है।

इस प्रतिनिधिमंडल में बीजेपी सांसद अपराजिता सारंगी और बृज लाल, तृणमूल कांग्रेस के अभिषेक बनर्जी, सीपीआई (एम) के राज्यसभा सांसद जॉन बरिट्टास और वरिष्ठ कांग्रेस नेता सलमान खुशींद शामिल थे। ये सभी सांसद



ऑपरेशन सिंदूर को भारत की ‘नई सामान्य’ नीति का प्रतीक बता रहे हैं, जिसमें भारत किसी भी आतंकवादी हमले का दृढ़ और तीव्र जवाब देने की नीति पर चल रहा है।

टोक्यो में प्रेस वार्ता के दौरान सांसदों ने जापानी मीडिया को बताया कि भारत आतंकवाद के किसी भी रूप को बर्दाश्त नहीं करता और सभी दल राष्ट्रीय हित के मामलों में एकजुट हैं। इंडिया हाउस में आयोजित रात्रिभोज के दौरान भारत के राजदूत सिबी जॉर्ज और जापान के राजनीतिक प्रतिनिधियों के साथ भी चर्चा हुई, जिसमें भारत के एकीकृत और स्पष्ट रुख को सामने रखा गया।

भारतीय सांसदों ने जापान-भारत संसदीय मैत्री लीग के प्रतिनिधियों से भी मुलाकात की। इस बैठक में लीग के अध्यक्ष यासुतोशी निशिमुरा ने भारत के संकल्प को समर्थन दिया और आतंकवाद के खिलाफ दोनों देशों के साझा नजरिए को दोहराया। प्रतिनिधिमंडल ने जापान की प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष फुकुशिरो नुकागा से भी भेंट की, जिन्होंने भारत के साथ एकजुटता जताया। इस दौरान के जरिए भारत ने यह स्पष्ट किया कि वह सीमापार आतंकवाद के खिलाफ किसी भी तरह की नरमी नहीं बरतता और वैश्विक समुदाय से भी इसी तरह की एकजुटता की अपेक्षा करता है।

ट्रंप की एप्पल सहित कई टेक कंपनियों को धमकी, उत्पादन अमेरिका में करे वरना

वॉशिंगटन, 25 मई (एजेंसियां)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फिर ट्रेड वॉर की अटकलों को हवा दी है। उन्होंने एक जून से यूरोपीय संघ से सभी आयात पर 50 प्रतिशत टैरिफ और अमेरिका में ना बनने वाले सभी स्मार्टफोन पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने का ऐलान किया है। जिसमें एप्पल का आईफोन भी शामिल है। उनके बयान ने वैश्विक बाजारों में हड़कंप मचा दिया है। अपने बयान में ट्रंप ने ईयू पर निशाना साधा और कहा, व्यापार वार्ताएं ठप हो गई हैं। उनके साथ हमारी चर्चाएं किसी नतीजे पर नहीं पहुंच रही हैं।

ट्रंप ने एप्पल को चेतावनी भी दी कि आईफोन का उत्पादन घरेलू स्तर पर ही करना होगा। वरना एप्पल को नए टैरिफ का सामना करना पड़ेगा। ट्रंप ने कहा कि



उन्होंने एप्पल के सीईओ टिम कुक को बहुत पहले बता दिया था कि उत्पादन अमेरिका में ही होना चाहिए। उन्होंने कहा कि वे भारत में प्लांट बनाने के लिए जा रहे

हैं। मैंने कहा कि भारत जाना ठीक है, लेकिन आप टैरिफ के बिना फोन नहीं बेच सकते हैं। अगर वे आईफोन को अमेरिका बेचने जा रहे हैं, तब मैं चाहता हूं

जर्मनी में हैम्बर्ग शहर में चाकू से किया गया हमला, कई लोग घायल

हैम्बर्ग। जर्मनी में हैम्बर्ग शहर के मुख्य रेलवे स्टेशन पर चाकू से किए गए हमले में कई लोग घायल हुए, जिसमें से कुछ की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने संदिग्ध हमलावर की गिरफ्तारी की पुष्टि की है। कुछ वीडियो में हमले के सिलसिले में पुलिस द्वारा एक महिला को हिरासत में लेते हुए दिखाया गया है। पुलिस ने बताया कि व्यक्ति ने कथित तौर पर प्लेटफॉर्म पर ट्रेक 13 और 14 के बीच लोगों को चाकू से निशाना बनाया। इस हमले में तीन पीछतों की हालत गंभीर है, तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हैं, और छह को मामूली चोटें आई हैं। अधिकारियों ने बताया कि हमले का अभी तक मकसद का पता नहीं लगाया है। हैम्बर्ग पुलिस ने कहा कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, एक व्यक्ति ने मुख्य ट्रेन स्टेशन पर चाकू से कई लोगों को घायल कर दिया। पुलिस ने बताया कि 39 वर्षीय महिला को गिरफ्तार किया गया है और माना जा रहा है कि उसने घटना को अंजाम दिया है। हालांकि, हमले के पीछे के मकसद की तत्काल जानकारी नहीं मिल पाई है। जर्मनी में हाल के महीनों में कई हिंसक घटनाएं हुई हैं, जिसमें चाकू घोंपने की घटनाएं भी शामिल हैं। बिर्लेफेल्ड के एक बार में चाकू घोंपने की घटना में चार लोग घायल हो गए।



कि इसे अमेरिका में ही बनाया जाए। विश्लेषकों का कहना है कि अमेरिका में आईफोन बनाने से कीमतों में सैकड़ों से हजारों डॉलर की बढ़ोतरी होगी। बाद

में ट्रंप ने स्पष्ट किया कि स्मार्टफोन टैरिफ मोटे तौर पर एप्पल, सैमसंग और किसी भी विदेशी फोन पर लगाए जाएंगे जो जून के अंत तक लगाए जा सकते हैं। पिछले

साल यूरोपीय संघ ने अमेरिका को 500 बिलियन डॉलर का सामान निर्यात किया, इसमें जर्मनी, आयरलैंड और इटली सबसे आगे रहे।



प्लेऑफ से पहले आरसीबी में जोश हेजलवुड की हुई वापसी

नई दिल्ली, 25 मई (एजेंसियां) । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 अब अपने अंतिम पड़ाव पर है। सिर्फ कुछ लीग मुकाबले बाकी हैं, उसके बाद प्लेऑफ मुकाबले होंगे और फिर 3 जून को फाइनल खेला जाएगा। इस बीच रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खेमे में खुशी की लहर दौड़ गई है।

टीम के प्रमुख तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड टीम से जुड़ गए हैं। आरसीबी को अपना आखिरी लीग मैच लखनऊ सुपरजॉयंट्स के खिलाफ मंगलवार अर्थात 27 मई को खेलना है। इसके बाद प्लेऑफ मुकाबले शुरू हो जाएंगे। ऐसे में आरसीबी के लिए यह बड़ी खुशखबरी है कि उनकी टीम का प्रमुख तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड वापस आ गए हैं। फ्रैंचाइजी ने ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी के आगमन की पुष्टि करते हुए सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट किया, वो आ गया। स्वागत है जोश रेंजिनाल्ड हेजलवुड!

दरअसल, जोश हेजलवुड ने आईपीएल 2025 में अपना आखिरी मैच 27 अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ खेला था। इसके बाद तीन मई को वह कंधे की चोट के चलते चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ मुकाबले में नहीं खेल पाए थे। फिर भारत-पाकिस्तान तनाव के चलते 9 मई को आईपीएल एक हफ्ते के लिए सस्पेंड हो गया था। तब हेजलवुड अपने घर लौट गए थे। बाद में 17 मई को फिर से सीजन की शुरुआत हुई। ऐसे में अब हेजलवुड एक बार फिर अपनी टीम के साथ जुड़ गए हैं। हेजलवुड

के आने से टीम को मजबूती मिलेगी। 34 साल के जोश हेजलवुड ने अब तक आईपीएल 2025 में कुल 10 मुकाबले खेले हैं, जिसमें उन्होंने 8.44 को इकानमी से गेंदबाजी करते हुए 18 विकेट झटक के हैं। हेजलवुड अगले महीने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 11 जून से लॉर्ड्स में खेले जाने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम का हिस्सा हैं। इस सब के बावजूद जोश हेजलवुड आरसीबी के साथ जुड़े हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

श्रीकांत मलयेथिया मास्टर्स बैडमिंटन के फाइनल में हारे



कलालपुर। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी के श्रीकांत को यहां हुए मलयेथियाई मास्टर्स सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के फाइनल में हार का सामना करना पड़ा है। विश्व के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी श्रीकांत को आधे घंटे से अधिक समय तक चले पुरुष एकल खिताबी मुकाबले में चीन के ली शी फेंग ने सीधे गेम में 11-21, 9-21 से हरा दिया। इससे श्रीकांत के पास आया खिताब जीतने का अवसर निकल गया। श्रीकांत ने मलयेथिया मास्टर्स में अच्छा प्रदर्शन करते हुए छह साल में पहली बार किसी बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर के फाइनल में प्रवेश किया था। इस भारतीय खिलाड़ी ने क्वालिफायर से लेकर फाइनल तक अच्छा प्रदर्शन किया था पर फाइनल में वह चीनी खिलाड़ी के सामने टिक नहीं पाये। श्रीकांत ने इससे पहले सेमीफाइनल में विश्व के 23वें नंबर के खिलाड़ी टानाका को 21-18, 24-22 से हराया था। वहीं क्वार्टर फाइनल में उन्होंने अपने से ऊंची रैंकिंग के फ्रांस के टोमा जुनियर पोपोव के खिलाफ जीत हासिल की थी। इसके अलावा क्वार्टर फाइनल में पोपोव को 24-22, 17-21, 22-20 से पराजित किया जबकि पी-क्वार्टर फाइनल में ग्युयेन को 23-21, 21-17 से हराया था।

इंग्लैंड ने जिम्बाब्वे को एक पारी और 45 रनों से हराया



नॉटिंगहम। स्पिनर शोएब बशीर की शानदार गेंदबाजी से इंग्लैंड ने यहां जिम्बाब्वे के खिलाफ हुए चार दिवसीय मैच को एक पारी और 45 रनों से जीत लिया। 22 साल बाद दोनों टीमों के बीच हुआ ये मुकाबला तीन दिनों में ही समाप्त हो गया। इंग्लैंड की ओर से बशीर ने 9 विकेट लेकर जिम्बाब्वे को कोई अवसर नहीं दिया। इस मैच में इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए जैक क्रॉली 124, बेन डेवेट 140 और ओली पोप 171 के शतकों की सहायता से 6 विकेट पर 565 रन बनाकर पारी घोषित कर दी। इसके बाद जिम्बाब्वे ने 265 रन बनाए। उसके सलामी बल्लेबाज ब्रायन बेनेट ने 97 गेंदों में 139 रन बनाये। बेनेट ने अपनी पारी में 26 चौके लगाये पर अन्य बल्लेबाजों का साथ नहीं मिलने से टीम की बल्लेबाजी ढ़ह गयी। फॉलो-ऑन खेलते हुए विलियम्स 50 और सिकंदर राना 44 की पारियों से जिम्बाब्वे ने 255 रन बनाये। जिससे टीम दूसरी पारी में भी 255 रनों पर ही सिमट गयी। बशीर ने मैच में कुल नौ विकेट लिए और उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड मिला। इस मैच में इंग्लैंड के गेंदबाजों ने अपने शानदार प्रदर्शन से विरोधी टीम को कोई अवसर नहीं दिया। जिाब्वे के बल्लेबाजों ने अपनी ओर से काफी प्रयास किया पर वे इंग्लैंड के गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पाये।

प्रीति जिंटा ने तीसरे अंपायर के फैसले को गलत बताया



मुम्बई। पंजाब किंग्स की सहमालिक प्रीति जिंटा ने दिल्ली कैपिटल्स के साथ हुए मैच में अपनी टीम की हार के बाद अंपायर के एक फैसले की कड़ी आलोचना की है। प्रीति ने सोशल मीडिया पर तीसरे अंपायर की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि उसने गलत फैसला दिया। इस मैच के 15वें ओवर की अंतिम गेंद पंजाब के शशांक सिंह ने हवा में उछाल दी तो लगा कि छक्का हो गया पर पर तीसरे अंपायर ने नहीं दिया। तीसरे अंपायर ने इस मामले की जांच के बाद कि गेंद रोकते समय फील्डर करुण नायर का पैर बॉइन्ड्री पर नहीं था। इसलिए एक रन ही मिलेगा। प्रीति ने कहा कि करुण के अनुसार भी वह छक्का ही था। इसके बाद प्रीति ने सोशल मीडिया में कहा, इतने हाई प्रोफाइल टूर्नामेंट में, जब तीसरे अंपायर के पास कई तरह की तकनीकें मौजूद हैं तो ऐसी स्थिति में गलतियों को स्वीकार नहीं किया जा सकता है। इस मैच में हार से पंजाब किंग्स की प्लेऑफ में शीप दो में रहने की संभावनाओं को झटका लगा है।

हैदराबाद ने कोलकाता को 110 रन से हराया

मलिंगा-हर्ष और उनादकट को तीन-तीन विकेट मिले



नई दिल्ली, 25 मई (एजेंसियां) । आईपीएल 2025 के 68वें मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद की टीम ने कोलकाता नाइट राइडर्स को 110 रन से बुरी तरह हरा दिया। इस मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए सनराइजर्स हैदराबाद की टीम ने बोर्ड पर 278 रन का बड़ा स्कोर बोर्ड पर लगाया। जवाब में केकेआर की टीम 168 रन ही बना पाई। इसी के साथ जहां एक तरह सनराइजर्स हैदराबाद की टीम ने अपने सीजन का अंत जीत के साथ किया, वहीं केकेआर की टीम को हार का सामना करना पड़ा है। हालांकि इस मैच से आईपीएल के प्लेऑफ और टॉप 4 पर कोई खास असर नहीं पड़ा है। कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम की बल्लेबाजी इस मुकाबले में एकदम नहीं चल पाई। टीम का स्कोर 10 विकेट के नुकसान पर सिर्फ 168 रन हो पाया। केकेआर के लिए सुनील नेरेन ने 16 गेंद पर 31 रन की पारी खेली। वहीं मनीष पांडे ने 37

और 34 रन हर्षित राणा ने बनाए। सनराइजर्स हैदराबाद के लिए ईशान मलिंगा, हर्ष दुबे और जयदेव उनादकट ने 3-3 विकेट हासिल किए।हेनरिक क्लासेन के तूफानी शतक और उनकी दो अर्धशतकीय साझेदारियों से सनराइजर्स हैदराबाद ने इंडियन प्रीमियर लीग में रविवार को यहां कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ तीन विकेट पर 278 रन बनाए जो आईपीएल इतिहास का तीसरा सर्वश्रेष्ठ और मौजूदा सत्र का दूसरा सर्वश्रेष्ठ टीम स्कोर है। आईपीएल के इतिहास के चार सर्वश्रेष्ठ टीम स्कोर अब सनराइजर्स के नाम हैं। टीम ने 15 अप्रैल 2024 को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ तीन विकेट पर 287 रन बनाए थे जो आईपीएल इतिहास का सर्वश्रेष्ठ स्कोर है। पेट कर्मिस की टीम ने मौजूदा सत्र में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 23 मार्च को छह विकेट पर 286 रन का स्कोर खड़ा किया था।



भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली संन्यास के बाद से ही धर्म कर्म में लगे हुए हैं। विराट ने अपनी पत्नी अनुष्का शर्मा के साथ ही अयोध्या पहुंचकर रामलला के दर्शन किये हैं। विराट और अनुष्का ने हनुमान गढ़ी मंदिर में भी पूजा अर्चन की। इसके बाद दोनों ही बेहद खुश दिखे। पुजारी ने उन्हें फूल माला पहनाकर टीका लगाया। दोनों ने मंदिर में माथा टेका और पूजा-अर्चना की। हनुमान गढ़ी मंदिर के दर्शन के बाद का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर आया है। इसमें अनुष्का और विराट मंदिर में प्रार्थना करते हुए नजर आ रहे हैं। इसके पहले ये दोनों वृंदावन में प्रेमानंद महाराज का आश्रयम भी पहुंचे थे। विराट ने कुछ समय पहले ही टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी थी। इसके बाद दोनों वृंदावन पहुंचे थे। इस दौरान दोनों को भगवान के नाम जप करते हुए देखा गया था। इस जोड़े ने प्रेमानंद महाराज से कई सवाल भी किये थे जिसके जवाब भी इन्हें मिले थे। विराट और अनुष्का की शादी साल 2017 में हुई थी और इनके दो बच्चे हैं।

कुश मैनी फॉर्मूला 2 स्पिंट रेस जीतने वाले पहले भारतीय बने

मोनाको, 25 मई (एजेंसियां) । भारतीय रेसर कुश मैनी ने मोनाको ग्रां प्री के फॉर्मूला 2 स्पिंट रेस जीतकर एक रिकार्ड बनाया है। यह पहली बार है जब कोई भारतीय रेसर फॉर्मूला 2 में पोल पोजीशन पर उतरने के साथ ही ट्रॉफी जीतने में सफल हुआ है। भारतीय रेसर मैनी सर्किट डी मोनाको में हुई इस रेस में शुरुआत से ही बढ़त बनाये रहे। वह मोनाको में रेस जीतने वाले पहले भारतीय चालक हैं। वहीं गैब्रिएल मिनी दूसरे स्थान पर रहे। कुश ने डैमस लुकास ऑयल टीम की ओर से उतरते हुए यह जीत दर्ज की। मैनी अल्पाइन अकादमी की ओर से में डीएएमएस के लिए एफआईए फॉर्मूला 2 चैंपियनशिप में भाग लेते हैं।



वह अल्पाइन के लिए फॉर्मूला वन में और महिंद्रा के लिए फॉर्मूला ई में रिजर्व चालक के रूप में रहते हैं। कुश की मैनी को इस उपलब्धि पर महिंद्रा एंड महिंद्र के प्रमुख आनंद महिंद्रा ने बधाई दी है। जीत से उत्साहित मैनी ने इसे किसी सपने के सच होने जैसा बताया। मैनी ने मोटे कालों के सर्किट डी मोनाको में फॉर्मूला 2 स्पिंट रेस में पोल पोजीशन से शुरुआत करते हुए अंत तक अपनी बढ़त बनाए रखी। मैनी कहा कि यह उनके लिए किसी सपने के सच होने की तरह है। इस जीत से भारत में मोटरस्पोर्ट्स के

प्रति लोगों की रुचि बढ़ेगी, बल्कि उम्मीद है कि भविष्य में और भी भारतीय चालक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जीत हासिल करेंगे। फॉर्मूला 2 (एफ2) ग्रां प्री मोटरस्पोर्ट्स की दुनिया में वह प्लेटफॉर्म है, जहां भविष्य के फॉर्मूला 1 (एफ1) चैंपियन तैयार होते हैं। यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आयोजित होने वाली एक रेसिंग प्रतियोगिता है, जो फॉर्मूला 1 से नीचे है। फेडरेशन इंटरनैशनल दे ऑटोमोबाइल (एफआईए) द्वारा आयोजित इस सीरीज का लक्ष्य युवा चालकों को उच्च स्तर की प्रतियोगिता के लिए तैयार करना है।

चेन्नई ने गुजरात को 83 रन से पीटा

अहमदाबाद, 25 मई (एजेंसियां) । चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के अनुभवी विकेटकीपकर बल्लेबाज महेंद्र सिंह धोनी ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ मुकाबले के बाद इस टूर्नामेंट से अपने संन्यास को लेकर स्पष्ट किया है। धोनी स्पष्ट रूप से कहा कि वह थोड़ा समय लेंगे और अगले कुछ महीने बाद यह फैसला लेंगे कि वह आईपीएल के अगले सीजन के लिए उपलब्ध रहेंगे या नहीं। सीएसके ने गुजरात को हराकर आईपीएल 2025 सीजन का अंत जीत के साथ किया है।



धोनी के आईपीएल से संन्यास को लेकर कई बार चर्चा हो चुकी है, लेकिन माही ने कहा कि इस बारे में फैसला लेने के लिए उनके

धोनी की अगुआई में सीएसके का प्रदर्शन इस सीजन अच्छा नहीं रहा और टीम 14 में से सिर्फ चार मैच ही जीत सकी। सीएसके का

इस सीजन यह आखिरी मैच था और सभी की नजरें धोनी पर टिकी थी कि वह अपने भविष्य को लेकर क्या घोषणा करते हैं। मैच के बाद कमेंटेटर हर्षा भोगले ने धोनी से इसी बारे में पूछा जिस पर माही ने कहा कि इस बारे में फैसला लेने की अभी कोई जल्दी नहीं है। धोनी ने कहा कि हर साल उन्हें अपने शरीर को फिट रखने के लिए 50 प्रतिशत अधिक प्रयास करना पड़ता है जिससे वह आईपीएल में खेल सकें। धोनी ने कहा कि वह अब अपने घर वापस जाएंगे और बाइक चलाने का आनंद लेंगे इसके बाद आईपीएल को लेकर कोई फैसला करेंगे। हालांकि, धोनी ने इस बारे में कुछ भी नहीं बताया कि वह आईपीएल में अब नहीं खेलेंगे या अगले सीजन फिर वापसी

करेंगे। धोनी ने कहा, यह निर्भर करता है। मैं भी यही कहूंगा। मेरे पास निर्णय लेने के लिए चार-पांच महीने हैं। क्या करना है, यह तय करने की कोई जल्दी नहीं है। हर साल शरीर को फिट रखने के लिए 50% ज्यादा प्रयास करना पड़ता है। उन्होंने कहा, अगर क्रिकेटर प्रदर्शन के आधार पर रिटायर होने लेंगे, तो उनमें से बहुत कम 22 साल की उम्र में रिटायर होंगे। यह देखना जरूरी है कि आपमें कितनी भूख और फिटनेस है और आप टीम में कितना योगदान दे सकते हैं, क्या टीम को आपकी जरूरत है। मेरे पास काफी समय है। मैं रांची वापस जाऊंगा, बहुत दिनों से घर नहीं गया हूं। कुछ बाइक राइड का मजा लूंगा और फिर कुछ महीने बाद निर्णय लूंगा।

ड्रोन के जरिए पहुंचाई जाएगी दुर्गम इलाकों में मछली : केंद्र

नई दिल्ली , 25 मई (एजेंसियां) । केंद्र सरकार की ओर से जानकारी दी गई है कि दुर्गम इलाकों में एग्रीगेटर से वितरण बिंदु तक मछली ले जाने का काम बहुत जल्द ड्रोन के माध्यम से होता नजर आएगा। मछली पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय के सचिव (मत्स्य पालन) डॉ. अभिलक्ष लिखी के अनुसार, जीवित मछली परिवहन के लिए वर्तमान में ड्रोन तकनीक पर एक पायलट प्रोजेक्ट चल रहा है। इस प्रोजेक्ट का लक्ष्य 70 किलोग्राम पेलेडो ड्रोन विकसित करना है, जो दुर्गम इलाकों में जीवित मछली ले जाने में सक्षम हो।एक कार्यक्रम में, डॉ. लिखी ने राज्यों से इनोवेशन, इंफ्रास्ट्रक्चर और संस्थागत तालमेल के जरिए मत्स्य पालन क्षेत्र को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से सहयोगी प्रयासों को मजबूत करने का आग्रह किया।मछुआरों की सुरक्षा और परिचालन दक्षता बढ़ाने



के लिए सैटेलाइट टेक्नोलॉजी के व्यापक उपयोग पर जोर दिया गया, जिसमें रिसोर्स मैपिंग, बायोमेट्रिक पहचान और चेहरे की पहचान जैसे पहलू शामिल हैं।ग्रीन और ब्लू सस्टेनेबिलिटी सिद्धांतों से जुड़ी स्मार्ट, इंटीग्रेटेड मछली पकड़ने के बंदरगाहों और मॉडर्न फिश मार्केट के विकास को भविष्य की प्रमुख प्राथमिकता के रूप में पहचाना गया।उन्होंने स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसिजर (एसओपी) और सपोर्टिव सफ़िडी स्ट्रक्चर के माध्यम से ड्रोन पहल को मजबूत करने का भी आह्वान किया।आईसीएआर संस्थानों के समर्थन से एडवांस मत्स्य पालन टेक्नोलॉजी को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया। इसके अलावा, प्रॉसेसिंग, मार्केटिंग और पैकेजिंग पर विशेष रूप से क्लस्टर डेवलपमेंट और एक संपन्न स्टार्टअप इकोसिस्टम के जरिए मजबूत

फोकस को प्रोत्साहित किया गया।मत्स्य पालन को बढ़ावा देने के लिए अमृत सरोवर का लाभ उठाने पर विशेष जोर दिया गया, जिसमें राज्यों से सक्रिय समर्थन मांगा गया।विशेषज्ञों ने सजावटी मत्स्य पालन को बढ़ावा देने और समुद्री शैवाल की खेती और कृत्रिम चट्टानों के विकास का भी आह्वान किया, जिससे इन उभरते क्षेत्रों में निजी क्षेत्र की भागीदारी को बढ़ावा मिले।सजावटी मत्स्य पालन का मतलब आकर्षक और रंगीन मछलियों को पालने से है, जो अक्सर एंकेरियम जैसे छोटे जलीय वातावरण में रखी जाती हैं।मत्स्य पालन विभाग के संयुक्त सचिव (अंतरदेशीय) सागर मेहरा ने अंतरदेशीय राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में अंतरदेशीय मत्स्य पालन से संबंधित प्रमुख मुद्दों पर प्रकाश डाला।

न्यूज़ बीफ

भारत की डिफेंस कंपनी को इजराइल से मिला 17.52 मिलियन डॉलर का ऑर्डर



नई दिल्ली। भारत की देशी कंपनियों ने हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान को धूल चटाई है। इस ऑपरेशन के बाद भारतीय हथियारों की मान्यता ने दुनिया में चर्च बना दिए हैं। इस उत्कृष्ट अदम्य तकनीक का उद्यम एक और उच्चाधिकारी के साथ साबित हुआ है, जब इजराइल की एक कंपनी ने भारतीय कंपनी नाइब लिमिटेड के साथ एक 17.52 मिलियन डॉलर (करीब 150 करोड़ रुपये) का ऑर्डर किया है। यहां इस ऑर्डर के माध्यम से भारत की तकनीकी क्षमता और बढ़ेगी और देश को विश्वभर में आत्मनिर्भर बनाने में मदद मिलेगी। भारत की तकनीकी क्षमता और बढ़ेगी, देश को आत्मनिर्भर बनाने में मदद मिलेगी। इजराइल की यह कंपनी टेक्नोलॉजी के मामले में बहुत आगे है। इस ऑर्डर में यूनिवर्सल रॉकेट लॉन्चर बनाने और सप्लाय करने हैं। ये लॉन्चर 300 किलोमीटर तक मार कर सकते हैं। यह बहुत ही आधुनिक तकनीक है। भारत में पहली बार ऐसा हो रहा है कि यह तकनीक विदेश के लिए बनाई जा रही है। कंपनी का कहना है कि इस कॉन्ट्रैक्ट से आत्मनिर्भर भारत के सपने को और मेक इन इंडिया को बढ़ावा मिलेगा।

भारत में जल्द लॉन्च होगा एक्स-एडीवी 750 स्कूटर, होंडा ने जारी किया टीजर



नई दिल्ली। होंडा बाइक एंड स्कूटर इंडिया ने अपनी बहुप्रतीक्षित एक्स-एडीवी 750 एडवेंचर स्कूटर का आधिकारिक टीजर जारी कर भारत में स्कूटर सेगमेंट में हलचल मचा दी है। कंपनी ने यह टीजर रेबेल 500 क्रूजर की लॉन्चिंग के एक दिन बाद रिलीज किया। सोशल मीडिया पर इस टीजर को गेम चेंजर टैगलाइन के साथ साझा किया गया है, जिससे इसके जल्द लॉन्च होने के संकेत मिलते हैं। ग्लोबल मार्केट में एक्स-एडीवी 750 को एक प्रीमियम मैक्स-स्कूटर के तौर पर जाना जाता है, जो एडवेंचर टूरिंग क्षमताओं को शहरी सुविधाओं के साथ जोड़ता है। यह स्कूटर 745 सीसी पेरैल-ट्विन इंजन से लैस है, जो 58 बीएचपी की पावर और 69 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। इसमें 6-स्पीड डुअल क्लच ट्रांसमिशन दिया गया है, जो इसे भारत में मौजूद स्कूटरों से अलग बनाता है। मजबूत अंडरचैसिंग के तहत इसमें फ्रंट में 17 इंच और रियर में 15 इंच के वायर-स्पीक व्हील्स, डुअल फ्रंट डिस्क ब्रेक और लॉन्ग ट्रेवल सस्पेंशन मिलता है, जो हल्के ऑफ-रोड और टूरिंग के लिए उपयुक्त है। इसमें फुल एलईडी लाइटिंग, एडजस्टेबल विंडस्क्रीन, बड़ा डिजिटल डिस्प्ले और मल्टीपल राइडिंग मोड्स मिलते हैं।

केंद्र सरकार ने पेंशन योजना में किया बदलाव, केंद्रीय कर्मचारियों को मिलेगा नया विकल्प



नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने 1 अप्रैल 2025 को अपने कर्मचारियों के लिए यूनिफाइड पेंशन स्कीम (यूपीएस) नाम से एक नई पेंशन योजना शुरू की थी। इस योजना में कर्मचारियों को रिटायरमेंट के बाद एक निश्चित पेंशन का वादा किया गया है। यूपीएस ने एनपीएस से अलग होने का विकल्प दिया है। एनपीएस में पेंशन की राशि निश्चित नहीं होती थी, जबकि यूपीएस ने कर्मचारियों को ज्यादा निश्चितता प्रदान की है। यूपीएस में सरकारी कर्मचारियों को उनकी अंतिम 12 महीनों की औसत बेसिक सैलरी का 50 फीसदी मासिक पेंशन के रूप में मिलेगा। इसके लिए कर्मचारियों को कम से कम 25 साल की नौकरी पूरी करनी होगी। यूपीएस योजना में शामिल होने के लिए कर्मचारियों को 30 जून तक अलार्इ करना होगा। फॉर्म ए2 और फॉर्म ए1 भरकर योग्य कर्मचारियों को यूपीएस के लिए अलार्इ करना होगा। आखिरी तारीख निकल जाने पर अतिरिक्त समय दिया जा सकता है। वापस एनपीएस में जाने का विकल्प उपलब्ध नहीं है। यूपीएस योजना के लिए योग्य कर्मचारी: वर्तमान कर्मचारी एनपीएस के तहत आने वाले, 10 साल से ज्यादा पुरी करने वाले रिटायर हुए कर्मचारी, अंतिम निर्णय देने वाले विधवा जीवन साथी और 56(ज) नियमों के तहत राज्य से रिटायर हुए कर्मचारी।

गूगल सर्च के लिए यूजरस को मिलेगा नया एआई मोड



नई दिल्ली, 25 मई (एजेंसियां) । गूगल सर्च के लिए यूजरस को अब नया एआई मोड ऑफर किया जा रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक नया फीचर यूजरस को जेमिनी एआई से पावर्ड चैटबॉट जैसा रिसर्पान्स देगा। गूगल ने इस फीचर को डिजेलपर कॉन्फ्रेंस में पेश किया गया। इस फीचर के आने से यूजरस को सर्च पेज पर चैट-बेस्ड इंटरफेस में टॉगल करने का ऑप्शन मिल गया है। यह गूगल के इन्फर्मेशन ऑफर करने के तरीके में बदलाव है। इससे पता चलेगा कि कंपनी ओपनएआई, माइक्रोसॉफ्ट और ऐपल को एआई की दुनिया में कड़ी टक्कर देने के मूड में है। गूगल की पेरेंट कंपनी अल्फाबेट के सीईओ सुंदर पिचाई ने कहा कि यह ज्यादा अडवांस्ड रीजनिंग के साथ सर्च का पूरी तरह से रीडिफ़िनेशन है। उन्होंने कहा कि हम अब एआई प्लेटफॉर्म शिफ्ट के एक नए फेज में एंटर कर रहे हैं जहां दशकों की रिसर्च अब वास्तविकता बन रही है। गूगल का यह एक्शन चैटजीपीटी जैसे

जनरेटिव एआई टूल के लिए एक रिएक्टिव रिसर्पान्स है, जो सवालों का नैचरल लैंग्वेज में उत्तर देते हैं और अला-अलग वेब पेजों पर क्लिक करने की जरूरत को कम करते हैं। इस बदलाव ने पहले ही बहुत नुकसान पहुंचाया है। ऐपल के एक एग्जिक्यूटिव ने हाल में कहा था कि सफारी ब्राउजर में गूगल सर्च ट्रेफिक 20 सालों में पहली बार कम हुआ है। गूगल के एंड-बेस्ड बिजनेस मॉडल के लिए यह एक झटका है। एआई मोड अब मेन गूगल सर्च इंटरफेस के अंदर एक टैब के तौर पर उपलब्ध हो गया है। यह यूजरस को चैटजीपीटी जैसा चैटबॉट अनुभव करता है। यह फीचर गूगल के मेन एआई मॉडल जेमिनी से पावर्ड है। गूगल के मुताबिक नया यूजर इंटरफेस बेहतर रीजनिंग और कॉन्टेम्स्ट-बेस्ड सवालों को सपोर्ट करता है। फीचर्स के अगले सेट में यूजरस को अपनी खुद के फोटो को अपलोड करने और शॉपिंग के दौरान आउटफिट्स को वर्चुअली ट्राई करने का ऑप्शन मिलेगा। गूगल के सर्च प्रोडक्ट के

वाइस प्रेसिडेंट ने कहा कि कंपनी इस बात पर भी विचार कर रही है कि ऐड्स को एआई मोड में कैसे इंटीग्रेट किया जाए। उन्होंने कहा कि हम इसे उस कॉन्टेंट का हिस्सा मानते हैं जिसे लोग वाकई में पसंद करते हैं। गूगल ओपनएआई की बराबरी करने की कोशिश कर रहा है, जिसने 2022 में अपना चैटजीपीटी लॉन्च किया था और यह कुछ ही समय में पॉपुलर एआई प्रोडक्ट बन गया। हाल के महीनों में जेमिनी ने भी उपयोगकर्ताओं को अपनी तरफ खींचा है, लेकिन यह अभी भी यूजर अडॉप्शन में चैटजीपीटी से पीछे है। गूगल माइक्रोसॉफ्ट से भी पीछे है, जिसने ओपनएआई पर अरबों खर्च किए और अपने मॉडल को बिंग और ऑफिस ऑफरिंग में डाला। पिचाई ने कहा कि गूगल को उम्मीद है कि वह इस साल ऐपल के साथ एग्रीमेंट फाइनल कर लेगा, ताकि सीरी के जरिए जेमिनी को उपलब्ध कराया जा सके। बता दें गूगल का नया फीचर अभी अमेरिकी यूजरस के लिए उपलब्ध है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

जो घटना के ...

आवासीय परिसर के बगल में लकड़ी का डिपो होने और अग्नि सुरक्षा उपायों की कमी ने मामूलों की जान ले ली। 10 मार्च 2023 को सिन्दराबाद के स्वप्नलोक कॉम्प्लेक्स की पांचवीं मंजिल पर शॉर्ट सर्किट से लगी आग में छह श्रमिकों की मौत हो गई। खराब पड़ी आपातकालीनी सीढ़ियों और एक्सपायर हो चुके अग्निशामक यंत्रों के कारण कई लोगों की जान चली गई। 19 जनवरी 2023 को सिन्दराबाद के डेकन स्पोर्ट्स मॉल में लगी आग में तीन लोग जिंदा जल गए। शवों को निकालने में ही कई दिन लग गए। 12 सितंबर 2022 को सिन्दराबाद के रूबी होटल में लगी आग में आठ लोगों की मौत हो गई थी। आग तहखाने में स्थित इलेक्ट्रिक वाहन शोरूम से ऊपरी मंजिलों तक फैल गई, जिससे सीढ़ियों में फंसे लोगों का दम घुट गया। 23 मार्च 2022 को सिन्दराबाद के बोइगुडा में एक गोदाम में लगी आग में याहल लोग जलकर मर गए। यह घटना शॉर्ट सर्किट, अग्निशामन उपकरणों की कमी और भागने के संकेतों के अभाव के कारण हुई। क्या इन घटनाओं के बाद प्रशासन ने कोई सीख ली थी? अगर सीख ली होती तो गुलजार हाउस जैसी घटना नहीं हुई होती।

आतंकवाद खत्म...

प्रधानमंत्री मोदी ने बैठक के दौरान भाजपा नेताओं को कई निर्देश भी दिए। उन्होंने पार्टी के नेताओं को नसीहत देते हुए बेवजह की बयानबाजी से बचने को कहा। प्रधानमंत्री जाति गणना पर चर्चा करते हुए कहा कि यह उनकी सरकार के उस मॉडल की दिशा में एक कदम है, जिसके तहत वे हाशिए पर पड़े लोगों और हर क्षेत्र में पिछड़े लोगों को विकास की मुख्यधारा में लाएंगे। जातिगत जनगणना पर चर्चा करते हुए केंद्रीय मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने कहा कि हम जातिगत राजनीति नहीं करते लेकिन वंचित, पीड़ित, शोषित और दलित जो लोग छूट गए हैं, उन्हें मुख्य धारा से जोड़ने का काम करते हैं। यह समाज की आवश्यकता है। जाति जनगणना के माध्यम से हम इसे देखते हैं और आगे बढ़ाने का काम कर रहे हैं। बैठक में 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि भी दी गई।बैठक में नक्सलियों के खिलाफ चल रहे अभियान पर भी चर्चा हुई। नक्सलवाद को लेकर जो

योजनाएं चल रही हैं, उन पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बात की। उस चर्चा में छत्तीसगढ़ के सीएम ने नक्सलवाद के खिलाफ लड़ी जा रही लड़ाई और कामयाबियों का ब्योरा दिया। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि 25-26 जून को आपातकाल के 50 साल पूरे हो जाएंगे। इस मौके पर एनडीए इसका पर्दाफाश करेगा और जता को उन लोगों के बारे में बताएगा जिन्होंने लोकतंत्र का गला घोटने की कोशिश की थी। कई मुख्यमंत्रियों ने अपने राज्यों की प्रमुख योजनाओं पर प्रस्तुतियां दीं। बैठक में 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि भी दी गई।

चार दशक ...

उस आतंकी हमले में लोगों से उनकी धार्मिक पहचान पृथक्कर 26 लोगों की हत्या की गई थी। जब ये संधि की गई थी, तो उसकी प्रस्तावना में ये स्पष्ट किया गया था कि ये सद्भावना और मैत्री की भावना से की गई है। लेकिन, पाकिस्तान ने कभी इसका सम्मान नहीं किया।संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में पाकिस्तान को पूरी तरह से बेनकाब करते हुए भारत ने बताया कि कैसे बीते करीब 40 साल में ही पाकिस्तान ने आतंकी हमलों के जरिए 20,000 से अधिक भारतीयों की हत्या की है। बावजूद इसके हर बार भारत ने धैर्य और उदारता दिखाई। उन्होंने ये भी स्पष्ट किया कि बीते 2 साल में हमने कई बार पाकिस्तान से इस संधि में संशोधन करने के लिए चर्चा करने के लिए कहा, लेकिन हर बार इस्लामाबाद ने इससे इंकार किया।पाकिस्तान के प्रतिनिधि की ओर से कई मुद्दों पर लगाए गए निराधार और बेतुके आरोपों का जवाब देते हुए उन्होंने साफ कहा कि भारत ने अपनी सीमाओं पर दशकों तक पाकिस्तान की ओर से प्रायोजित आतंकवादी हमलों को झेला है। ऐसे में नागरिकों की सुरक्षा पर चर्चा में भाग लेना पाकिस्तान के लिए पाखंड है। उन्होंने कहा, सबसे पहले भारत ने अपनी सीमाओं पर दशकों तक पाकिस्तान प्रायोजित आतंकी हमलों का सामना किया। इसमें मुंबई शहर पर हुए 26/11 के भयानक हमले से लेकर अप्रैल 2025 में पहलगाम में निर्दोष पर्यटकों की बर्बर हत्या जैसे आतंकी हमले शामिल हैं। पाकिस्तानी आतंकवाद के शिकार मुख्य रूप से नागरिक रहे हैं, क्योंकि इसका उद्देश्य हमारी समृद्धि, हमारी प्रगति और हमारे मनोबल पर हमला करना रहा है। ऐसे देश के लिए नागरिकों की सुरक्षा पर चर्चा में भाग लेना भी अंतरराष्ट्रीय समुदाय का अपमान है।हरीश ने पाकिस्तान की हकतों की आलोचना करते हुए कहा, पाकिस्तान ने आतंकवाद को बढ़ावा देने के लिए बार-बार नागरिकों को मोहरा बनाया है। जब उस पर पलटवार होता है

तो इन्हीं नागरिकों को कवच की तरह इस्तेमाल करता है। एक राष्ट्र जो आतंकवादियों और नागरिकों के बीच कोई अंतर नहीं करता, उसके पास नागरिकों की सुरक्षा के बारे में बोलने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने हाल ही में हुई एक घटना का जिक्र किया, जिसमें पाकिस्तानी सेना ने जानबूझकर भारतीय सीमावर्ती गांवों पर गोलाबारी की, जिसके परिणामस्वरूप नागरिक हताहत हुए। उन्होंने कहा, इस महीने की शुरुआत में पाकिस्तानी सेना ने जानबूझकर हमारे सीमावर्ती गांवों पर गोलाबारी की, जिसमें 20 से अधिक नागरिक मारे गए और 80 से अधिक घायल हो गए। उन्होंने कहा, गुरुद्वारों, मंदिरों और कॉन्वेंट के साथ-साथ चिकित्सा सुविधाओं सहित पूजा स्थलों को जानबूझकर निशाना बनाया गया। इस तरह के व्यवहार के बाद इस संस्था में उपदेश देना घोर पाखंड है।राजदूत ने आतंकवाद से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय को आतंकवाद के प्रति शून्य सहिष्णुता और इसे प्रायोजित करने वालों और इसका बचाव करने वालों को बाहर निकालने के लिए एक साथ आना चाहिए। संयुक्त राष्ट्र में भारत ने साफ शब्दों में कहा है कि जब तक पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद का समर्थन पूरी तरह और भरोसेमंद तरीके से नहीं रोकता, तब तक सिंधु जल संधि मिलबन में ही रहेगी। न्यूयॉर्क में सुरक्षा परिषद की बैठक में सशस्त्र संघर्षों में जल की रक्षा और नागरिक जीवन की सुरक्षा विषय पर बोलते हुए संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि, राजदूत पर्वथानेनी हरीश ने पाकिस्तान द्वारा फैलाई जा रही भ्रामक सूचनाओं का करारा जवाब दिया।उन्होंने कहा, भारत ने यह निर्णय लिया है कि जब तक पाकिस्तान, जो वैश्विक आतंकवाद का केंद्र है, आतंकवाद को समर्थन देना पूरी तरह और विश्वसनीय रूप से बंद नहीं करता, तब तक यह संधि प्रभाव में नहीं लाई जाएगी। यह स्पष्ट है कि संधि का लगातार उल्लंघन पाकिस्तान ही करता रहा है। राजदूत हरीश ने यह भी कहा कि भारत ने बीते वर्षों में असाधारण धैर्य और सद्भावना दिखाई, लेकिन पाकिस्तान की प्रायोजित आतंकवाद की नीति ने भारतीय नागरिकों की जान, धार्मिक सौहार्द और आर्थिक तरक्की को बंधक बना दिया है। भी हरीश ने यह भी खुलासा किया कि पिछले दो वर्षों में भारत ने कई बार पाकिस्तान से संधि में आवश्यक बदलावों पर चर्चा की पेशकश की, लेकिन हर बार इस्लामाबाद ने टालमटोल और रूकावट की नीति अपनाई। पाकिस्तान की अडिगल सोच भारत को उसके वैध जल अधिकारों का पूरा उपयोग करने से रोक रही है। इस समाह की शुरुआत में विदेश मंत्रालय ने एक संसदीय समिति

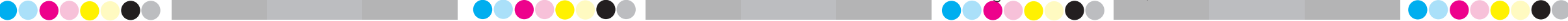
को सिंधु बेसिन में बदलते हालात की जानकारी दी थी। मंत्रालय ने आधुनिक इंजीनियरिंग तकनीकों की जरूरत, जलवायु परिवर्तन और ग्लेशियरों के पिघलने जैसे कारकों का हवाला देते हुए संधि की शर्तों पर पुनर्विचार को जरूरी बताया।विदेश सचिव विक्रम मिश्री ने भी अपने ब्रीफिंग में कहा था कि 1960 में हुई यह संधि मैत्री और सद्भाव की भावना के तहत की गई थी, लेकिन पाकिस्तान ने वर्षों से इन सिद्धांतों को ताक पर रखा है। संयुक्त राष्ट्र में उसी दिन एक और बहस के दौरान जब पाकिस्तान के राजदूत असीम इफ्तिखार अहमद ने कश्मीर मुद्दा उठाया और भारत-पाक के बीच हालिया तनाव का जिक्र किया, तो राजदूत हरीश ने पाकिस्तान की कथनी और करनी पर सवाल उठाए। उन्होंने दो टूक कहा कि जो देश आतंकवादियों और नागरिकों के बीच फर्क नहीं करता, उसे नागरिकों की सुरक्षा पर बात करने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। हरीश ने बताया कि भारत ने दशकों से पाकिस्तान समर्थित आतंकवादी हमलों का सामना किया है, और अब समय आ गया है कि पाकिस्तान जिम्मेदारी ले और अपने व्यवहार में बदलाव लाए।

इजराइल से ...

मेक इन इंडिया पहल को मजबूती मिलेगी। इस ऑर्डर के मिलने से कंपनी का कारोबार विदेशों में तेजी से फैलने वाला है। नाइब भारतीय रक्षा कंपनी है। यह रक्षा क्षेत्र में काम करती है और अत्याधुनिक रक्षा उपकरण बनाती है। इसके साथ ही ये कंपनी नई चीजों को बनाने के साथ ही आत्मनिर्भर बनने और विदेशी कंपनियों के साथ मिलकर काम करने पर फोकस कर रही है।

भारत दुनिया की...

भारत को अगले 20 से 25 वर्षों के लिए जगसांख्यिकीय लाभांश का वदाना मिला है, जिससे हम तेजी से विकास कर सकते हैं। प्रधानमंत्री ने सभी राज्यों से अपने स्तर पर विजन दस्तावेज तैयार करने का आह्वान किया है। इसमें भारत के विकास का खाका पहले से ही दिख रहा है। नीति आयोग के प्रमुख ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जिक्र करते हुए कहा कि पीएम ने राज्यों से विकसित भारत का आह्वान इसलिए किया है, क्योंकि यह एक लंबी यात्रा है। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने भी कहा कि भारत जापान से आगे निकलकर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत ने एक तेज कदम बढ़ाया है, एक बड़ी छलांग लगाई है! इसे संभव बनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद।



पति की लंबी उम्र के लिए महिलाएं आज रखेगी

वट सावित्री व्रत

इस बार वट सावित्री व्रत और सोमवती अमावस्या का खास संयोग बन रहा है। वट सावित्री व्रत 26 मई को है। ज्येष्ठ मास में पड़ने वाले सारे व्रतों में वट सावित्री व्रत को बहुत प्रभावी माना जाता है। जिसमें सौभाग्यवती महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र और सभी प्रकार की सुख-समृद्धि की कामना करती हैं। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि इस बार वट सावित्री व्रत 26 मई को पड़ रहा है। वट सावित्री व्रत ज्येष्ठ मास के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि से अमावस्या तक उत्तर भारत में और ज्येष्ठ मास के शुक्ल पक्ष में इन्हीं तिथियों में वट सावित्री व्रत दक्षिण भारत में मनाया जाता है। वट सावित्री व्रत को उत्तर भारत के उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, पंजाब, दिल्ली और हरियाणा समेत कई जगहों पर मनाया जाता है। ऐसी मान्यता है कि जितनी उम्र बरगद के पेड़ की होती है, सुहागिनें भी बरगद के पेड़ की उम्र के बराबर अपने पति की उम्र मांगती हैं। हिंदू धर्म में बरगद का वृक्ष पूजनीय माना जाता है। शास्त्रों के अनुसार, इस वृक्ष में सभी देवी-देवताओं का वास होता है। इस वृक्ष की पूजा करने से अखंड सौभाग्य की प्राप्ति होती है। इसके अलावा इस दिन जल से वटवृक्ष को सींचकर उसके तने के चारों ओर कच्चा धागा लपेटकर तीन बार परिक्रमा करें।

इस दिन महिलाएं व्रत रखकर वट वृक्ष के पास जाकर धूप, दीप नैवेद्य आदि से पूजा करती हैं। साथ ही रोली और अक्षत चढ़ाकर वट वृक्ष पर कलावा

बांधती हैं और हाथ जोड़कर वट वृक्ष की परिक्रमा करती हैं। जिससे उनके पति के जीवन में आने वाली बाधाएं दूर होती हैं और लंबी उम्र की प्राप्ति होती है। वहीं सोमवती अमावस्या पर स्नान, दान, पितरों की पूजा और धन प्राप्ति के खास उपाय भी किए जाते हैं। अमावस्या तिथि के दिन महिलाएं बांस की टोकरी में सप्त धान्य के ऊपर ब्रह्मा और वट सावित्री और दूसरी टोकरी में सत्यवान एवं सावित्री की प्रतिमा स्थापित करके वट के समीप जाकर पूजन करती हैं। साथ ही इस दिन यम का भी पूजन करती हैं और वट की परिक्रमा करते समय 108 बार वट वृक्ष में कलावा लपेटा जाता है। मंत्र का जाप करते हुए सावित्री को अर्घ्य दिया जाता है। वहीं सौभाग्य पिटारी और पूजा सामग्री किसी योग्य साधक को दी जाती है। इस व्रत में सत्यवान और सावित्री की कथा का श्रवण किया जाता है।

वट सावित्री व्रत

पंचांग के मुताबिक वट सावित्री व्रत ज्येष्ठ मास की अमावस्या तिथि पर रखा जाता है। इस साल ज्येष्ठ माह की अमावस्या तिथि की शुरुआत 26 मई 2025 को दिन में 12:11 मिनट पर हो रही है। इसका समापन अगले दिन यानी 27 मई 2025 को सुबह 8:31 मिनट पर होगा। ऐसे में 26 मई 2025 को वट सावित्री व्रत का व्रत रखा जाएगा।

शुभ योग

आज यानी 26 मई 2025 को वट सावित्री व्रत के दिन भरणी नक्षत्र बन रहा है, जो सुबह 8:23 मिनट तक रहेगा। इसके अलावा इस तिथि पर शोभन व अतिगण्ड

योग का संयोग रहेगा। वट सावित्री के दिन अभिजित मुहूर्त सुबह 11:54 से दोपहर 12:42 तक रहेगा।

सोमवती अमावस्या का दुर्लभ संयोग

ज्योतिषाचार्या ने बताया कि 27 मई को सूर्योदय कालीन अमावस्या होने से इस दिन अमावस्या का स्नान दान किया जा सकेगा। इस दिन भीमवती अमावस्या रहेगी। लेकिन अबकी बार 26 मई को सोमवार होने से ज्येष्ठ अमावस्या पर सौभाग्यदायक सोमवती अमावस्या का भी संयोग बनेगा। ऐसे में सुहाग की लंबी उम्र की कामना से जो सुहागन महिलाएं वट



नीतिका शर्मा

ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर
श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर, अजमेर

सावित्री का व्रत रखेंगी उनको यमराज के साथ शिवजी की कृपा का भी लाभ मिलेगा। इस पर उत्तम संयोग यह भी है कि इस दिन चंद्रमा अपनी राशि वृषभ में संचार करेंगे। वट सावित्री पर बना यह संयोग भी व्रतियों के लिए उत्तम फलदायी है।

पूजन सामग्री

वट सावित्री व्रत की पूजन सामग्री में सावित्री-सत्यवान की मूर्तियां, धूप, दीप, घी, बांस का पंखा, लाल कलावा, सुहाग का समान, कच्चा सूत, चना (भिगोया हुआ), बरगद का फल, जल से भरा कलश आदि शामिल करना चाहिए।

पूजा विधि

इस दिन प्रातःकाल घर की सफाई कर नित्य कर्म

से निवृत्त होकर स्नान करें। इसके बाद पवित्र जल का पूरे घर में छिड़काव करें। बांस की टोकरी में सप्त धान्य भरकर ब्रह्मा की मूर्ति की स्थापना करें। ब्रह्मा के वाम पार्श्व में सावित्री की मूर्ति स्थापित करें। इसी प्रकार दूसरी टोकरी में सत्यवान तथा सावित्री की मूर्तियों की स्थापना करें। इन टोकरियों को वट वृक्ष के नीचे ले जाकर रखें। इसके बाद ब्रह्मा तथा सावित्री का पूजन करें। अब सावित्री और सत्यवान की पूजा करते हुए बड़ की जड़ में पानी दें।

पूजा में जल, मौली, रोली, कच्चा सूत, भिगोया हुआ चना, फूल तथा धूप का प्रयोग करें। जल से वटवृक्ष को सींचकर उसके तने के चारों ओर कच्चा धागा लपेटकर तीन बार परिक्रमा करें। बड़ के पत्तों के गहने पहनकर वट सावित्री की कथा सुनें।

भीगे हुए चनों का बायना निकालकर, नकद रुपए रखकर अपनी सास के पैर छूकर उनका आशीष प्राप्त करें। यदि सास वहां न हो तो बायना बनाकर उन तक पहुंचाएं। पूजा समाप्ति पर ब्राह्मणों को वस्त्र तथा फल आदि वस्तुएं बांस के पात्र में रखकर दान करें। इस व्रत में सावित्री-सत्यवान की पुण्य कथा का श्रवण करना न भूलें। यह कथा पूजा करते समय दूसरों को भी सुनाएं।

महत्व

शास्त्रों के अनुसार, वट वृक्ष के नीचे बैठकर ही सावित्री ने अपने पति सत्यवान को दोबारा जीवित कर लिया था। दूसरी कथा के अनुसार मार्कण्डेय ऋषि को भावान शिव के वरदान से वट वृक्ष के पत्ते में पैर का अंगूठा चूसते हुए बाल मुकुंद के दर्शन हुए थे, तभी से

वट वृक्ष की पूजा की जाती है। वट वृक्ष की पूजा से घर में सुख-शांति, धनलक्ष्मी का भी वास होता है।

सावित्री की कथा

राजर्षि अश्वपति की एकमात्र संतान थीं सावित्री। सावित्री ने वनवासी राजा द्युमत्सेन के पुत्र सत्यवान को पति रूप में चुना। लेकिन जब नारद जी ने उन्हें बताया कि सत्यवान अल्पायु हैं, तो भी सावित्री अपने निर्णय से डिगी नहीं। वह समस्त राजवैभव त्याग कर सत्यवान के साथ उनके परिवार की सेवा करते हुए वन में रहने लगीं।

जिस दिन सत्यवान के महाप्रयाण का दिन था, उस दिन वह लकड़ियां काटने जंगल गए। वहां मूच्छिछत होकर गिर पड़े। उसी समय यमराज सत्यवान के प्राण लेने आए। तीन दिन से उपवास में रह रही सावित्री उस घड़ी को जानती थीं, अतः बिना विकल हुए उन्होंने यमराज से सत्यवान के प्राण न लेने की प्रार्थना की। लेकिन यमराज नहीं माने।

तब सावित्री उनके पीछे-पीछे ही जाने लगीं। कई बार मना करने पर भी वह नहीं मानीं, तो सावित्री के साहस और त्याग से यमराज प्रसन्न हुए और कोई तीन वरदान मांगने को कहा। सावित्री ने सत्यवान के दुष्टिहीन माता-पिता के नेत्रों की ज्योति मांगी, उनका छिना हुआ राज्य मांगा और अपने लिए 100 पुत्रों का वरदान मांगा। तथास्तु कहने के बाद यमराज समझ गए कि सावित्री के पति को साथ ले जाना अब संभव नहीं। इसलिए उन्होंने सावित्री को अखंड सौभाग्य का आशीर्वाद दिया और सत्यवान को छोड़कर वहां से अंतर्धान हो गए।

नवविवाहितों के लिए खास है वट सावित्री व्रत



अगर आप शादीशुदा हैं और पहली बार वट सावित्री व्रत रखने जा रही हैं, तो ये जानकारी आपके लिए बेहद काम की है। यह व्रत हिंदू धर्म में विवाहित महिलाओं के लिए बेहद खास माना जाता है। इस दिन महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र, अच्छे स्वास्थ्य और सुखी वैवाहिक जीवन के लिए व्रत रखती हैं। इस व्रत की सबसे खास बात यह है कि इसे पूरी श्रद्धा, संयम और नियमों के साथ किया जाता है। वट सावित्री व्रत हर साल ज्येष्ठ महीने की अमावस्या को रखा जाता है।

वट सावित्री व्रत की पौराणिक कहानी महाभारत से जुड़ी हुई है। इसमें बताया गया है कि सावित्री नाम की एक पत्नी ने यमराज से अपने पति सत्यवान का जीवन वापस पाया था, वो भी अपनी तपस्या और दृढ़ संकल्प के बल पर। इसीलिए इस दिन को पति-पत्नी के प्रेम, समर्पण और विश्वास का प्रतीक माना जाता है। इस दिन वट यानी बरगद के पेड़ की पूजा का विशेष महत्व होता है, क्योंकि माना जाता है कि भगवान ब्रह्मा, विष्णु और महेश तीनों वटवृक्ष में वास करते हैं।

पूजा सामग्री क्या चाहिए?

अगर आप पहली बार यह व्रत रख रही हैं, तो पूजा के लिए ये चीजें जरूर रखें: मौली या कलावा, कच्चा सूत (धागा), वटवृक्ष का फल, बांस से बनी पंखी, कुमकुम, सिंदूर, रोली, चंदन, अक्षत (चावल), दीपक,

अमरबत्ती, इत्र, 1125 मीटर लाल या पीली चुनरी, बताशा, सुपारी, पान के पत्ते, वट सावित्री व्रत कथा की किताब, जल से भरा कलश, नारियल, मिठाइयां, मखाना, भीगा चना, मूंफली, पूरी और गुड़

व्रत के नियम

इस दिन निर्जल व्रत (बिना पानी पिए उपवास) किया जाता है, इसलिए अपनी सेहत का खास ध्यान रखें।

लाल या पीले कपड़े पहनें और सोलह शृंगार करें। मन को शांत रखें और किसी से विवाद या बहस न करें।

घर के बड़ों से आशीर्वाद जरूर लें। तामसिक भोजन (लहसुन, प्याज, मांस) से परहेज करें। बरगद के पेड़ की 7 बार परिक्रमा करें और कच्चा सूत लपेटें।

व्रत का समापन कैसे करें?

व्रत का समापन अगले दिन सुबह सूर्योदय के बाद होता है। इस समय पति को प्रणाम करें, उनका आशीर्वाद लें और उन्हें व्रत का प्रसाद दें। माना जाता है कि इससे वैवाहिक जीवन में प्रेम और सुख-शांति बनी रहती है। अगर यह आपका पहला व्रत है, तो खुद पर ज्यादा दबाव न डालें। जितना बन सके उतना करें, लेकिन श्रद्धा और भक्ति में कोई कमी न रखें। व्रत से जुड़ी कथा जरूर पढ़ें या सुनें और इस दिन को अपने लिए एक पवित्र अनुभव की तरह लें। वट सावित्री व्रत ना केवल एक धार्मिक परंपरा है, बल्कि यह एक ऐसा अवसर है जिसमें आप अपने रिश्ते में आस्था, विश्वास और प्रेम की नई ऊर्जा भर सकती हैं।

वट सावित्री व्रत पर नहीं मिल रहा है बरगद का पेड़ तो कैसे करें पूजा?

वट सावित्री का व्रत सुहागिन महिलाओं के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। इस दिन महिलाएं अपने पति की लंबी आयु और सुख-समृद्धि के लिए व्रत रखती हैं और बरगद के पेड़ की पूजा करती हैं। ऐसी मान्यता है कि बरगद के पेड़ में ब्रह्मा, विष्णु और महेश का वास होता है और इसकी पूजा करने से त्रिदेवों का आशीर्वाद मिलता है। इसके साथ ही जीवन में खुशहाली आती है। सावित्री ने वट वृक्ष के नीचे अपने पति सत्यवान के प्राण यमराज से वापस पाए थे, इसलिए इस दिन इस वृक्ष की पूजा का विशेष महत्व है।

बरगद की डाली या टहनी – अगर आपके आसपास कहीं बरगद का पेड़ है, लेकिन वहां जाना संभव नहीं है, तो आप पहले से ही किसी से बरगद की एक छोटी डाली या टहनी मंगवा लें। इस टहनी को साफ कपड़े में लपेटकर अपने पूजा स्थान पर स्थापित करें और इसे ही बरगद का प्रतीक मानकर पूजा करें। आप इस डाली



पर कच्चा सूत बांधकर परिक्रमा भी कर सकते हैं। **तुलसी का पौधा** – हिंदू धर्म में तुलसी के पौधे को भी बहुत पवित्र और पूजनीय माना जाता है। अगर आपको बरगद की डाली भी न मिल पाए, तो आप तुलसी के पौधे के पास वट सावित्री व्रत की पूजा कर सकते हैं। तुलसी को वट वृक्ष का प्रतीक मानकर आप सभी रीतियों का पालन करें और माता सावित्री से अपने पति की लंबी उम्र की प्रार्थना करें।

बरगद के पेड़ की तस्वीर – इसके अलावा आप बाजार से बरगद के पेड़ की तस्वीर ला सकते हैं या इंटरनेट से डाउनलोड करके उसका प्रिंटआउट निकालकर उस तस्वीर की पूजा कर सकते हैं।

मन में ध्यान करें – अगर ये भी संभव न हो, तो आप अपने पूजा स्थान पर ही मन में बरगद के पेड़ का ध्यान करते हुए प्रतीकात्मक रूप से पूजा कर सकते हैं। महत्वपूर्ण यह है कि आपका भाव शुद्ध हो और सच्चा होना चाहिए, क्योंकि भगवान सिर्फ भाव के भूखे हैं।

अन्य उपाय – कुछ मान्यताओं के अनुसार, आटे से बरगद का पेड़ बनाकर भी पूजा की जा सकती है। पूजा के बाद इस आटे को गाय या अन्य जानवरों को खिला दें या फिर किसी पवित्र नदी में प्रवाहित कर दें।

व्रत पर क्या खाएं, क्या नहीं, जरूर जान लें ये नियम

वट सावित्री व्रत मुख्य तौर से सुहागिन महिलाओं द्वारा अपने पति की लंबी आयु की कामना के लिए रखा जाता है। साथ ही यह भी मान्यता है कि इस व्रत को करने से सुहागिन महिलाओं को अखंड सौभाग्य की प्राप्ति होती है। इस दिन खासतौर से वट वृक्ष यानी बरगद के पेड़ की पूजा की जाती है।

इन चीजों का कर सकते हैं सेवन

वट सावित्री व्रत में मुख्य तौर से सिंघाड़े के आटे से बने पकवान और गुड़ व आटे से बने पकवान खाए जाते हैं। इसके साथ ही इस व्रत में चना, पूरी और पूए का भोग लगाकर भी प्रसाद के रूप में ग्रहण किया जाता है। कई जगहों पर

इस व्रत में मीठी पुड़िया और मुरब्बा खाने का भी प्रचलन है।

इस दिन पर कुछ महिलाएं इस दिन सिर्फ फलाहार करके व्रत का पालन करती हैं। ऐसे में आप इस व्रत के दिन मौसमी फल जैसे आम, लीची, तजबूज, खरबूजा आदि का सेवन कर सकते हैं। इसके साथ ही आप नारियल पानी भी पी सकते हैं, जो आपके लिए फायदेमंद रहेगा।

भूल से भी न खाएं ये चीजें

वट सावित्री व्रत के दिन व्रती के साथ-साथ परिवार के अन्य लोगों को भी वट सावित्री व्रत के दिन मांस-मदिरा के सेवन से दूरी बनानी चाहिए। साथ ही इस दिन चावल, दाल और

प्याज, लहसुन से बनी चीजों का सेवन करने की भी मनाही होती है। इसके साथ ही इस बात का खासतौर से ध्यान रखें कि व्रत में सामान्य नमक का इस्तेमाल न करें, वरना आपका व्रत खंडित हो सकता है।

करें इन मंत्रों का जप

वट सावित्री व्रत की पूजा के दौरान इस व्रत का जप जरूर करें। ऐसा करने से आपको अखंड सौभाग्य का आशीर्वाद मिल सकता है। अवैधव्यं च सौभाग्यं देहि त्वं मम सुव्रते। पुत्रान् पौत्रान्ध्र सोख्यं च गुहागार्थं नमोऽस्तुते। यथा शाखाप्रशाखाभिर्वृद्धोऽसि त्वं महीतले। तथा पुत्रैश्च पौत्रैश्च सम्पन्नं कुरु मा सदा॥



बॉक्स ऑफिस पर भूल चूक माफ की बढ़िया शुरुआत

राजकुमार राव लंबे समय से फिल्म भूल चूक माफ को लेकर चर्चा में हैं। उनकी यह फिल्म 23 मई को सिनेमाघरों में आई और इसी के साथ सुनील शेट्टी की फिल्म केसरी वीर भी दर्शकों के बीच आई। लोगों को इंतजार इस बात का था कि कौन-सी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बाजी मारेगी। अब आखिरकार इन दोनों ही फिल्मों के पहले दिन की कमाई के आंकड़े सामने आ गए हैं और भूल चूक माफ ने कमाल कर दिया है। सैकनलिक के मुताबिक फिल्म ने रिलीज के भारत में 7 करोड़ रुपये से बॉक्स ऑफिस पर अपना खाता खोला है। भूल चूक माफ ने रिलीज के पहले दिन इस साल आई द डिप्लोमेट (4 करोड़), देवा (5.5 करोड़) ब्रेजी (80 लाख), सुपरबायंड ऑफ मालेगांव (50 लाख), मेरे हसबैंड की बीवी (1.50 करोड़),

बैडएस रवि कुमार (3.52 करोड़), आजाद (1.5 करोड़), लवयापा (1.15 करोड़), इमरजेंसी (2.50 करोड़), फतेह (2.40 करोड़) जैसी 10 फिल्मों के ओपनिंग डे कलेक्शन को मात दी है। राजकुमार की रोमांटिक कॉमेडी फिल्म भूल चूक माफ सिनेमाघरों में आने से पहले काफी विवादों में रही। पहले इसे 9 मई को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाना था लेकिन भारत-पाकिस्तान तनाव की वजह से निर्माताओं ने इसे ओटीटी पर लाने की सोची। बाद में फिल्म कानूनी अड़चनों में उलझ गई और आखिर में इसे 23 मई को सिनेमाघरों में रिलीज किया गया। इस फिल्म में राजकुमार की जोड़ी अभिनेत्री वामिका गब्बी के साथ बनी है। उधर फिल्म केसरी वीर की ओपनिंग काफी निराशाजनक रही है। ये फिल्म सोमनाथ मंदिर की रक्षा के लिए अपनी जान देने

वाले योद्धाओं की कहानी है। हालांकि, इसे मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली। फिल्म में सुनील शेट्टी, सूरज पंचोली और विवेक ओबेरॉय ने अहम भूमिका निभाई है। केसरी वीर ने पहले दिन भारत में महज 25 लाख रुपये का कारोबार किया है। यही हाल रहा तो ये इस साल की सबसे बड़ी फ्लॉप फिल्म साबित होगी। अब बात करते हैं तुषार कपूर और श्रेयस तलपड़े की हॉरर कॉमेडी फिल्म कंपकंपी की। ये भी 23 मई को सिनेमाघरों में आई। इस हॉरर कॉमेडी फिल्म को कुछ खास रिव्यू नहीं मिले। ये भी बॉक्स ऑफिस पर बेदम साबित हुई है, लेकिन इसने केसरी वीर से बेहतर कारोबार किया है, जबकि फिल्म का प्रचार भी काफी कम हुआ। इसे लेकर शून्य बराबर चर्चा थी। इस फिल्म ने भी पहले दिन 26 लाख रुपये की कमाई की है।



रश्मिका को अच्छी लगती है बारिश की भीनी- खुशबू, लेकिन ये पसंद नहीं...



बारिश की पहली बूंदों की भीनी-भीनी सी खुशबू हर किसी को बहुत भाती है। मशहूर एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना को भी पहली बारिश की खुशबू बहुत पसंद है। लेकिन उन्होंने बारिश से होने वाली असुविधा को निराशाजनक बताया। एक्ट्रेस ने कहा कि उन्हें पहली बारिश की खुशबू बहुत पसंद है, लेकिन उन्हें यह अच्छा नहीं लगता कि बारिश की वजह से सब कुछ धीमा हो जाता है। रश्मिका ने इंस्टाग्राम पर बारिश का एक वीडियो शेयर किया। इस वीडियो पर एक लाइन लिखी है, जब बारिश होती है तो मिट्टी की खुशबू आती है। इस वीडियो को शेयर करते हुए रश्मिका ने लिखा, तो बारिश आ गई है... मुझे यह अच्छा नहीं लगता कि बारिश की वजह से सब कुछ थोड़ा धीमा हो जाता है, लेकिन कसम से! पहली बारिश की खुशबू सबसे अच्छी होती है और वह एहसास भी कमाल का होता है। यह सबसे प्यारा लगता है। वर्कफ्रंट की बात करें तो रश्मिका की झोली में कई फिल्में हैं, जिसमें आदित्य सरपोतदार की थामा, जिसमें आयुष्मान खुराना लीड रोल में हैं, साथ ही कुबेरा, पुष्पा 3, द गलफ्रेड और रेनबो भी शामिल हैं। 20 मई को, रश्मिका ने जी सिने अवार्ड्स 2025 के रेड कार्पेट पर वॉक किया था। लुक की बात करें तो इस दौरान वह ब्लैक कलर की खूबसूरत मॉडर्न साड़ी में नजर आईं। इसके साथ उन्होंने डीप स्वीटहार्ट नेकलाइन वाला डिजाइनर ब्लाउज पहना हुआ था। इसके अलावा, गोल्डन हार्ट शेष की बालियां फैंस का ध्यान अपनी ओर खींच रही थीं। शानदार लुक पाने के लिए उन्होंने अपने बालों को खुला छोड़ा हुआ था। अपने इस लुक की तस्वीरें रश्मिका ने इंस्टाग्राम पर शेयर कीं और कैप्शन में लिखा, काफी समय बाद मैं फिर से रेड कार्पेट पर गई... आप सबका इतना प्यार मिल रहा है, जिससे मेरा दिल बहुत खुश है। बस आपको दिखाना चाहती थी कि उस दिन मैंने क्या पहना था...

फिल्म हाउसफुल 5 का नया गीत कयामत का टीजर रिलीज



काँमेडी ड्रामा फिल्म हाउसफुल 5 का नया गाना कयामत का टीजर कुछ ही मिनटों पहले रिलीज किया गया है, जिसमें अक्षय कुमार, जैकलीन के आलावा फिल्म की पूरी स्टार कास्ट क्रूज पर धमाकेदार डांस करती नजर आईं। अक्षय कुमार ने अपने इंस्टाग्राम पर हाउसफुल 5 का टीजर शेयर किया और लिखा, बेहतरीन पूल पार्टी आपकी ओर आ रही है। यह क्रूज शांत नहीं है, यह कयामत है। कयामत गाना आज रिलीज होगा। हाउसफुल 5, 6 जून 2025 को आपके नजदीकी सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म हाउसफुल 5 का आज नया गाना कयामत रिलीज हुआ है, जिसमें फिल्म की पूरी स्टार कास्ट शिप के डेक पर धांसू डांस करती नजर आईं। फिल्म के हिरो ने व्हाइट

ट्रेस कोड पहन रखा है, तो वहीं अभिनेत्रियों ने शाइनिंग सिल्वर और ग्रे रंग की रिबीलिंग ट्रेस पहनी हुई है। हाउसफुल 5 एक आगामी कॉमेडी थ्रिलर ड्रामा फिल्म है। फिल्म को तरुण मनसुखानी द्वारा सह-लिखित और निर्देशित है। इसे नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट के तहत साजिद नाडियाडवाला, वर्दा नाडियाडवाला और फिरोजी खान ने निर्मित किया है। यह हाउसफुल फ्रेंचाइजी की पांचवीं किस्त है। इस फिल्म में अक्षय कुमार, रितेश देशमुख, अभिषेक बच्चन, संजय दत्त, फरदीन खान, नाना पाटेकर, जैकी श्रॉफ, डिनो मोरिया, जैकलीन फर्नांडीज, नरगिस फाखरी, चित्रांगदा सिंह, सोमन बाजवा, सौंदर्या शर्मा, चंकी पांडे और जॉनी लीवर जैसे कलाकार अहम किरदारों में नजर आएंगे।



द ग्रेट इंडियन कपिल शो सीजन 3 का ऑफिशियल ऐलान

काँमेडी शो द ग्रेट इंडियन कपिल शो के पिछले दो सीजन ने दर्शकों को खूब हंसाया था। अब कपिल शर्मा का यह शो अपने तीसरे सीजन के साथ फिर से हंसी-ठिठोली का डोज लेकर आ रहा है। इस सीजन में कई सरप्राइज कर देने वाले चेहरों का दीदार होने वाला है। कॉमेडियन और एक्टर कपिल ने वीडियो के जरिए शानदार अंदाज में सभी कलाकारों को आमंत्रण दिया है। देखें कब और किन कलाकारों के साथ आ रहे कपिल। कॉमेडियन और एक्टर कपिल शर्मा ने अपने इंस्टाग्राम पर द ग्रेट इंडियन कपिल शो के तीसरे सीजन से जुड़ा एक वीडियो साझा



किया है। इस वीडियो में कपिल शर्मा शो के सभी कलाकारों को फोन करके उसके नए सीजन की जानकारी दे रहे हैं और उनसे पूछ रहे हैं कि क्या नया किया जा सकता है। यह नया सीजन नेटफ्लिक्स पर 21 जून से स्ट्रीम होगा। इस वीडियो के कैप्शन में लिखा है, हंसी आउट ऑफ कंट्रोल होगी क्योंकि कपिल और उनकी टीम एक बार फिर वापस आ गई है। अब हर फनीवार, बड़ेगा हमारा परिवार द ग्रेट इंडियन कपिल शो के नए सीजन के साथ। 21 जून से केवल नेटफ्लिक्स पर। शेयर किए गए वीडियो पोस्ट में कपिल शर्मा ने सबसे पहले अर्चना पूरन सिंह को फोन किया और उन्हें शो के नए सीजन के बारे में बताया। इसके साथ ही उन्होंने मजाकिया अंदाज में अर्चना से कहा कि उन्हें अब बैंक से लोने लेने की जरूरत नहीं है, क्योंकि शो का तीसरा सीजन आ रहा है। इसके बाद उन्होंने अभिनेता कीकू शारदा को फोन करके कहा कि इस बार कुछ अलग करना है। इसके अलावा उन्होंने सुनील ग्रोवर और कृष्णा को फोन कर नए सीजन की जानकारी दी। द ग्रेट इंडियन कपिल शो के पहले सीजन ने सभी दर्शकों को खूब हंसाया था। इसमें सुनील ग्रोवर के गुन्थी किरदार को सभी ने बेहद पसंद किया था। अब इस नए सीजन में कपिल शर्मा के अलावा सुनील ग्रोवर, कृष्णा, कीकू शारदा, अर्चना पूरन सिंह जैसे नाम शामिल हैं। दर्शक इस नए सीजन को लेकर काफी उत्साहित दिख रहे हैं और इसका बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

मैं अंधेरे से डरती नहीं, काले रंग को अपना कवच मानती हूं: सुष्मिता सेन

बाँ लीवुड की मशहूर एक्ट्रेस सुष्मिता सेन ने सोशल मीडिया पर बेहद खूबसूरत तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में वह काले रंग की साड़ी में नजर आ रही हैं। इस साड़ी में वह काफी सुंदर और आकर्षक लग रही हैं। सुष्मिता सेन ने अपने इंस्टाग्राम पर कई फोटोज शेयर की हैं, जिसमें उन्होंने स्टायलिश काले रंग की साड़ी पहनी हुई है। यह साड़ी हल्की और फ्लोई फैब्रिक से बनी हुई है। इसके बॉर्डर पर रफल डिजाइन है, जो लुक को स्टायलिश और सुंदर बना रहा है। सुष्मिता हमेशा की तरह आत्मविश्वास से लबरेज नजर आ रही हैं। अपनी इन तस्वीरों को शेयर करते हुए सुष्मिता ने कैप्शन में लिखा, मैं अंधेरे से डरती नहीं, मुझे हमेशा से ब्लैक कलर पसंद है। मैं इस कलर को एक कवच की तरह मानती हूं। मैं आप सबको बहुत प्यार करती हूं! मेरी प्यारी टीम को भी धन्यवाद!

21 मई को सुष्मिता सेन ने अपनी मिस यूनिवर्स जीत को 31 साल पूरे होने का जश्न मनाया था। इस मौके पर उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर कुछ पुरानी तस्वीरें शेयर की हैं। ये तस्वीरें उस समय की हैं, जब उन्होंने 1994 में मिस यूनिवर्स का ताज पहना था। उस समय एक्ट्रेस सिर्फ 18 साल की थीं, लेकिन उन्होंने अपने आत्मविश्वास और खूबसूरती से पूरी दुनिया को प्रभावित किया

था। इंस्टाग्राम पर सुष्मिता सेन ने लिखा- 31 साल पहले, जब मैं 18 साल की थी, मैंने मिस यूनिवर्स का खिताब जीता था। यह भारत की पहली जीत थी। इस जीत ने मेरी जिंदगी बदल दी। इससे मेरे लिए दुनिया के दरवाजे खुल गए और मुझे बहुत कुछ सीखने, देखने और समझने को मिला। इस जीत ने मुझे यह सिखाया कि आशा में ताकत होती है, सबको साथ लेकर चलने से चमत्कार होते हैं, और प्यार सबसे बड़ी चीज है। मुझे दुनिया घूमने और बहुत ही प्रेरणादायक लोगों से मिलने का मौका मिला। यह मेरे जीवन का सबसे अहम मोड़ था। मैं भगवान, अपनी मां और बाबा का दिल से धन्यवाद करती हूं। मैं इस बात को हमेशा गर्व से याद रखूंगी कि मुझे अपने देश भारत का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला।

बता दें कि 21 मई 1994 को, सुष्मिता सेन ने फिलीपींस में आयोजित 42वीं मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व किया था। खास बात यह है कि इसमें 77 देशों से सुंदरियां शामिल हुई थीं। यह खिताब जीतने वाली पहली भारतीय बन गईं।



स्टाफ की गलती थी जिसकी वजह से यह घटना हुई। इस मुद्दे पर स्वास्थ्य मंत्री ने कहा, जांच की जा रही है। जो भी जिम्मेदार होगा उसका सजा दी जाएगी। हनुमान बेनीवाल सब इम्पेक्टर भर्ती परीक्षा रद्द करने के लेकर रिविगर को बड़ी राह कराने वाले हैं। इस पर गंजठर सिंह खींसवार ने कहा, हनुमान बेनीवाल दबाव बनाने को कोशिश कर रहे हैं। न किमेटी ने सदनय हूं, हम पूरी जांच कर रहे हैं, कॉर्ट ने एक डेट दी है।

कोरोना का नया खतरा! लखीसराय अस्पताल का ऑक्सीजन प्लांट 20 महीने से बंद

लखीसराय (एजेंसियां)।

देश में एक बार फिर कोरोना का खतरा बढ़ने लगा है। कोविड के दो नए वेरिएंट छड़.1.8.1 और डक्र.7 सामने आए हैं। इनकी पहचान तमिलनाडु और गुजरात में हुई है।

वहीं दिल्ली, कर्नाटक और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में भी कोरोना के मामलों में इजाफा हो रहा है। ऐसे में एक बार फिर ऑक्सीजन की जरूरत बढ़ सकती है।

इसी बीच बिहार के लखीसराय सदर अस्पताल में 70 लाख रुपये की लागत से बना ऑक्सीजन प्लांट पिछले 20 महीनों से बंद पड़ा है। यह प्लांट 6 अक्टूबर 2021 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने



ऑनलाइन उद्घाटन किया था। इसकी क्षमता हर मिनट 500 लीटर ऑक्सीजन बनाने की है,

जो किसी भी महामारी के समय काफी मददगार हो सकता था। लेकिन सितंबर 2023 से यह

प्लांट तकनीकी खराबी के कारण पूरी तरह से बंद है। इसके कारण अस्पताल को हर महीने बाहर से

ऑक्सीजन सिलेंडर मंगवाने पड़ रहे हैं। इससे न सिर्फ खर्च बढ़ रहा है, बल्कि इमरजेंसी में मरीजों को समय पर ऑक्सीजन देना भी मुश्किल हो गया है।

अस्पताल के प्रबंधक नंद किशोर भारती ने बताया कि ऑक्सीजन प्लांट को ठीक करने के लिए विशेषज्ञों की एक टीम आई थी, लेकिन अभी तक प्लांट चालू नहीं हो सका है। इसको लेकर स्थानीय लोग और मरीज बहुत नाराज हैं। उनका कहना है कि लाखों रुपये खर्च करके बना प्लांट महीनों से बंद है, जो सरकार की लापरवाही और संसाधनों की बर्बादी है। इससे मरीजों की जान भी खतरे में पड़

सकती है।

मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी (सीएस) बीपी सिन्हा ने बताया कि इस खराबी की जानकारी कई बार राज्य स्वास्थ्य समिति को दी गई है। अब पुरानी कंपनी का टेंडर रद्द कर दिया गया है और एक नई कंपनी को प्लांट चलाने की जिम्मेदारी दी गई है। उम्मीद है कि जल्दी ही यह प्लांट फिर से चालू हो जाएगा।

स्थानीय लोगों ने सरकार और प्रशासन से अपील की है कि वे इस मामले को गंभीरता से लें और जल्द से जल्द प्लांट को ठीक करवाएं, ताकि किसी भी इमरजेंसी में मरीजों को समय पर ऑक्सीजन मिल सके।

अज्ञात वाहन की टक्कर से दो बाइक सवार युवकों की दर्दनाक मौत

पटना (एजेंसियां)।

कैमूर जिले के मोहनिया थाना क्षेत्र में मोहनिया रामगढ़ रोड पर डड़वा के पास एक हादसे में बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गई। यह हादसा शिव शक्ति धर्म कांटा के पास हुआ, जहां एक अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी।

मृतकों की पहचान बघिनी गांव निवासी राम चौधरी के बेटे विरोधी पासी और डड़वा निवासी शंकर शर्मा के बेटे शेरू शर्मा के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, दोनों युवक टेंट का काम करते थे और बैरी गांव से काम करके लौट रहे थे। उसी दौरान मोहनिया की ओर से आ रही एक तेज रफ्तार गाड़ी ने उन्हें टक्कर मार दी और चालक गाड़ी लेकर फरार हो गया। घटना की जानकारी वहां मौजूद धर्म कांटा पर काम कर रहे लोगों ने मोहनिया थाना की दी।

सूचना मिलते ही थाना प्रभारी प्रियेश प्रियदर्शी अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे।

मोहनिया थाना प्रभारी ने बताया कि मोहनिया थाना क्षेत्र में हुए सड़क हादसे में दो लोगों की दर्दनाक मौत हो गई है। दोनों मृतकों के परिवार वालों को इसकी जानकारी दे दी गई है। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भुभुआ सदर अस्पताल भेज दिया है। घटना की सूचना मिलते ही मोहनिया भाग 3 की जिला पार्षद गीता पासी भी मौके पर पहुंच गईं। पुलिस दोनों घायलों को अनुमंडल अस्पताल लेकर गई, जहां इमरजेंसी में मौजूद डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस हादसे की खबर मिलते ही मृतकों के घरों में कोहराम मच गया और परिजन रोने बिलखने लगे। पुलिस आगे की जांच में जुट गई है।

पटना के थाने से जब्त शराब गायब, महिला दारोगा समेत तीन पुलिसकर्मी निलंबित

पटना (एजेंसियां)।

पटना के पाटलिपुत्र थाने से जब्त की गई शराब रहस्यमय तरीके से गायब हो गई है। इस मामले में पाटलिपुत्रा थाने के तीन पुलिसकर्मी महिला दारोगा आशा कुमारी, एसएसआई पंकज कुमार और राजेश कुमार पर प्राथमिकी दर्ज कर उन्हें निलंबित कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार, एक सप्ताह पूर्व महिला दारोगा आशा कुमारी ने शराब की एक बड़ी खेप जब्त की थी, जिसे थाने के सरिस्ता में सुरक्षित रखा गया था। लेकिन जब मालखाना प्रभारी ने जब्ती सूची के आधार पर शराब की गिनती की, तो बोटलों की संख्या कम पाई गई। इस पर प्रभारी ने जब आशा कुमारी और

छापेमारी दल में शामिल अन्य पुलिसकर्मीयों से पूछताछ की, तो सभी ने शराब ले जाने से इनकार कर दिया।

संदेह के बाद मामले की जांच सिटी एसपी (मध्य) स्वीटी से-हरावत को सौंपी गई। सिटी एसपी ने खुद वीडियो फुटेज खंगाले और गुरुवार शाम पाटलिपुत्रा थाना पहुंचकर संबंधित पुलिसकर्मीयों से पूछताछ की। पूछताछ के दौरान जब पुलिसकर्मी धिरेते नजर आए, तो वे चुपचाप थाने से निकल गए। इसके बाद सिटी एसपी के निर्देश पर पाटलिपुत्रा थाने में ही तीनों आरोपितों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई और उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया।

मालखाना प्रभारी द्वारा खंगाले गए सीसीटीवी फुटेज से यह साफ हुआ कि एसएसआई राजेश कुमार ने सरिस्ता से शराब की बोतलें हटाई थीं और उस वक्त पंकज कुमार भी वहीं मौजूद थे। हालांकि, दोनों ही पुलिसकर्मीयों ने शराब ले जाने की बात से इनकार किया है।

थाने में चल रही कानाफूसी की जानकारी जब सिटी एसपी को मिली तो उन्होंने तुरंत गंभीर कार्रवाई की। मामले की पुष्टि करते हुए पटना एसएसपी अवकाश कुमार ने बताया कि तीनों आरोपित पुलिसकर्मीयों के खिलाफ विभागीय जांच के साथ-साथ कानूनी कार्रवाई भी की जा रही है।

भागलपुर (एजेंसियां)।

देशभर में एक बार फिर कोविड-19 संक्रमण के मामले बढ़ने लगे हैं। कई राज्यों में कोरोना के नए केस सामने आ रहे हैं। इसी के मद्देनजर भागलपुर में स्वास्थ्य विभाग ने सतर्कता बढ़ा दी है और आवश्यक तैयारियां शुरू कर दी गई हैं।

एहतियातन, भागलपुर मॉडल सदर अस्पताल में 10 बेड का विशेष कोविड वार्ड तैयार किया गया है। इस वार्ड के सभी बेड ऑक्सीजन सुविधा से युक्त हैं और वहां आवश्यक दवाइयों एवं चिकित्सकीय संसाधनों की समुचित व्यवस्था की गई है। इसका उद्देश्य किसी भी आपात



स्थिति में संक्रमित मरीजों को तत्काल और प्रभावी इलाज प्रदान करना है।

हालांकि फिलहाल जिले में कोविड का कोई सक्रिय मामला

नहीं है, फिर भी स्वास्थ्य महकमा पूरी तरह से मुस्तैद है। अस्पताल प्रबंधन की ओर से डॉक्टरों, नर्सिंग स्टाफ और तकनीकी कर्मियों को अलर्ट मोड पर रखा गया है। सदर

अस्पताल के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. राजू कुमार और अस्पताल प्रबंधक आशुतोष कुमार ने बताया कि विभागीय निर्देश के अनुसार कोरोना संक्रमण

से जुड़ी हर स्थिति की लगातार निगरानी की जा रही है।

डॉ. राजू कुमार ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग मुख्यालय से प्राप्त निर्देशों के तहत ऑक्सीजन युक्त 10 बेड का कोविड वार्ड तैयार कर लिया गया है। आवश्यक दवाओं की पर्याप्त व्यवस्था की जा रही है। साथ ही सभी डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों को मास्क पहनने और सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करने के निर्देश दिए गए हैं। अस्पताल प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे घबराएं नहीं, लेकिन सतर्क जरूर रहें। मास्क पहनना, सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करना और नियमित रूप से हाथ धोना अभी भी जरूरी है।

लालू यादव ने बेटे तेज प्रताप को छह साल के लिए पार्टी से निकाला

फेसबुक पर एक महिला के साथ वायरल हुई थी पोस्ट

पटना (एजेंसियां)।

पूर्व मंत्री और राष्ट्रीय जनता दल के विधायक तेज प्रताप यादव को राष्ट्रीय जनता दल से निकाल दिया गया। राजद सुप्रीमो और तेज प्रताप के पिता लालू यादव ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर यह एलान किया। उन्होंने तेज प्रताप को छह साल के लिए पार्टी से निलंबित कर दिया गया है। उन्होंने लिखा, 'निजी जीवन में नैतिक मूल्यों की अवहेलना करना हमारे सामाजिक न्याय के लिए सामूहिक संघर्ष को कमजोर करता है। ज्येष्ठ पुत्र की गतिविधि, लोक आचरण तथा गैर जिम्मेदाराना व्यवहार हमारे पारिवारिक मूल्यों और



संस्कारों के अनुरूप नहीं है। अतएव उपरोक्त परिस्थितियों के चलते उसे पार्टी और परिवार से दूर करता हूं। अब से पार्टी और परिवार में उसकी किसी भी प्रकार की कोई भूमिका नहीं रहेगी। उसे पार्टी से छह साल के लिए निष्कासित किया जाता है।'

लालू प्रसाद यादव ने आगे लिखा कि अपने निजी जीवन का भला-बुरा और गुण-दोष देखने में वह स्वयं सक्षम है। उससे जो

भी लोग संबंध रखेंगे वो स्वविवेक से निर्णय लें। लोकजीवन में लोकलाज का सदैव हिमायती रहा हूं। परिवार के आज्ञाकारी सदस्यों ने सावर्जनिक जीवन में इसी विचार को अंगीकार कर अनुसरण किया है। धन्यवाद।'

दरअसल, शनिवार शाम तेज प्रताप यादव के सोशल मीडिया (फेसबुक) अकाउंट से एक पोस्ट वायरल हुआ था। इसमें तेज प्रताप एक लड़की के साथ दिख

रहे थे। इसमें लिखा गया था कि 'मैं तेज प्रताप यादव और मेरे साथ इस तस्वीर में जो दिख रही हैं उनका नाम है। हम दोनों पिछले 12 सालों से एक दूसरे को जानते हैं और प्यार भी करते हैं। हमलोग पिछले 12 सालों से एक रिलेशनशिप में रह रहे हैं। मैं बहुत दिनों से आपलोगों से यह बात कहना चाहता था पर समझ नहीं आ रहा था कैसे कहूं....? इसलिए आज इस पोस्ट के माध्यम से अपने दिल का बात आप सब के बीच रख रहा हूं। आशा करता हूँ आपलोग मेरी बातों समझेंगे।

यह पोस्ट देखते ही देखते वायरल हो गई। सोशल मीडिया पर लोग इस पोस्ट को खूब शेयर करने लगे। हालांकि, यह पोस्ट तेज प्रताप यादव के अकाउंट से डिलीट कर दी गई। लेकिन,

सियासी गलियारे से लेकर आम युवाओं के बीच यह चर्चा का विषय बन गया है। केंद्रीय मंत्री जीवन राम मांझी ने लालू परिवार पर जमकर हमला बोला।

इधर, कथित गर्लफ्रेंड के साथ पोस्ट वायरल होने के कुछ देर बाद तेज प्रताप यादव ने अपने फेसबुक अकाउंट हैक होने की जानकारी दी। इसमें यह कहा गया है कि ये सब उन्हें बदनाम करने की कोशिश की गई है। उन्होंने लिखा है - 'मेरे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को हैक एवं मेरी तस्वीरों को गलत तरीके से एडिट कर मुझे और मेरे परिवार वालों को पोशन और बदनाम किया जा रहा है।

मैं अपने शुभचिंतकों और फॉलोवर्स से अपील करता हूं कि वे सतर्क रहें और किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें...।

बेतिया में पार्टी के दौरान 18 वर्षीय युवक की चाकू मारकर हत्या, दो आरोपी गिरफ्तार

बेतिया (एजेंसियां)।

बैरिया थाना क्षेत्र के पखनाहा बाजार स्थित प्रोजेक्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परिसर में 22 मई को हुई युवक मिट्टू कुमार (18) की हत्या का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। इस मामले में पुलिस ने दो आरोपी शाहबाज खान और अमित कुमार को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि अन्य दो नामजद आरोपी आरिफ खान और हरिओम कुमार की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है।

घटना के संबंध में सदर एसडीपीओ टू रजनीशकांत प्रियदर्शी ने बताया कि मृतक और आरोपी आपस में मित्र थे। 22 मई की शाम सभी ने विद्यालय परिसर में बैठकर पार्टी की। इसी दौरान मिट्टू कुमार द्वारा किए गए गाली-गलौज से विवाद उत्पन्न हुआ। विवाद बढ़ने पर आरोपी शाहबाज खान ने जब से चाकू निकालकर मिट्टू पर ताबड़तोड़ वार कर दिए, जिससे



उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

घटना के बाद चारों आरोपी घटनास्थल से फरार हो गए। मृतक के पिता मदन साह ने बैरिया थाने में चारों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई। पूछताछ में गिरफ्तार आर-गेपी शाहबाज खान ने बताया कि हत्या में प्रयुक्त चाकू को उसने एक तालाब में फेंक दिया है। पुलिस फिलहाल तालाब की तलाशी ले रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार विवाद की शुरुआत विद्यालय परिसर में बने चबूतरे पर बैठने को लेकर हुई थी। आरोपी पहले से वहां बैठे थे। उसी दौरान नशे की हालत में पहुंचे मिट्टू ने वहां बैठने

को लेकर झगड़ा किया, जो देखते ही देखते हिंसक हो गया।

एसडीपीओ ने बताया कि घटनास्थल से डिस्पोजल ग्लास भी बरामद हुआ है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि वहां पार्टी चल रही थी। जांच के लिए उस ग्लास से नमूने लिए गए हैं, ताकि तकनीकी साक्ष्य जुटाए जा सकें।

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस अधीक्षक डॉ. शौर्य सुमन स्वयं मौके पर पहुंचे और मामले की गंभीरता को देखते हुए एक विशेष छापेमारी टीम का गठन किया। इस टीम का नेतृत्व एसडीपीओ टू कर रहे हैं। टीम में योगापट्टी अंचल निरीक्षक विनय कुमार, बैरिया थानाध्यक्ष अंजेश कुमार, दारोगा लवकांत शर्मा, संजीत कुमार, मिथिलेश कुमार, दीपक कुमार दुबे और रिजर्व गार्ड शामिल हैं। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है और जल्द ही फरार आरोपियों की गिरफ्तारी का भरोसा जताया गया है।

बिजली के शॉर्ट सर्किट से झोपड़ी में लगी आग, दो मासूमों की दर्दनाक मौत

दरभंगा (एजेंसियां)।

समस्तीपुर जिले के दलसिंहसराय थाना क्षेत्र अंतर्गत भगवानपुर चकशेखू गांव में रविवार दोपहर एक हृदयविदारक हादसा हो गया।

बिजली के शॉर्ट सर्किट से झोपड़ी में लगी आग की चपेट में आकर दो मासूम भाई-बहन की जिंदा जलकर दर्दनाक मौत हो गई। मृतकों की पहचान तीन वर्षीय अंकित कुमार और पांच

वर्षीय प्रीती कुमारी के रूप में हुई है। दोनों बच्चे शंभू माझी के पुत्र और पुत्री थे और फिलहाल अपने ननिहाल में रह रहे थे।

परिजनों के अनुसार, घटना के समय घर के सभी बड़े सदस्य मजदूरी के लिए बाहर गए हुए थे। इसी दौरान दोनों बच्चे झोपड़ी में सो रहे थे।

दोपहर के समय अचानक बिजली के तारों में स्पार्क हुआ, जिससे झोपड़ी में आग लग गई।

आग इतनी तेजी से फैली कि झोपड़ी पूरी तरह जलकर खाक हो गई। जब तक ग्रामीण शोर सुनकर मौके पर पहुंचे, तब तक दोनों मासूमों की मौके पर ही मौत हो चुकी थी।

सूचना मिलते ही स्थानीय थाना पुलिस और अग्निशमन दल घटनास्थल पर पहुंचे। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशकत के बाद आग पर काबू पाया और झोपड़ी से बच्चों के शव बाहर निकाले।

इस हादसे में झोपड़ी के अंदर रखे कपड़े, बर्तन और अन्य घरेलू सामान भी जलकर राख हो गए। अनुमान है कि इस अग्निकांड में परिवार को हजारों रुपये का नुकसान हुआ है।

घटना के बाद पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है। परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है।

मृत बच्चों के नाना भूखा सदा ने बताया कि घटना के समय घर में सिर्फ दोनों बच्चे ही थे।

अचानक बिजली की चिंगारी से झोपड़ी में आग लग गई और यह दुखद हादसा हो गया।

दलसिंहसराय की सर्किल इंस्पेक्टर पिंकी प्रसाद ने बताया कि प्रारंभिक जांच में आग लगने की वजह बिजली का शॉर्ट सर्किट प्रतीत हो रही है।

इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया है।